राष्ट्र एवं राज्य के प्रगति पथ पर...

रायपुर एवं दुर्ग से प्रकाशित

समय दर्शन

ESTD : Since 2011

संस्थापक : स्व. श्रीमती निलिमा खड़तकर

निष्पक्ष निर्भीक ख़बरों के साथ

वर्ष 14, अंक 95 | पृष्ठ 8, मूल्य 3.00 रुपये | दुर्ग, मंगलवार 21 जनवरी 2025 | www.samaydarshan.in

संक्षिप्त समाचार

26 जनवरी से पहले पाकिस्तान की बड़ी साजिश नाकाम

बाड़मेर। देश में गणतंत्र दिवस की तैयारियां जोरों पर चल रही हैं। इस बीच सीमा सुरक्षा बल ने राजस्थान के बाड़मेर में जमीन में दबाया गया हथियारों का जखीरा बरामद किया है। सूत्रों ने बताया कि सीमा पर बाड़ के पास रेत में छिपाए गए हथियार बरामद किए गए हैं। इसमें 9 एमएम की 4 ग्लॉक पिस्तौल, 8 मैगजीन और 78 कारतूस बरामद किए गए हैं। फिलहाल मामले की जांच तेज कर दी गई है। सुरक्षा एजेंसियों को भी अलर्ट कर दिया गया है। माना जा रहा है कि ये हथियार पाकिस्तान की तरफ से तस्करी करके लाया गया है। एक सूत्र ने बताया, ''सीमा के पास संदिग्ध गतिविधियां दिखाई देने पर हमने सूचना के आधार पर शुक्रवार को बीजराड़ पुलिस थाना क्षेत्र में भभूते की ढाणी के पास तलाश अभियान शुरू किया। तलाशी अभियान के दौरान, सीमा पर बाड़ से थोड़ी दूरी पर रेत के टीले में छिपाकर रखे गए अवैध हथियारों का जखीरा बरामद किया गया।

बांग्लादेशी होने का शक, 6 महीने पहले आया था मुंबई

नई दिल्ली। बॉलीवुड एक्टर सैफ अली खान पर हमला करने वाले आरोपी के बांग्लादेशी होने का शक मुंबई पुलिस ने जताया है। उसका नाम मोहम्मद शरीफुल इस्लाम शहजाद है जो पुलिस के मुताबिक एक्टर के घर पर चोरी करने पहुंचा था। डीसीपी दीक्षित गेडाम ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में ये जानकारी दी। डीसीपी जोन 9 दीक्षित गेडाम ने मीडियाकर्मियों को संबोधित करते हुए कहा कि 16 जनवरी को सुबह 2 बजे अभिनेता सैफ अली खान पर उनके आवास पर हमला किया गया। एफआईआर दर्ज की गई और एक आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया है। उसका नाम मोहम्मद शरीफुल इस्लाम शहजाद है, उसकी उम्र 30 साल है। डीसीपी के मुताबिक आरोपी चोरी के इरादे से सैफ अली खान के घर में घुसा था। उसे अदालत में पेश किया जाएगा और हिरासत की मांग की जाएगी। हमें संदेह है कि वह बांग्लादेशी मूल का है, लेकिन फिलहाल हम जांच कर रहे हैं।

26 जनवरी से उत्तराखंड में लागू हो जाएगा यूनिफॉर्म सिविल कोड, बनेगा देश का पहला राज्य

देहरादून। उत्तराखंड सरकार 26 जनवरी से राज्य में समान नागरिक संहिता लागू करने के लिए पूरी तरह तैयार है। ऐसा करने वाला उत्तराखंड देश का पहला राज्य होगा। बता दें कि इससे पहले, नियम और कार्यान्वयन समिति की सलाह के बाद सरकार ने कुछ बदलावों को समीक्षा के लिए विधायी विभाग को भेजा था। समीक्षा किए गए नियमों को विभाग द्वारा अप्रूव किया गया है। समीक्षा किए गए नियमों को कल धामी कैबिनेट द्वारा पारित किए जाने की संभावना है। वहीं, इस कानून को लेकर कर्मचारियों के लिए ब्लॉक-स्तरीय प्रशिक्षण सत्र चलाया जा रहा है।

छत्तीसगढ़ में नगरीय निकाय और पंचायत चुनाव का ऐलान

नगरीय निकाय में 22 से नामांकन और 11 फरवरी को मतदान होगा

- छत्तीसगढ़ देश का पहला राज्य जहां वन नेशनल और वन इलेक्शन की तर्ज पर होगा मतदान
- प्रदेश में नगरीय निकाय चुनाव एक चरण में होंगे और पंचायत चुनाव तीन चरण में होंगे

रायपुर/समय दर्शन

छत्तीसगढ़ में नगरीय निकायों के चुनाव का ऐलान हो गया है। इसी के साथ प्रदेश में आदर्श आचार संहिता लागू हो गई है। नगरीय निकाय चुनाव एक चरण में चुनाव होगा। इसके लिए 22 जनवरी से नामांकन की प्रक्रिया शुरू हो जाएगी। वहीं 11 फरवरी को मतदान होगा और 15 फरवरी को वोटों की गिनती की जाएगी। नाम वापसी की अंतिम तारीख 31 जनवरी तय की गई है। निर्वाचन आयोग ने एक मार्च में शुरू हो रही बोर्ड परीक्षा के मद्देनजर यह निर्णय लिया है। छत्तीसगढ़ देश का पहला राज्य होगा जहां वन नेशन-वन इलेक्शन की तर्ज पर पंचायत और निकाय चुनाव साथ होंगे। छत्तीसगढ़ में नगरीय निकाय और त्रि स्तरीय पंचायत चुनाव को लेकर राज्य निर्वाचन आयोग ने प्रेस कॉन्फ्रेंस की। इस दौरान राज्य निर्वाचन आयुक्त अजय सिंह ने आगामी चुनाव कार्यक्रम की जानकारी दी। 2025 के निकाय चुनाव में प्रदेश के 14

नगर निगमों में से 10 नगर पालिक निगम, 54 नगर पालिकाओं में 45 के नगरपालिका परिषद और 124 नगर पंचायतों में से 114 नगर पंचायत अध्यक्षों के लिए चुनाव होंगे। नगरीय निकाय चुनाव 25 दिनों में पूर्ण हो जाएंगे। छत्तीसगढ़ प्रदेश का पहला ऐसा राज्य होने जा रहा है, जहां वन नेशन और वन इलेक्शन की तर्ज पर चुनाव होंगे। प्रदेश में पहली बार नगरीय निकाय और पंचायत चुनाव एक साथ संपन्न होंगे। निकाय चुनाव में 25 दिन लगेंगे तो वहीं त्रि-स्तरीय पंचायत चुनाव एक महीने में खत्म हो जाएंगे। प्रदेश के 33 जिलों में पंचायत चुनाव होंगे। पंचायत चुनाव के लिए 27 जनवरी से 3 फरवरी तक नॉमिनेशन होगा और तीन चरणओं 17, 20 और 23 फरवरी को मतदान होगा। पंच, सरपंच, जनपद सदस्य और जिला पंचायत सदस्यों के चुनाव जीतने की घोषणा जनपद और कलेक्टर कार्यालय में होंगे। नगरीय निकाय का निर्वाचन ईवीएम से संपन्न कराया जाएगा। वहीं त्रि-स्तरीय पंचायत चुनाव बैलेट पेपर से होगा। नगर पालिकाओं में 44 लाख 74 हजार 269 कुल मतदाता हैं, जिसमें पुरुष मतदाता 22 लाख 525 और महिला मतदाता 22 लाख 73 हजार 232 है। जबकि अन्य मतदाताओं की संख्या 512 है। वहीं चुनाव के लिए कुल 5 हजार 970 और उप निर्वाचन के लिए 22 मतदान केंद्र बनाए जाएंगे। 1 हजार 531 संवेदनशील और 132 अतिसंवेदनशील मतदान केंद्र बनेंगे।

आचार संहिता से संबंधित इन किन बातों का रखना होगा ध्यान

आचार संहिता से संबंधित विषय पर तत्कालिक निर्णय लेना आवश्यक हो तो राज्य निर्वाचन आयोग से परामर्श कर निर्णय लिया जाए। कर्मचारियों और अधिकारियों को कलेक्टर की बिना अनुमति के अवकाश स्वीकृत नहीं होगा। नियुक्ति और पदस्थापना भी प्रतिबंधित रहेगी। सरकार के मंत्री कोई घोषणा नहीं कर पाएंगे और न ही भूमिपूजन या लोकार्पण कार्यक्रम में शामिल होंगे। लाउडस्पीकर के उपयोग, वाहनों की व्यवस्था, विश्राम गृहों व भवनों में कमरों का आरक्षण, निर्वाचन के लिए कर्मचारियों की व्यवस्था, शिकायतों के निराकरण, स्थानीय निकायों, शासकीय उपक्रमों, सहकारी संस्थाओं आदि के वाहनों के उपयोग पर प्रतिबंध आदि के संबंध में भी दिशा-निर्देश जारी किए हैं।

दोषी संजय रॉय की सजा पर बोलीं ममता

मैं इस फैसले से संतुष्ट नहीं हमने मृत्युदंड मांगी थी......

कोलकाता। आरजी कर अस्पताल की प्रशिक्षु चिकित्सक से बलात्कार और हत्या मामले में दोषी संजय रॉय को उम्र कैद की सजा सुनाए जाने पर पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी असंतोष जाहिर किया है। उन्होंने कहा कि, वह अदालत के फैसले से संतुष्ट नहीं हैं। ममता बनर्जी ने कहा कि, हम सभी ने मौत की सजा की मांग की थी लेकिन अदालत ने आजीवन कारावास दिया है। मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने सोमवार को दावा किया कि जांच का जिम्मा कोलकाता पुलिस से जबरन ले लिया गया। उन्होंने कहा कि यदि जांच का जिम्मा कोलकाता पुलिस के पास ही रहा होता, तो उसने निश्चित रूप से मौत की सजा सुनिश्चित की होती। मुर्शिदाबाद जिले में पत्रकारों से बात करते हुए मुख्यमंत्री ने मामले में सीबीआई जांच पर सवाल उठाये। उन्होंने कहा, हम सभी ने (दोषी के लिए) मृत्युदंड की मांग की थी, लेकिन अदालत ने आजीवन कारावास की सजा सुनाई है।

कोंडागांव में रात लगभग एक बजे दर्दनाक सड़क हादसे

स्कूली बस और ट्रक के बीच जोरदार टक्कर,हादसे में दो की मौत,12 बच्चे घायल,चार गंभीर...........

कोंडागांव/ समय दर्शन

कोंडागांव में रात लगभग एक बजे दर्दनाक सड़क हादसे में 50.60 स्कूली बच्चों से भरी बस नेशनल हाईवे 30 पर रायपुर से जगदलपुर जा रहे एक ट्रक से टकरा गई। हादसा नया बस स्टैंड के पास हुआ। टक्कर इतनी भीषण थी कि बस चालक की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि एक शिक्षक ने अस्पताल ले जाते समय दम तोड़ दिया। ट्रक चालक को गंभीर चोटें आईं और उसे जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। एक अभिभावक ने बताया कि रात लगभग तीन बजे उन्हें हादसे की जानकारी मिली, जिसके बाद वे तुरंत कोंडागांव के लिए रवाना हो गए। दुर्घटना की सूचना मिलते ही क्षेत्र की विधायक और भाजपा की राष्ट्रीय उपाध्यक्ष लता उसेंडी जिला अस्पताल पहुंचीं। उन्होंने घायलों से मुलाकात कर उनका हालचाल लिया और अधिकारियों को बेहतर इलाज उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। साथ ही, घायलों को मोहला मानपुर भेजने की व्यवस्था करने को कहा। डॉ. आर.के. सिंह सीएमएचओ, ने जानकारी दी कि बस में कुल 60 लोग सवार थे, जिनमें 50 स्कूली बच्चे, 5 शिक्षक, 1 चपरासी, 3 सिविल के बच्चे और 1 ड्राइवर शामिल थे। ये सभी चित्रकूट और तीरथगढ़ से पिकनिक मनाकर मोहला मानपुर लौट रहे थे। अभी जिला अस्पताल में 8 बच्चों का इलाज जारी है, जबकि 4 बच्चों को बेहतर उपचार के लिए रायपुर रेफर किया गया है। हादसे में बस

चालक और एक शिक्षक की मौत हो चुकी है। जिला प्रशासन ने बाकी 46 लोगों को बस की व्यवस्था करके मोहला मानपुर भेज दिया है। घटना के बाद से छात्र-छात्राओं के परिजन और अभिभावक सुबह से ही अस्पताल में जुटे हुए हैं। कोंडागांव में स्कूली बस और ट्रक के बीच हुई सड़क दुर्घटना में वाहन चालक सहित एक शिक्षक के निधन की खबर अत्यंत दु:खद है। बस में सवार स्कूली बच्चों में कुछ बच्चों के घायल होने की भी खबर है, जिनका इलाज जारी है। जिला प्रशासन को बेहतर चिकित्सकीय व्यवस्था के निर्देश दिए हैं। ईश्वर से दिवंगतों की आत्मा की शांति एवं शोकाकुल परिजनों को संबल प्रदान करने व घायल बच्चों के जल्द से जल्द स्वास्थ्य लाभ की प्रार्थना करता हूं। कोंडागांव में स्कूली बस और ट्रक के बीच हुई सड़क दुर्घटना में वाहन चालक सहित एक शिक्षक के निधन की खबर अत्यंत दु:खद है। बस में सवार स्कूली बच्चों में कुछ बच्चों के घायल होने की भी खबर है, जिनका इलाज जारी है।

श्रीमती रोहिणी राम पाटणकर हुई सम्मानित

दुर्ग। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के कर कमलो द्वारा विशिष्ट कार्य गौरव सत्कार प्राप्त करते हुए साथ में बृहन महाराष्ट्र मंडल अध्यक्ष मिलिंद महाजन तथा रायपुर महाराष्ट्र मंडल के अध्यक्ष अजय काले द्वारा श्रीमती रोहिणी राम पाटणकर सम्मानित ।

किसान नेता डल्लेवाल खत्म कर सकते है अपना आमरण अनशन

खनौरी। एमएसपी समेत कई मांगों को लेकर किसानों का धरना लगातार जारी है। इस बीच केंद्रीय कृषि मंत्रालय भारत के ज्वाइंट सचिव प्रिया रंजन सहित पंजाब पुलिस के सीनियर अधिकारीगण शनिवार को खनौरी बार्डर पर आमरण अनशन पर बैठे किसान नेता जगजीत सिंह डल्लेवाल से मुलाकात करने के लिए पहुंचे। उन्होंने जगजीत सिंह डल्लेवाल का हालचाल जाना। कुछ समय के बाद डल्लेवाल ने सेहत नाजुक होने के कारण अधिकारियों से बातचीत से किनारा करते हुए किसान नेताओं को अधिकारियों से बातचीत करने का आग्राह कर दिया। प्रिया रंजन के साथ किसान नेता काका सिंह कोटड़ा, अभिमन्यु कोहाड़ आदि द्वारा मुलाकात की जा रही है।

ताहिर हुसैन की याचिका पर कोर्ट की सख्त टिप्पणी

ऐसे लोगों को चुनाव लड़ने से रोका जाना चाहिए-सुप्रीम.....

नई दिल्ली/ एजेंसी

सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को सख्त टिप्पणी की कि ऐसे सभी लोगों को चुनाव लड़ने से रोका जाना चाहिए। इसके साथ ही पीठ ने पूर्व पार्षद और दिल्ली दंगों के आरोपी ताहिर हुसैन की याचिका पर सुनवाई 21 जनवरी तक टाल दी है, जिन्होंने आगामी दिल्ली विधानसभा चुनावों के लिए प्रचार करने के लिए अंतरिम जमानत मांगी है। मामले में न्यायमूर्ति पंकज मिथल और अहसानुद्दीन अमानुल्लाह की पीठ ने समय की कमी के कारण सुनवाई स्थगित कर दी, लेकिन जैसे ही दिन की

कार्यवाही शुरू हुई, ताहिर हुसैन के वकील ने मामले का उल्लेख किया और 21 जनवरी को सुनवाई का अनुरोध किया। पीठ ने जवाब में टिप्पणी की, 'जेल में बैठकर चुनाव जीतना आसान है। ऐसे सभी लोगों को चुनाव लड़ने से रोका जाना चाहिए।' उनके वकील जानकारी देते हुए कहा कि ताहिर हुसैन का नामांकन स्वीकार कर लिया गया है। इससे पहले दिल्ली उच्च न्यायालय ने 14 जनवरी को ताहिर हुसैन को एआईएमआईएम के टिकट पर मुस्तफाबाद निर्वाचन क्षेत्र से नामांकन पत्र दाखिल करने के लिए पैरोल दी थी। हालांकि, इसने चुनाव लड़ने के लिए 14 जनवरी से 9 फरवरी तक अंतरिम जमानत के लिए उनकी याचिका को यह कहते हुए अस्वीकार कर दिया । कि हिंसा में मुख्य अपराधी होने के नाते ताहिर हुसैन के खिलाफ आरोपों की गंभीरता को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता है, जिसकी वजह से कई लोगों की मौत हो गई।

जज बोले-ये रेयरेस्ट ऑफरेयर केस नहीं

ट्रेनी डॉक्टर से दरिंदगी मामले में संजय रॉय को उम्रकैद

नई दिल्ली/ एजेंसी

सियालदह कोर्ट की विशेष अदालत ने सोमवार को सरकारी आरजी कर मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल की ट्रेनी महिला डॉक्टर के साथ रेप-हत्या के मामले में एकमात्र दोषी सिविक वालंटियर संजय रॉय उम्रकैद की सजा सुनाई है। जज ने कहा कि यह कोई दुर्लभतम मामला नहीं है। अदालत ने 50,000 रुपये का जुर्माना भी लगाया है। कोर्ट ने शनिवार को ट्रेनी महिला डॉक्टर की रेप के बाद हत्या मामले में आरोपी सिविक वालंटियर संजय रॉय को दोषी करार दिया था। फैसले के समय संजय रॉय ने अदालत में दावा किया था कि उसे फंसाया गया है। हालांकि, न्यायाधीश अनिर्बन दास ने कहा कि उसे सजा सुनाए जाने से पहले सोमवार को बोलने का मौका दिया जाएगा। मृतक छात्रा के माता-पिता ने दोषी करार दिए जाने के लिए न्यायाधीश का शुक्रिया अदा किया था। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, शनिवार को मामले की सुनवाई के दौरान अदालत में अफरा-तफरी की स्थिति भी बन गई थी, जिसके बाद अदालत ने सख्त लहजे में सभी लोगों को चेतावनी दी थी और आरोपी की सुरक्षा सुनिश्चित करने पर जोर दिया था। पीड़िता के पिता ने सोमवार सुबह पत्रकारों से कहा था, आज सजा सुनाने से पहले विशेष अदालत के न्यायाधीश दोषी की बात सुनेंगे। उसने 20 जनवरी को कुछ कहने पर जोर दिया था, जिस दिन उसे विशेष अदालत ने दोषी ठहराया था। हम चाहते हैं कि उसे अधिकतम सजा दी जाए। उन्होंने कहा

था, रॉय निस्संदेह अपराधी है। लेकिन इस साजिश में और भी लोग शामिल हैं। प्रशासन शुरू से ही उन्हें बचाने की कोशिश कर रहा था। पीड़िता की मां ने कहा था कि संभवत: रॉय इतने लंबे समय तक चुप इसलिए रहा, क्योंकि उसे किसी ने इस मामले में जमानत दिलाने का आश्वासन दिया था। गौरतलब है कि पिछले साल 9 अगस्त को महिला ट्रेनी डॉक्टर का शव आरजी कर अस्पताल के सेमिनार हॉल से बरामद किया गया था। कोलकाता पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज और क्राइम सीन से मिले सबूतों के आधार पर जांच की। इसके बाद सिविक वालंटियर संजय रॉय को गिरफ्तार किया गया। संजय रॉय इस मामले में केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) की चार्जशीट में मुख्य आरोपी है। संजय रॉय को भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 64, धारा 66 और धारा 103 (आई) के तहत दोषी ठहराया गया था। इस कोलकाता कांड की सुनवाई सियालदह कोर्ट में हुई, जहां कोर्ट के स्पेशल जज अनिर्बन दास ने फैसला सुनाया और संजय रॉय को दोषी करार देते हुए उम्रकैद की सजा सुनाई. न्यायाधीश अनिर्बन दास ने भारतीय न्याय संहिता की धारा 64 और 103 (1) के तहत संजय रॉय को दोषी करार दिया था. उन्होंने फैसला सुनाते हुए कहा कि सीबीआई ने इस पूरे मामले में जितने भी सबूत पेश किए हैं, उससे संजय रॉय का अपराध सिद्ध होता है.

मुझे फंसाया गया,कोई अपराध नहीं किया....

संजय को सोमवार को बेहद कड़ी सुरक्षा में अदालत में पेश किया गया। मृतका के माता-पिता भी वहां मौजूद थे। सुनवाई के दौरान संजय ने फिर खुद को निर्दोष बताते हुए उसे फंसाए जाने का आरोप लगाया। बता दें कि इससे पहले न्यायाधीश ने कहा था कि सजा सुनाने से पहले संजय को एक बार फिर बोलने का मौका दिया जाएगा। जज ने फैसला सुनाने से पहले संजय से पूछा कि आपके परिवार वालों ने आपसे कोई संपर्क किया था या नहीं। इसके जवाब में संजय ने कहा कि नहीं। सीबीआइ के वकील ने फैसले की प्रक्रिया शुरू होने के दौरान कहा कि यह विरलतम मामला है। प्रशिक्षु चिकित्सक समाज की सेवा का कार्य कर रही थीं। उनके साथ जघन्य अपराध किया गया था। दोषी को मृत्युदंड की सजा की मिलनी चाहिए ताकि समाज में आस्था बरकरार रहे।

संक्षिप्त समाचार

जिला पंचायत : पटेवा से प्रतीक्षा सूर्यकांत भंडारी की प्रबल दावेदारी

राजनांदगांव। राजनांदगांव जिले में आरक्षण होते ही दावेदारों की सूची बढ़ती जा रही है। हर व्यक्ति जिला पंचायत में जोर अजमाईश करने के लिए अपने संगठन में देवदारी पेश करने में लगा हुआ है, इसी तरह जिला पंचायत क्षेत् क्रमांक-1 पटेवा से भाजपा नेत्री एवं निवर्तमान जनपद पंचायत अध्यक्ष-राजनंदगांव श्रीमती प्रतीक्षा सूर्यकांत भंडारी को जिला पंचायत सदस्य बनाए जाने की मांग ग्रामीणों ने जोरदार ढंग से उठाई है। क्षेत्र की ग्रामीणों की मांग पर श्रीमती भंडारी ने पार्टी आला कमान से अपनी दावेदारी भी ठोक दी है, उनकी इस दावेदारी और क्षेत्रवासियों के मांग से विरोधी खेमे में खलबली मची हुई है। वर्तमान समय में देखा जाए तो उसे क्षेत्र में उनके अनुभव का कोई भी महिला उम्मीदवार नहीं देखा जा रहा है, उन्हें तो वर्तमान समय में जनपद पंचायत का अनुभव बरकरार है। इस वजह से क्षेत्र में अच्छी पकड़ उनकी मानी जा रही है। अध्यक्ष- जनपद पंचायत राजनांदगांव, जनपद सदस्य क्षेत्र क्रमांक 22, ठाकुरटोला, उपाध्यक्ष-जिला भाजपा महिला मोर्चा राजनांदगांव, सन् 2015 से 2020 तक जनपद सदस्य क्षेत्र क्रमांक 10, भांठागांव, राजनांदगांव सदस्य रही। कार्य अनुभव के बारे में अगर चर्चा करें तो वह सामाजिक एवं राजनीतिक गतिविधियों में निरंतर कार्यरत जिसमें ग्राम पंचायत स्तरीय महिला समूहों के साथ मिलकर नशा मुक्ति एवं ग्रामीण विकास आदि कार्यक्रमों में सहयोग, सन् 2014-15 से भारतीय जनता पार्टी के बैनर में महिला समूह एवं महिला मोर्चा के तहत ग्रामीण मंडल एवं जिला स्तरीय संगठनात्म कार्यक्रमों में सहभागिता रही। जिला एवं मंडल भाजपा द्वारा महिला मोर्चा के माध्यम से शराबबंदी, किसान आंदोलन, प्रधानमंत्री आवास की मांग, आरक्षण एवं धर्मान्तरण जैसे मुद्दों को लेकर राज्य सरकार के विरोध में धरना प्रदर्शन एवं आंदोलन में सहभागिता, समय-समय पर जिला एवं मंडल भाजपा के सभी गतिविधियों में शामिल होकर जिम्मेदारी पूर्वक अपना कर्तव्य निर्वहन किया हैं।

संयुक्त टीम द्वारा की गई 54 स्कूल बसों एवं चालकों की जांच

महासमुंद(समय दर्शन)। जिला परिवहन अधिकारी और यातायात पुलिस महासमुंद तथा स्वास्थ्य विभाग की संयुक्त टीम के द्वारा रविवार को जिले में आने वाले पिथोरा, बसना, सरायपाली क्षेत्र के 54 स्कूल बसों की जांच की गई, जांच में 06 बसों से सामान्य त्रुटि पाए जाने पर 20400 रुपए शमन शुल्क वसूल किया गया और श्रद्धा पब्लिक स्कूल की 1 बस में परमिट , फ्लोर जर्जर, मोटर यान कर बकाया पाए जाने पर जप्त कर पिथौरा थाने में खड़ा किया गया है। स्वास्थ्य विभाग की ओर से उपस्थित सभी चालकों का सुगर, बी पी और आंखो की जांच किया गया। साथ ही सभी स्कूल बसों को बताया गया कि बस चालक एवं परिचालक दोनों को वाहन संचालन के दौरान किसी प्रकार की दुर्घटना होने पर तत्काल फस्टेड बॉक्स, अग्निशमन एवं इमरजेंसी डोर का उपयोग करने बतलाया गया। इसके अलावा स्कूली बसों में आने जाने वाले बच्चों को चढ़ते एवं उतरते समय हमेशा सावधानी के साथ बच्चों उतारने व चढ़ाने बताया गया। साथ ही स्कूली बसों के संचालन के दौरान किसी प्रकार का शराब सेवन नहीं व नशे की हालत में वाहन नही चलाने और हमेशा यातायात नियमों का पालन करने समझाया गया। उक्त स्कूल बस भौतिक परीक्षण शिविर कार्यक्रम में परिवहन कार्यालय से जिला परिवहन अधिकारी राम कुमार ध्रुव, रामभरोसा निर्मलकर, विपिन साहू, लखन पटेल, मेघू राम एवं यातायात महासमुंद से प्रधान आरक्षक दर्शन सिदार एवं तथा स्वास्थ्य विभाग से डॉ रिंकू बारीक, बी पी कर, त्रिलोचन चौधरी हेमचंद मांझी समीर पटेल रोहित चौहान उपस्थित रहे।

निधन : तुलसीराम कारिया

भाटापारा:- बजरंग वार्ड निवासी व नगर के प्रतिष्ठित व्यवसाई तुलसीराम कारिया (जलाराम) का सोमवार को आकस्मिक निधन हो गया है। ये गुंजन (लाला), सूरज (शेरू) , चिकू के पिता जी थे। इनका अंतिम संस्कार हिन्दू मुक्ति धाम में किया गया । बैठक कल 21 जनवरी को शाम 4:30 से 5 बजे तक गोदड़ी धाम बजरंग वार्ड में रखी गई है।

भाजपा की इशारो पर काम करना बंद करें कलेक्टर – कांग्रेस

सारंगढ़ (समय दर्शन) - कांग्रेस ने प्रेस वार्ता कर जमकर भाजपा सरकार और जिला प्रशासन पर बरसे और कहा एक एक अपमान हम देख रहे और सह भी रहे जिस तरह से जन प्रतिनिधियों का अपमान कर रही उसे नही भूलेगी दरसल मामला आज सारंगढ़ बिलाईगढ़ जिले मे विभिन्न विकास कार्यों का लोकार्पण और भूमि पूजन कार्यक्रम मे मुख्यमंत्री विष्णु देव साय पहुचे थे शासकीय कार्यक्रम था लेकिन कई स्थानीय जन प्रतिनिधि को नेवता तक नही दिया गया उसको लेकर कांग्रेस ने प्रेस वार्ता की

अरुण मालाकार (कांग्रेस जिला अध्यक्ष)- भाजपा और विष्णु देव सरकार की ताना साही है नगर के लिए प्रमुख होते है नगर पालिका अध्यक्ष और ऐसे जन प्रतिनिधि का अपमान भाजपा कर रही! भाजपा सुशासन और सवैधानिक पार्टी अपने आप को कहती है लेकिन उनका रीती नीति देखिये प्रोटोकाल तक भूल गई है सत्ता के नशे सब कुछ भूल गई है नगर मे आगमन हुआ कई कार्यों का भूमि पूजन किया गया लेकिन नगर पालिका अध्यक्ष सोनी अजय बंजारे का नाम आमंत्रण और शिलान्यास से हटाना उनकी मानसिकता को दर्शाता है साथ ही जिला मे दो दो विधायक है जिन्हे उद्बोधन के लिए भी नही दिया गया और जिस विकास कार्यों का लोकार्पण और भूमि पूजन करने मुख्यमंत्री जी पहुचे थे ओ कांग्रेस शासन काल मे प्रस्तावित था हम सबको उम्मीद थी की विकास की सौगात देंगे लेकिन झुनझुना पकड़ा दिया गया और कलेक्टर साहब को भी शोभा नही देता जिला प्रशासन भी भाजपाइयों के कहने पे लगातार अपमान कर रही है ये मत भूले सत्ता आएंगे जाएगी हम हर एक अपमान का का बदला लेंगे सडक की लड़ाई लड़नी पड़े तो लड़ेंगे

सूरज तिवारी (कांग्रेस वरिष्ठ नेता)- भाजपा के इशारे पर जिला प्रशासन जो काम कर रही है उसकी हम कड़ी निंदा करते है जहाँ भी भूमि पूजन होता है या शिला न्यास होता है उसमे वहां के स्थानीय जन प्रतिनिधि का नाम रहता है आप सबको याद दिला दू नया रायपुर मे भूमि पूजन और लोकार्पण कार्यक्रम था जिसमे दो सरपंच का नाम ससम्मान के साथ स्थान दिया गया था मंच मे भी स्थान दिया गया था लेकिन सारंगढ़ मे खूब अपमान किया जा रहा जन प्रतिनिधियों का जिसकी हम सब कांग्रेस दल कड़ी निंदा करते है मुख्यमंत्री ने मंच से अपने उद्बोधन मे बाकायदा नाम लिया बहुत सुलझे नेता है ओ बखूबी समझते है नाम लिया लेकिन यहाँ भाजपा के कुछ नेताओं ने कलेक्टर पर दबाव बनाकर काम कर रही जो बहुत ही निंदनीय है

शुभम भाजपाई (कांग्रेस युवा नेता)- नगर पालिका अध्यक्ष का नाम को जान बुछकर भाजपा के नेताओं के कहने पर काटा जा रहा है सारंगढ़ बिलाईगढ़ जिला कलेक्टर धर्मेश साहू कलेक्टर पद छोड़कर भाजपा का दामन थाम ले और करते रहे काम कलेक्टर साहब ये मत भूले नगर पालिका, जनपद पंचायत, और विधानसभा मे हमारी काबिज है और आने वाले चुनाव मे भी जीत कर आ रहे एक एक अपमान का बदला लिया जायेगा

राहुल गजभिए ने वार्ड क्रमांक 3 से अपनी दावेदारी की

राजनांदगांव (समय दर्शन)। नगर निकाय चुनाव के लिए आचार संहिता की घंटी बजने का समय जैसे-जैसे निकट आ रहा है, वैसे-वैसे पार्षद प्रत्याशी के नामों की चर्चा तेज होने लगी है। इसी बीच राहुल गजभिए का नाम तेजी से उभर कर सामने आ रहा है। राहुल गजभिए युवा और ऊर्जावान होने के साथ-साथ राजनीतिक और सामाजिक गतिविधियों में भी इनकी सक्रियता होने के कारण उन्हें एक मजबूत और सशक्त दावेदार के रूप में देखा जा रहा है। वार्ड में इनकी लोकप्रियता और मिलनसरिता की वजह से अपने वार्ड की ये पहली पसंद बने हुए हैं। इसी वजह से इनकी जीत अभी से तय मानी जा रही है। सिर्फ वार्डवासियों की ही नहीं, अपितु कांग्रेस पार्टी की भी ये पहली पसंद बताए जा रहे हैं, इसलिए भी मोतीपुर वार्ड क्रमांक-3 से पार्षद टिकट के प्रबल दावेदार भी माने जा रहे हैं।

बता दें कि, मोतीपुर एक अनुसूचित जाति बहुल क्षेत्र है और सामाजिक सक्रियता के कारण इनकी समाज में भी गहरी पैठ है। सिर्फसमाज में ही नहीं, अपितु सभी वर्गों में भी इनकी अच्छी पकड़ है, इसलिए भी अभी से इनकी जीत के दावे किए जा रहे हैं। राजनीतिक पृष्ठभूमि की अगर चर्चा करें तो इन्होंने अनेकों जिम्मेदार पदों पर कार्य कर अपनी सक्रियता से सबको प्रभावित किया है। वर्तमान समय में ये युवा कांग्रेस के जिला महासचिव, उत्तर ब्लॉक मीडिया प्रभारी और बुथ अध्यक्ष, बुथ क्रमांक 106 सहित पार्टी को मजबूत बनाने में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका इन्होंने निभाई है। केवल राजनीतिक ही नहीं अपितु सामाजिक सरोकार की भूमिका भी ये बढ़-चढ़कर भाग लेते रहें हैं।

वर्तमान में वे बौद्ध कल्याण समिति के अंतर्गत, प्रबुद्ध युवा मंच तुलसीपुर शाखा के उपाध्यक्ष भी हैं और आंबेडकर यूथ फाउंडेशन के सक्रिय सदस्य भी हैं, इनका उद्देश्य कांग्रेस पार्टी को देश की सबसे मजबूत पार्टी बनाना है। साथ ही कांग्रेस पार्टी की विचारधारा को जन-जन तक पहुंचाना और अपने वार्ड की जनता की प्रत्येक समस्या और जनहित के मुद्दों को प्राथमिकता देते हुए उनके निराकरण का भरसक प्रयास करना है।

फिजिक्स वाला विद्यापीठ पाठशाला का हुआ आगाज

कोरबा/बिलासपुर (समय दर्शन) फिजिक्स वाला विद्यापीठ पाठशाला, कोरबा ने एक भव्य 卐आगाज卐 करियर गाइडेंस कार्यक्रम का आयोजन किया, जिसमें प्रसिद्ध फिजिक्स वाला फैकल्टी जगजोत कालरा, लक्ष्यकटारिया ने छात्र-छात्राओं और उनके अभिभावकों को मार्गदर्शन प्रदान किया। कार्यक्रम में विद्यार्थियों की शंकाओं का समाधान किया गया और उन्हें उज्जवल भविष्य की दिशा में मार्गदर्शन दिया गया।

इस विशेष अवसर पर कई प्रतिष्ठित हस्तियों ने शिरकत की। मुख्य अतिथि के रूप में जूनियर सब डिवीजनल मजिस्ट्रेट मंजीत जंगड़े, अपर कलेक्टर मनोज बंजारे, सीएमएचओ एस.एन. केशरी ,डीईओ तामेश्वर उपाध्याय, डीजीएम एनटीपीसी राज गुप्ता, कृष्णा अस्पताल के मालिक डॉ. विशाल उपाध्याय, डॉ. प्रीति उपाध्याय, राजेंद्र अग्रवाल, डॉ. प्रिंस जैन, करुणा अहेर तहसीलदार बलोदा भोजेंद्र सिंह महेश गुप्ता, बालराम विश्वकर्मा, विनोद भास्कर, राजेंद्र साहू, नीराज साहू, जितेंद्र ददसेना सहित कई अन्य गणमान्य अतिथि उपस्थित थे।

कार्यक्रम के दौरान एक शानदार सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें गिनीज़ बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड्स की होल्डर कथक नर्तकी ने अपनी कला का प्रदर्शन किया, जिसने उपस्थित दर्शकों का मन मोह लिया। इस अवसर पर कोरबा शहर के 150 से अधिक टॉपर्स विद्यार्थियों को सम्मानित किया गया और उन्हें उज्जवल भविष्य के लिए मार्गदर्शन दिया गया। विशेष रूप से, फिजिक्स वाला विद्यापीठ पाठशाला कोरबा द्वारा इवेंट के दौरान 30ल की विशेष स्कॉलरशिप की घोषणा की गई, ताकि छात्र-छात्राओं को उच्च गुणवत्ता वाली शिक्षा सस्ती दरों पर मिल सके।

इसके अलावा, पाठशाला ने अपने पहले वर्षगांठ के मौके पर कोरबा में एनटीपीसी परिसर में नए केंद्र की घोषणा की, जिससे छात्रों को लंबी यात्रा से बचते हुए नजदीकी स्थान पर उच्च गुणवत्ता की शिक्षा प्राप्त हो सके।

फिजिक्स वाला विद्यापीठ पाठशाला हमेशा से छात्रों के उज्जवल भविष्य के लिए प्रतिबद्ध है और इस आयोजन ने इस प्रतिबद्धता को और मजबूत किया है....!

खेल खेल में शिक्षा से मानसिक, शारीरिक विकास बहुमुखी प्रतिभा उजागर

कृष्णकुमार नवरंग संकुल प्रभारी कोदवाबानी

मुंगेली (समय दर्शन) संकुल केंद्र कोदवाबानी में संकुल स्तरीय खेलकूद प्रतियोगिता का उदघाटन करते हुए संकुल प्रभारी एवं प्राचार्य कृष्णकुमार नवरंग ने छात्रों को संबोधित करते हुए कहीं। खेलकूद प्रतियोगिता तीन दिवसीय 20 जनवरी से 23 जनवरी के बीच होगी प्रतियोगिता में संकुल के प्राथमिक,पूर्व माध्यमिक एवं हायर सेकंडरी विद्यालय खुर्सी निपनिया कोदवाबानी ,चारभाठा ,मुड़िया, के बच्चे शामिल है।संकुल समन्वयक पवन कश्यप ने बताया कि की खेलकूद प्रतियोगिता में चार स्तरीय होगी जिसमें प्राथमिक ,पूर्व माध्यमिक एवं हाई स्कूल के बच्चों में सौ ,दो सौ ,मीटर दौड़ ,खुर्सी दौड़ ,खो खो ,चित्रकला रंगोली मेंहदी फुग्गाड़ी,मिट्टी का खिलौना,रस्सी कूद प्रतियोगिता सामिल है कार्यक्रम के अंतिम दिवस वार्षिक सांस्कृतिक

कार्यक्रम संकुल स्तर कोदवाबानी के माध्यमिक विद्यालय के मैदान पर 23 जनवरी को आयोजित होंगी ,खेलकूद प्रतियोगिता सफल बनाने संकुल के सभी शिक्षक ,प्रधान पाठक संजय पांडे नरेंद्र भार्गव ,मंत राम ध्रुव , राजू पटेल, लखन लाल साहू , झाडू राम साहू दीपेश जायसवाल नारायण साहू, कमलेश पटेल नारायण शर्मा चंद्र कुमार जांगड़े ,शिव कुमार चंद्राकर गेंद लाल टंडन ,लखन सिंग कंवर ,लाला निर्मलकर ब्रजेश पांडे रूखमणी ध्रुव रोशनी सोनी जमुना भास्कर वीरेंद्र कश्यप भूपेंद्र बांधी सहित सभी विद्यालय के हजारों छात्र सामिल है। उक्त जानकारी कृष्णकुमार नवरंग प्राचार्य एवं संकुल प्रभारी संकुल केंद्र कोदवाबानी के द्वारा दिया गया।

पांच दिवसीय योग प्रशिक्षण शिविर का आयोजन

मुंगेली (समय दर्शन) संचालनालय आयुष के निर्देशानुसार नोडल आयुष अधिकारी डॉक्टर प्रशांत सिंह ठाकुर के मार्गदर्शन में शासन की अत्यंत महत्वाकांक्षी योजना आयुष ग्राम में पांच दिवसीय नि:शुल्क योग प्रशिक्षण शिविर का शुभारम्भ किया गया। जिसमें मुंगेली जिले में स्थित आयुष ग्राम सेमरसल आयुष ग्राम पढ़ियाईन आयुष ग्राम जरहागांव में प्रभारी आयुर्वेद चिकित्सक डॉ संदीप कुमार श्रीवास डॉ सुनील गढ़ेवाल डॉ अपर्णा पांडे एवं योग प्रशिक्षक वीरेन्द्र सिंह ध्रुव राजू सिंह ध्रुव , वीरेन्द्र श्याम के द्वारा चयनित स्थल पर बच्चों को योग प्राणायाम व विभिन्न आसान की मुद्रा के सम्बन्ध में प्रशिक्षण दिया गया एवं ग्राम के बच्चों द्वारा योग के प्रति अपने उत्साह को दिखाते हुए योग प्रशिक्षण में बढ़ चढ़ कर हिस्सा लिया। नोडल आयुष डॉ प्रशांत सिंह ठाकुरने बताया कि बच्चों एवं ग्राम वासियों को नित्य प्रतिदिन योग से जोड़ने हेतु शासन द्वारा पांच दिवस योग प्रशिक्षण शिविर का आयोजन किया गया है। योग पश्चात अंकुरित चना मूंग एवं काढ़ा वितरण कर प्रथम दिवस योग को पूर्ण किया गया।

ज्ञानोदय विद्यालय जांजगीर मे तीन दिवसीय वार्षिक खेलकूद संपन्न

जांजगीर ,समय दर्शन // ज्ञानोदय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय जांजगीर मे तीन दिवसीय खेलकूद प्रतियोगिता का आयोजन हुआ। जिसमे कक्षा नर्सरी से बारहवीं तक के हिन्दी व अंग्रेजी माध्यम के विद्यार्थियो ने विभिन्न खेलों मे उत्साह के साथ भाग लिया । तीन दिवसीय खेल प्रतियोगिता का शुभारंभ विद्यालय के प्राचार्य डॉ सुरेश यादव ने किया । इस अवसर पर उन्होंने अपने उद्बोधन में विद्यार्थियों से खेल भावना के साथ खेलने की अपील की तथा सफल होने की शुभकामना देते हुए कहा कि किसी भी संस्थान की सार्थकता उसके विद्यार्थोलियों की सफलता एवं उपलब्धियों से होती है। ज्ञानोदय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय के विद्यार्थी विद्यालय स्तर पर ही नही अपितु प्रदेश में भी नाम रौशन कर रहे हैं। प्रतियोगिता का उद्देश्य विद्यार्थियों मे खेल भावना और स्वस्थ प्रतिस्पर्धा को बढ़ावा देना होता है। खेलकूद से विद्यार्थियों का शरीर पुष्ट होता है साथ ही आत्मसम्मान, सामाजिकता और आत्मविश्वास को बेहतर बनाने मे मदद मिलती है ।यह उन्हे समय प्रबंधन और अनुशासन के बारे मे भी सिखाता है । वार्षिक खेलकूद प्रतियोगिता का संचालन करते हुए वरिष्ठ शिक्षक मूलचन्द साव ने कहा कि खेलकूद शारीरिक स्वास्थ्य के लिए आवश्यक है ।खेलकूद से

अनुशासन, टीम भावना और नेतृत्व कौशल भी विकसित होता है ।तीन दिवसीय वार्षिक खेलकूद प्रभारी शिक्षक पुष्पेन्द्र राजनाथ और प्रिया कोसरे के नेतृत्व मे सम्पन्न हुआ । प्रतियोगिता मे नर्सरी, केजी वन, केजी टू के लिए जलेबी दौड, फ्राग रेस, पचास मीटर फास्ट रेस , स्पून एण्ड मार्बल रेस , म्युजिकल चेयर रेस , कक्षा पहली, दूसरी, तीसरी चौथी , पांचवी अंग्रेजी और हिन्दी माध्यम के जूनियर और सीनियर बालक-बालिकाओ के लिए कुर्सी दौड़, बोरा दौड़ ,रस्सी कूद , स्लो सायकल रेस , चम्मच दौड़ , निडिल एण्ड थ्रेड रेस, कक्षा छठवी, सातवी, आठवी के जूनियर और सीनियर बालक और बालिकाओ के लिए स्लो सायकल रेस, बोरा दौड़ , रस्सीकूद, खो - खो , कबड्डी, पिठघोड़ी दौड़ , चम्मच दौड़ , इसी तरह कक्षा नवमी ,दसवी, ग्यारहवी, बारहवीं के अंग्रेजी व हिन्दी माध्यम के जूनियर और सीनियर बालक-बालिकाओ के लिए खो-खो , कबड्डी , पिठघोड़ी दौड़ , थ्री लेग्स रेस , म्युजिकल चेयर रेस, निडिल एण्ड थ्रेड रेस , सेक रेस प्रतियोगिताओ का आयोजन किया गया। कक्षा नर्सरी से बारहवीं हिन्दी व अंग्रेजी माध्यम के जूनियर एवं सिनियर बालक-बालिकाओ के विभिन्न खेलो मे प्रथम, द्वितीय, तृतीय स्थान प्राप्त कर विजेता रहे जान्हवी यादव, परिधी धीवर , ताप्सी यादव, पूर्वी यादव ,मो आबिद खान, पुष्पेन्द्र खरे , अंकित रोहिदास, लक्ष्मी देवांगन, सौम्या लदेर, समर यादव, शुभम चौरसिया, ईनाया फातिमा, उज़्रत खान, काजल सूर्यवंशी, हर्षिता यादव , जया मानिकपुरी, भूमि राठौर, आयत परवीन, श्रीयांश कारकेल, महेश्वर राठौर, शालिनी सारथी, चार्वी धीवर, मो आदिल खान , अर्निका यादव, संस्कृति कोसले, आयुष राठौर, अंकित राठौर, शनि राठौर, ज्योति दास, आर्यन यादव, डिकेश रोहिदास, प्रज्ञा चौहान, विपिन प्रधान, गौरव यादव, रोशनी कहरा, राघवेन्द्र यादव, हीना यादव, प्रतीक गुरनानी, सुशील यादव, निधि ताम्रकार , हिमांशी यादव, हुंमायरा परवीन, मोनिसा रौतिया, तौसिफ खान, काव्या कारके, रोशनी कहरा, लता देवांगन, मोहित चौहान, मुबस्सरा फातिमा, तोशिया देवांगन , शिवांशी यादव, प्रियांशु पटेल, सृष्टि निराला, खुशी श्रीवास, विकास रोहिदास, शाहनवाज, प्रिन्स यादव, रीषभ यादव, दीपांशी यादव, आरूषि यादव, जितेश सोनवानी, ज्ञानदिव्य राठौर, कृतिका रोहिदास, ईशीता यादव, अविनाश साहू, शुभम राठौर, जान्हवी प्रधान, चित्रांशी यादव, युवराज यादव, गुंजन सूर्यवंशी, नियति यादव, मयूरी गुरनानी, खुशी यादव, वैष्णवी राठौर, भावना यादव, दीप्ति सूर्यवंशी, दिपांशी यादव, तमन्ना यादव, शिखा यादव, भावना देवांगन, प्रिया यादव, समृद्धि चौहान, सृष्टि कोसले, श्रेया राठौर, आस्था यादव, सोनाक्षी साहू , गुंजन कंवर, अभिनव राठौर, अनुराग रोहिदास , सुमित यादव , एकलव्य साहू, प्रियांश कारकेल, आयुष पाल, धनंजय यादव, अरूण कारके, कासिफखान, थावेश ठेठवार, मो रज्जाक, गौतम यादव, हर्ष निराला, श्रुति यादव , साधना कश्यप , रामादीन रजक, अभिषेक यादव, सोमी अली, याशिका देवांगन , रेशमा कश्यप , रोशनी शर्मा , गौरव राठौर, तानिया रौतिया, कल्पना यादव, गीत कश्यप, श्वेता निराला, भूमिका यादव, आस्था राठौर, भूमिका राठौर, दीपिका चौहान, शुभलक्ष्मी निराला, अपशा परवीन, मानसराज यादव, दिपेश यादव, नारायण रोहिदास, प्रवीण कारकेल , भावना यादव, ऋषि खत्री , सक्षम राठौर, तरूण देवांगन , विकास रोहिदास, सूरज कश्यप, उमंग राठौर, लक्की साहू , सुप्रिया कोसले , पुष्कर देवांगन, विकास सोनवान, प्रतीक देवांगन, अंकूर राठौर। तीन दिवसीय वार्षिक खेलकूद को सफल बनाने मे विद्यालय परिवार के मूलचन्द साव, पुष्पेन्द्र राजनाथ, प्रिया कोसरे , दामिनी कश्यप, विनोद बरेठ, किरण यादव, सुमन यादव, मीना यादव, विजेता चौहान, सपना श्रीवास, प्रतिभा यादव, पूजा कटकवार, सकुंतला बरेठ, भगवती प्रधान, राकेश पठारे, हेमन्त ढीमर, राहुल कौशिक, लखेश्वर खरे , मनहरण सूर्या, सुभाष खूंटे, ज्योतिरादित्य सिंह, मधु यादव, उमा श्रीवास, शांतिका राठौर, प्रशांत टंडन, दीपक कश्यप सहित समस्त शिक्षक शिक्षिकाओ, पालको एवं सभी छात्र - छात्राओ का विशेष योगदान रहा ।

सार समाचार

अवैध शराब के साथ तीन गिरफ्तार

रायपुर(समय दर्शन)। अलग-अलग थाना क्षेत्र में पुलिस ने अवैध शराब के साथ तीन लोगों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के पास से कुल 55 पाव देशी शराब जब्त किया है। मिली जानकारी के अनुसार नेवरा पुलिस ने मंडी के पास अवैध शराब परिवहन करते बाइक सवार यशवंत कुमार वर्मा 57 वर्ष व एक अन्य को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने इन दोनों के पास से बाइक में रखे बोरी में 35 पाव देशी शराब जब्त किया है। वहीं माना पुलिस ने ग्राम बनरसी नहर पुलिया के पास आरोपी चमेली डहरिया 38 वर्ष को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने इसके पास से 20 पाव देशी शराब जब्त किया है।

दुकान से रुपए पार

रायपुर(समय दर्शन)। बघेल चौक तिल्दा स्थित दुकान के शटर का ताला तोड़कर अज्ञात चोर ने नकदी 79 हजार रुपए पार कर दिया। प्रार्थी की शिकायत पर नेवरा पुलिस ने अज्ञात चोर के खिलाफ अपराध दर्ज किया है। मिली जानकारी के अनुसार प्रार्थी ललित कुमार वर्मा 54 वर्ष नेवरा का रहने वाला है। प्रार्थी को बघेल चौक तिल्दा में दुका है। बताया जाता है कि अज्ञात चोर ने उसके दुकान का ताला तोड़कर गल्ले में रखे नकदी 79 हजार रुपए पार कर दिया।

पत्नी को उतारा मौत के घाट

रायपुर(समय दर्शन)। कमल विहार सेक्टर 4 स्थित ईडब्लूएस कालोनी में एक युवक ने अपनी पत्नी के चरित्र पर संदेह कर हत्या कर दी। मामले में टिकरापारा पुलिस ने आरोपी के खिलाफ अपराध दर्ज किया है। मिली जानकारी के अनुसार मृतिका हेमलता यादव 27 वर्ष अपने पति गजेन्द्र यादव 30 वर्ष के साथ कमल विहार सेक्टर 4 स्थित ईडब्लूएस में रहती थी। बताया जाता है कि आरोपी गजेन्द्र यादव ने अपनी पत्नी के चरित्र पर संदेह कर विवाद किया और फिर सीमेंट से भरे बाल्टी से हेमलता के सिर पर वार कर हत्या कर दी।

महिला से ग्यारह लाख की ठगी

रायपुर(समय दर्शन)। दूसरे की जमीन को अपना बताकर 11 लाख की ठगी करने का मामला प्रकाश में आया है। प्रार्थिया की शिकायत पर पुरानी बस्ती पुलिस ने आरोपी के खिलाफ धोखाधड़ी का अपराध दर्ज किया है। मिली जानकारी के अनुसार प्रार्थिया लूटन खम्परिया 52 वर्ष अवधपुरी कालोनी भाठागांव की रहने वाली है। प्रार्थिया ने थाना में शिकायत किया कि आरोपी खेमराज प्रधान ने भाठागांव स्थित दूसरे की जमीन को अपना बताकर 11 लाख रुपए एडवांस ले लिया।

राजस्व के विवादित या अविवादित सीमांकन के प्रकरणों को जल्द से जल्द निपटारा करने की कार्यवाही करें।

प्रशासन संवेदनशीलता के साथ करें कार्य, जनता को शासकीय योजनाओं का दें लाभ : मंत्री कश्यप

रायपुर(समय दर्शन)। रायपुर शहर का राजधानी के अनुरूप विकास करें और पूरे जिले को हम सब मिलकर स्वच्छ और सुंदर बनाएंगे। विधायक एवं जनप्रतिनिधि से सुझाव लेकर यातायात, अपराध नियंत्रण, राजस्व सहित अन्य विषयों पर कार्ययोजना बनायें। यह बात प्रभारी मंत्री केदार कश्यप ने जिले की समीक्षा बैठक में कहीं। उन्होंने कहा कि राजस्व के विवादित या अविवादित सीमांकन के प्रकरणों को जल्द से जल्द निपटारा करने की कार्यवाही करें। कलेक्टोरेट परिसर के रेडक्रॉस भवन के सभागृह में हुई समीक्षा बैठक में विधायक राजेश मूणत, सुनील सोनी, पुरंदर मिश्रा, मोतीलाल साहू, अनुज शर्मा, खुशवंत गुरू साहेब, इंद्रकुमार साहू, कलेक्टर डॉ. गौरव सिंह, एसएसपी डॉ. लाल उम्मेद सिंह, नगर निगम आयुक्त अबिनाश मिश्रा, जिला पंचायत सीईओ विश्वदीप सहित अन्य अधिकारीगण उपस्थित थे। समीक्षा बैठक में प्रभारी मंत्री कश्यप ने कहा कि सभी को समय पर राशन उपलब्ध कराया जाएं। नवीन राशनकार्ड का वितरण किया जाएं। स्वास्थ्य विभाग के समीक्षा के दौरान बैठक में कहा गया कि जो स्वास्थ्य विभाग के जो भवन अपूर्ण है उसे पूर्ण किया जाए। विशेष अभियान चलाकर आयुष्मान कार्ड बनायें। साथ ही आयुष्मान वय वंदना कार्ड योजना के तहत 70 वर्ष से अधिक आयु वाले वृद्धजनों के लिए कैंप लगाकर योजना का लाभ दें। साथ ही ब्लॉक स्तर पर दिव्यांगजनों के लिए शिविर लगाकर कार्ड बनाया जा रहा है। शिक्षा विभाग की समीक्षा के तहत विधायकगणों ने आरटीई और आत्मानंद स्कूल सहित अन्य स्कूलों में शिक्षकों के संबंध में सुझाव दिए। इस पर प्रभारी मंत्री ने कहा कि आरटीई के तहत यह सुनिश्चित करें कि बीपीएल श्रेणी के बच्चों को अच्छे से अच्छे स्कूल में प्रवेश दिलाएं और उन्हें अध्ययन का सकारात्मक वातावरण मिलें। बच्चों की पढ़ाई के लिए आवश्यक कार्रवाई करें। महिला बाल विकास की समीक्षा के दौरान भवन विहिन आंगनबाड़ी केन्द्रों की जानकारी ली गई और प्रभारी मंत्री कश्यप ने आंगनबाड़ी केन्द्रों के लिए भवन बनाने के निर्देश दिए। साथ ही कहा कि जनप्रतिनिधियों के सुझाव के अनुरूप ऐसा मॉडल आंगनबाड़ी केन्द्र बनायें जो पूरे प्रदेश के लिए एक उदाहरण बनें।

जमीन संबंधित विवादों का होगा अंत : अरुण साव

रायपुर(समय दर्शन)। स्वामित्व योजना के तहत आज कोरबा जिले के किसानों और ग्रामीणों को स्वामित्व (प्रॉपर्टी) कार्ड का वितरण उप मुख्यमंत्री तथा जिले के प्रभारी मंत्री अरुण साव ने किया। कार्यक्रम में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का संबोधन लोगों ने वर्चुअली सुना। प्रधानमंत्री मोदी ने स्वामित्व योजना के बारे में विस्तृत जानकारी देते हुए इसे हितग्राहियों के लिए आर्थिक सुरक्षा की गारंटी बताया। उन्होंने कहा कि गाँव में आबादी भूमि में बिना कानूनी दस्तावेज के रहने वाले ग्रामीणों को उनकी जमीन का मालिकाना हक प्रदान करने के लिए स्वामित्व योजना प्रारंभ की गई है। इससे बैंक में ऋण भी मिल सकता है। कानूनी अधिकार होने से विवाद की गुंजाइश खत्म हो जाएगी। इस सम्पत्ति से जीवन बदल सकता है। प्रधानमंत्री ने इसे ग्राम स्वराज को जमीन पर उतारने की पहल बताते हुए प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना, शौचालय निर्माण, आयुष्मान, पीएम आवास, पीएम सड़क योजना आदि से देश के ग्रामीणों के जीवन में आए बदलाव को भी रेखांकित किया। उन्होंने कहा कि महात्मा गाँधी कहते थे कि भारत की आत्मा गाँवों में बसती है और हमारी सरकार उन्हीं से प्रेरित होकर गाँव के विकास और ग्रामीणों के जीवन में बदलाव के लिए काम कर रही है। उन्होंने स्वामित्व योजना से अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति और अन्य पिछड़ा वर्गों के लोगों को बहुत लाभ मिलने की बात कही। उप मुख्यमंत्री अरुण साव ने कोरबा के कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में आयोजित कार्यक्रम में हितग्राहियों को स्वामित्व योजना के कार्ड वितरित किए। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि देश के प्रधानमंत्री और प्रदेश के मुख्यमंत्री बहुत संवेदनशील हैं। उन्होंने गरीबों की चिंता की है। वे गाँववालों की समस्याओं को जानते हैं और उनके निराकरण की योजना बनाते हैं। साव ने कहा कि स्वामित्व योजना से जमीन संबंधी विवादों का अंत होगा। जमीन को लेकर पड़ोसी, भाई-भाई और अन्य रिश्तेदारों में अक्सर विवाद होता है। इस तरह के विवादों के निराकरण में कई पीढ़ी भी गुजर जाती है। अब आबादी भूमि में रहने वाले परिवारों को एक ऐसा कानूनी दस्तावेज मिल जाएगा, जिसमें जमीन की पूरी जानकारी होगी।

सड़क निर्माण डामरीकरण घोटाले में छोटी मछली पर कार्रवाई, मंत्री पर क्यों नहीं?

रायपुर(समय दर्शन)। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने कहा कि भाजपा सरकार भ्रष्टाचार पर जीरो टालरेंस के लिये नहीं भ्रष्टाचार करने की नीति पर काम कर रही है। राजधानी की मोवा ओवरब्रिज और बीजापुर में घटिया सड़क निर्माण मामले में कुछ अधिकारियों पर की गयी कार्यवाही लीपापोती के लिये तथा बड़ी मछलियों पर से ध्यान हटाने के लिये की गयी कार्यवाही है। कुछ लोगो पर कार्यवाही करके सरकार ने मान लिया की गड़बड़ियां हुई है जो घोटाले के जिम्मेदार पीडब्लूडी मंत्री उपमुख्यमंत्री अरूण साव पर कार्यवाही क्यों नहीं की जा रही? प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने कहा कि बीजापुर में 120 करोड़ की 54.40 किलोमीटर की सड़क बनाई जानी थी, जिससे बिना पूरा काम हुये सिर्फ गिट्टी बिछाने का के बाद 90 प्रतिशत से अधिक लगभग 100 करोड़ का भुगतान हो भी गया। इतना बड़ा भुगतान बिना शीर्ष अधिकारियों तथा विभागीय मंत्री की संलिप्तता के संभव नहीं है। बिना मंत्री की सहमति से 100 करोड़ का भुगतान बिना काम किये हो नहीं सकता। इस मामले में भ्रष्टाचार को उजागर करने पर एक युवा पत्रकार की निर्ममता पूर्वक हत्या कर दिया गया था। सरकार ने ठेकेदार की जो टेन्डर निरस्त किया उसके आदेश में भी यह नहीं लिखा कि सड़क निर्माण में भ्रष्टाचार हुआ है। उस आदेश में लिखा गया कि अखबारों एवं समाचार माध्यमों सड़क निर्माण में गड़बड़ी की खबरें आई है, लिखा है। इसका मतलब है सरकार को गड़बड़ी नजर नहीं आई। यही आदेश दोषी ठेकेदार और अधिकारियों को बचाने के लिये पर्याप्त है। यह आदेश सरकार अपनी चमड़ी बचाने निकाली है। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने कहा कि मोवा ओवर ब्रिज का डामरीकरण घोटाला तो साय सरकार के मुंह पर कालिख है। राजधानी के हृदय स्थल में विधानसभा रोड पर इतना बड़ा घोटाला करने का दुस्साहस बिना सत्ता के संरक्षण के संभव नहीं है। जागरूक पत्रकारों ने मामले को उठाया तब सरकार ने मजबूरी में कार्यवाही किया। 5 दिनों में होने वाला डामरी करण 15 दिनों तक आज भी पूरा नहीं हो पाया है। लाखो लोगो रोज जाम से परेशान है।

भाजपा सरकार के खिलाफ प्रदेश की 81 प्रतिशत से अधिक जनता में नाराजगी

रायपुर(समय दर्शन)। प्रदेश कांग्रेस के वरिष्ठ प्रवक्ता धनंजय सिंह ठाकुर ने कहा कि भाजपा सरकार 1 साल में ही अलोकप्रिय हो चुकी है जनता की नजरों से गिर चुकी है। सरकार के 1 साल पूरा होने पर भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने रिपोर्ट कार्ड प्रस्तुत किया था और खुद के हाथों से खुद की पीठ थपथपाई थी और वाहवाही लूटा था आज जनता ने उस रिपोर्ट कार्ड को खारिज कर दिया है प्रदेश के 81 प्रतिशत से अधिक जनता भाजपा सरकार से नाखुश है वादाखिलाफी का आरोप लगा रहे हैं सरकार के मंत्रियों एवं विधायकों के खिलाफ जनता में भारी आक्रोश है यदि जनता को अपने विधायकों को वापस बुलाने का अधिकार दे दिया जाए तो भाजपा की सरकार घर बैठ जाएगी। प्रदेश कांग्रेस के वरिष्ठ प्रवक्ता धनंजय सिंह ठाकुर ने कहा कि भाजपा सरकार के 1 साल में प्रदेश अपराध गढ़ बन गया है बिजली की महंगाई, बेरोजगारी वादा खिलाफी से जनता अच्छा खासा नाराज है किसानों को धान की कीमत 3100 रुपए क्विंटल की दर से नहीं मिल रहा है। 1 साल में युवाओं सरकारी नौकरी का अवसर नहीं मिला। बल्कि 3000 से अधिक युवाओं को शिक्षक की नौकरी से बर्खास्त कर दिया गया है। शराब की अवैध बिक्री से जनता परेशान है। गरीबों के घर और दुकान पर बुलडोजर चलाए जा रहे हैं सरकारी जमीनों पर भाजपा अपने चहते को कब्जा दिला रही है रेत माफिया, सीमेंट माफिया, ड्रग माफिया का बोलबाला है हर तरफ त्राहिमाम-त्राहिमाम मचा हुआ है और सरकार झूठे विज्ञापन लगाकर बेहतर होने का दावा कर रही है आज सरकार के दावों के पोल खुल गई है जनता ने भाजपा की सरकार को नकार दिया है।

भारती एयरटेल और बजाज फाइनेंस ने वित्तीय सेवाओं के लिए भारत के सबसे बड़े डिजिटल प्लेटफॉर्म में से एक बनने के लिए की रणनीतिक साझेदारी

लखनऊः भारत की सबसे बड़ी दूरसंचार सेवा प्रदाताओं में से एक भारती एयरटेल और देश की निजी क्षेत्र की सबसे बड़ी गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनी (एनबीएफसी) बजाज फाइनेंस ने वित्तीय सेवाओं के लिए भारत के सबसे बड़े डिजिटल प्लेटफार्मों में से एक बनने और वित्तीय सेवाओं को समाज के अंतिम छोर तक पहुंचाने के उद्देश्य से एक रणनीतिक साझेदारी की घोषणा की। इस अनूठी साझेदारी में एयरटेल के 370 मिलियन का सक्रिय ग्राहक, 12 लाख से अधिक का विशाल डिस्ट्रीब्यूशन नेटवर्क, तथा बजाज फाइनेंस की 27 उत्पाद लाइनों का विविध समूह, और 5,000 से अधिक शाखाएं एवं 70,000 क्षेत्रीय एजेंट शामिल है । एयरटेल, बजाज फाइनेंस के खुदरा वित्तीय उत्पाद शुरुआत में अपने एयरटेल थैंक्स ऐप पर, और बाद में अपने स्टोर के राष्ट्रव्यापी नेटवर्क के माध्यम से भी उपलब्ध कराएगा, ताकि ग्राहकों को इस सुविधा का सहज और सुरक्षित अनुभव मिल सके। दोनो कंपनियों की डिजिटल परिसम्पतियों की संयुक्त ताकत एयरटेल और बजाज फाइनेंस को वित्तीय उत्पादों और सेवाओं की पहुंच को और बेहतर बनाने में सक्षम बनाएगी। भारती एयरटेल के वाइस चेयरमैन और एमडी गोपाल विट्टल ने कहा, एयरटेल और बजाज फाइनेंस, इस देश के दो भरोसेमंद नाम हैं, जो लाखों भारतीयों को वित्तीय जरूरतों के विविध पोर्टफोलियो के साथ सशक्त बनाने का साझा दृष्टिकोण रखते हैं। दोनों कंपनियों की संयुक्त पहुंच, पैमाना और वितरण शक्ति इस साझेदारी की आधारशिला के रूप में काम करेगी और हमें बाजार में सफल होने में मदद करेगी।

छत्तीसगढ़ विधानसभा अध्यक्ष रमन सिंह ने नई दिल्ली में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात की.

9 शराबी वाहन चालकों पर हुई कार्यवाही

रायपुर(समय दर्शन)। जिला बलौदाबाजार-भाटापारा पुलिस द्वारा ऑपरेशन विश्वास के तहत जिले में सड़क दुर्घटनाओ की रोकथाम हेतु शराब पीकर वाहन चलाने वाले चालकों की चेकिंग कर लगातार कार्यवाही किया जा रहा है। इसी क्रम मे दिनांक 18.01.2025 को जिले में शराब पीकर वाहन चलाने वाले, वाहन चालकों के विरुद्ध पुलिस द्वारा विशेष चेकिंग अभियान चलाया गया है। इस दौरान संपूर्ण अभियान में पुलिस की अलग-अलग टीमों द्वारा एक साथ भारी वाहन, चारपहिया वाहन एवं दोपहिया वाहन चालकों की चेकिंग की गई। पुलिस द्वारा चेकिंग अभियान में ब्रेथ एनलाइजर के माध्यम से परीक्षण कर 09 वाहन चालकों को शराब पीकर वाहन चालन करते हुए पकड़ा गया है, जिनके विरुद्ध कार्यवाही कर उनके वाहन जप्त किया गया है। उक्त जप्त सभी 09 वाहनों को विधिवत कार्यवाही करते हुए न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया जाएगा। चेकिंग अभियान में यातायात की शाखा बलौदाबाजार द्वारा 03, यातायात भाटापारा 03, यातायात सिमगा 02 एवं यातायात कसडोल द्वारा 01 चालक को शराब पीकर वाहन चालन करते हुए पकड़ा गया है।

पसीना बहाने वाले, रचते हैं इतिहास : मंत्री रामविचार नेताम

राजधानी के प्रयास बालिका विद्यालय में कम्प्यूटर लैब उद्घाटन

छात्रावास के किचन आधुनिक उपकरणों से सुसज्जित

रायपुर(समय दर्शन)। आदिम जाति विकास मंत्री श्री रामविचार नेताम ने कहा कि बेटियां आज चार-दीवारी से बाहर निकलकर सपना गढ़ने में लगी हैं, कहते हैं कि जो पसीने से भीगते हैं वह इतिहास बदलते हैं। श्री नेताम आज राजधानी रायपुर के गुढ़ियारी स्थित बालिका प्रयास आवासीय विद्यालय में आयोजित नवादिम कम्प्यूटर लैब का शुभारंभ अवसर पर सम्बोधित कर रहे थे। इस मौके प्रयास विद्यालय में पढ़कर एमबीबीएस के लिए चयनित हुए विद्यार्थियों ने अपने अनुभव भी साझा किए। आदिम जाति विकास मंत्री श्री रामविचार नेताम ने विद्यार्थियों से कहा कि एकाग्र मन से अपने लक्ष्य को प्राप्त करने की दिशा में प्रयास करें। विद्यार्थियों की सुविधा के लिए हमारी सरकार द्वारा हरसंभव मदद दी जाएगी। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में हमारी सरकार ने राज्य के होनहार बच्चों को आईएएस, आईपीएस, आईएफएस सहित यूपीएस परीक्षा की तैयारी के लिए अब दिल्ली स्थित ट्रायबल यूथ हॉस्टल में सीटों की संख्या 50 से बढ़ाकर 200 सीट कर दिया है। आदिम जाति विकास मंत्री श्री रामविचार नेताम ने प्रयास विद्यालय में एमबीबीएस की पढ़ाई कर रहे चार बच्चियों को 50-50 हजार रूपए का चेक प्रदान किया। विभाग द्वारा प्रयास छात्रावास में विद्यार्थियों की सुविधा के लिए भोजन पकाने के लिए रोटी मेकर, इडली बैटर ग्राइडंर, वेजीटेबल कटर व डीप फ्रिजर तथा रेफ्रिजरेटर भी उपलब्ध कराए गए हैं। गौरतलब है कि राज्य सरकार अनुसूचित क्षेत्र एवं गैर अनुसूचित क्षेत्र के कमजोर वर्गों के बच्चों के साथ-साथ माओवादी पीड़ित बच्चों को बेहतर शिक्षा एवं प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिए अच्छे वातावरण उपलब्ध कराने प्रयास आवासीय विद्यालय संचालित कर रही है। राजधानी रायपुर के गुढ़ियारी स्थित बालिका प्रयास आवासीय विद्यालय में 620 विद्यार्थी अध्ययनरत है। यहां पढ़ाई के साथ-साथ इंजीनियरिंग तथा मेडिकल की प्रतियोगी परीक्षा हेतु निःशुल्क कोचिंग भी प्रदान की जाती है। इस वर्ष 13 विद्यार्थियों का एमबीबीएस में और तीन विद्यार्थियों को बीडीएस के लिए चयन हुआ है।

पीएनसी-केकेआर 9,000 करोड़ रुपये का सौदा: एनएचएआई से 8 संपत्तियों की मंजूरी, जनवरी के अंत तक दो और की उम्मीद

रायपुर। इंफ्रास्ट्रक्चर कंपनी पीएनसी इंफ्राटेक को एनएचएआई से बुंदेलखंड और खजुराहो सड़क परियोजनाओं के लिए दो सहायक कंपनियों (एसपीवी) में अपनी 100ब्ल हिस्सेदारी को केकेआर समर्थित हाईवे इंफ्रास्ट्रक्चर ट्रस्ट को ट्रांसफर करने के लिए सैद्धांतिक मंजूरी मिल गई है। इसके साथ, पीएनसी-केकेआर सौदा 31 मार्च 2025 तक पूरा होने की राह पर है क्योंकि पीएनसी इंफ्राटेक लेनदेन के लिए शर्तों (सीपी) को पूरा करने की प्रक्रिया में है। सौदे के तहत प्रमुख सीपी में से एक में हाइवे प्राधिकरणों से नियंत्रण अनुमोदन में बदलाव और परियोजनाओं के लिए ऋणदाताओं से अनापत्ति प्रमाण पत्र शामिल थे। पीएनसी ने अब 8 परिसंपत्तियों के लिए एनएचएआई से नियंत्रण में बदलाव की मंजूरी प्राप्त कर ली है, और 2 और परिसंपत्तियों के लिए मंजूरी जनवरी 2025 तक मिलने की उम्मीद है। लगभग सभी ऋणदाताओं से एनओसी भी प्राप्त कर ली गई है।

संपादकीय

किसान कल्याण के प्रति सरकार की प्रतिबद्धता

जहां तक डीएपी के लिए सब्सिडी का सवाल है, तो असल कहानी रुपये की कीमत में भारी गिरावट में छिपी है। डीएपी सर्वाधिक इस्तेमाल होने वाला खाद है, जबकि इसकी उपलब्धता के लिए भारत लगभग पूरी तरह आयात पर निर्भर है। कैबिनेट की बैठक के बाद प्रधानमंत्री ने कहा कि सरकार ने नए साल का पहला फैसला किसानों के हित में लिया है। नरेंद्र मोदी ने कहा- हमारी सरकार किसानों के कल्याण के लिए प्रतिबद्ध है। घोषणा के मुताबिक केंद्र ने दो महत्त्वपूर्ण फैसले लिए। सरकार ने डाई-अमोनियम फॉस्फेट (डीएपी) के आयात के लिए प्रति टन 3,500 रुपये की विशेष सब्सिडी की अवधि बढ़ाने का निर्णय लिया। साथ ही दो फसल बीमा योजनाओं में तकनीक के उपयोग के लिए 824.77 करोड़ रुपये मंजूर किए। प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना अब 2025-26 में भी जारी रहेगी। ये फैसला नहीं होता, तो इस योजना के लिए सरकारी सब्सिडी की अवधि अगले मार्च में समाप्त हो जाती। इसके लिए 2021-22 से 2024-25 तक के लिए 66,515 करोड़ रुपये मंजूर हुए थे। अब 3,045 करोड़ रुपये और आवंटित किए गए हैं। जहां तक डीएपी के लिए सब्सिडी का सवाल है, तो असल कहानी डॉलर के मुकाबले रुपये की कीमत में भारी गिरावट में छिपी है। डीएपी सबसे ज्यादा इस्तेमाल होने वाला खाद है, जबकि इसकी उपलब्धता के लिए भारत लगभग पूरी तरह आयात पर निर्भर है। सरकार ने बाजार में इसकी अधिकतम खुदरा कीमत (एमआरपी) में वृद्धि को फ्रीज कर रखा है। इसलिए रुपये की गिरती की कीमत से आयातकों के लिए इसे मंगवाना घाटे का सौदा बन गया है। तो किसान कल्याण के प्रति सरकार की प्रतिबद्धता का कुल व्यावहारिक नतीजा यह होगा कि मौजूदा कीमत पर एक साल और डीएपी किसानों को मिल सकेगा, हालांकि सरकारी सब्सिडी के बावजूद मांग के सीजन में डीएपी उपलब्धता को लेकर किसान शिकायत जताते रहे हैं। उधर फसल बीमा योजना भी साल भर और जारी रहेगी। निजी कंपनियों के जरिए लागू यह योजना सवालों के घेरे में रही है। इसकी आलोचना रही है कि इसका असल लाभ किसानों के बजाय बीमा कंपनियों को मिला है। चाहे बीमा कोई भी हो, निजी कंपनियों का क्लेम देने में देर या इनकार करना आम कहानी है। किसान भी इसका शिकार हुए हैं। इसीलिए किसान संगठन इस नतीजे पर पहुंचे हैं कि बाजार अर्थव्यवस्था में एमएसपी की बिना कानूनी गारंटी हुए किसान कल्याण नहीं हो सकता।

सरोकार : आदिवासी मताधिकार

आदिम जनजाति जारवा अंडमान-द्वीप समूह की एक प्रमुख जनजाति है। ये आज भी अर्ध-खानाबदोश आदिम जीवन शैली जी रहे हैं। प्राकृतिक रूप में उपलब्ध वन संसाधन ही इनके आजीविका के प्रमुख साधन हैं। स्थानीय प्रकृति और पर्यावरण से जुड़े रहकर ये अपनी जीवन शैली में मस्त हैं। जारवा लोग बाहरी संपर्क से अलग-थलग हैं। इसी कारण उनकी अनूठी सांस्कृतिक परंपरा और भाषा-बोली संरक्षित हैं। वे दक्षिणी और मध्य अंडमान द्वीप समूह के पश्चिमी समुद्री तटों पर रहते हैं। स्थानीय प्रशासन के तमाम प्रयासों के बाद अब इस जनजाति समूह को संवैधानिक लोकतांत्रिक धारा से जोड़े जाने की ऐतिहासिक पहल हुई है। इस समुदाय के 19 सदस्यों के नाम मतदाता सूची में दर्ज करके, उन्हें मतदाता पहचानपत्र दिए गए हैं। अंडमान द्वीप समूह के मुख्य सचिव चंद्रभूषण कुमार ने दक्षिण अंडमान जिले के जिरकाटांग स्थित बस्ती में पहुंचकर पहली बार मतदाता बने लोगों को पहचानपत्र सौंपे। जारवा समुदाय की इन पहचानपत्रों से भारतीय होने की नागरिकता सुनिश्चित हुई है। साथ ही यह उनकी निजता की रक्षा के लिए एक व्यापक उपाय भी है। इस कार्यवाही से उम्मीद जगी है कि भविष्य में इस द्वीप समूह के सभी लोग भारतीय नागरिक के रूप में मतदाता बना दिए जाएंगे। वरना एक समय इस द्वीप समूह में प्रवेश पाना मौत को आमंत्रण देना था। जिला निर्वाचन अधिकारी अर्जुन शर्मा का कहना है कि 'यह भारत के लोकतांत्रिक विकास में एक ऐतिहासिक उपलब्धि है, जो सभी नागरिकों के लिए समावेशिता और समानता सुनिश्चित करने की दृष्टि से देश की प्रतिबद्धता का प्रतीक है। इनके सांस्कृतिक संरक्षण के बीच सावधानीपूर्वक संतुलन में हमने सुनिश्चित किया कि प्रक्रिया का कोई भी पहलू जारवा लोगों की गरिमा से समझौता नहीं करेगा।' इस कार्यवाही को पूरा करने में अंडमान आदिम जनजाति विकास समिति की महत्वपूर्ण भूमिका रही जिसने सांस्कृतिक रूप से उपयुक्त और सम्मानजनक तरीके से उनकी भाषा में चुनावी प्रक्रिया के बारे में जारवा समुदाय से संवाद करके उनके बीच जागरूकता पैदा करके इस प्रक्रिया को सुगम बनाया। जारवा समुदाय अंडमान द्वीप समूह के दक्षिण और मध्य तथा पश्चिमी समुद्री तटों पर रहते हैं। यह पूरा क्षेत्र जैव विविधता से समृद्ध है। इसे ही इस समुदाय ने अपने पारंपरिक जीवन शैली के अनुरूप ढाल लिया है। जारवा समुदाय के साथ पहला उल्लेखनीय दोस्ताना संबंध अप्रैल 1996 में हुआ था, जो बाहरी दुनिया के साथ उनके संपर्क में एक अहम मोड़ साबित हुआ। इस संबंध के लिए शायद प्रकृति ने ही घटनाक्रम रचा था। दरअसल जारवा जनजाति के 21 वर्षीय एनमेई को अपने बाएं टखने में गहरी चोट आई थी। प्रशासन ने करुणा का परिचय देते हुए एनमेई का उदारतापूर्वक उपचार कराया और ठीक होने के बाद उन्हें सुरक्षित बस्ती में वापस भेज दिया। यहां से प्रशासन और समुदाय के बीच विश्वास का जो संवाद बना, उसने आज इस समुदाय के लोगों के भारतीय नागरिक होने के पहचान के रूप में मतदाता पहचानपत्र सौंपने का मार्ग प्रशस्त किया। अन्यथा जारवा समूह से जो भी कोई संपर्क करने की सोचता था, उसे हिंसक टकराव का सामना करना पड़ता रहा है। अब मताधिकार मिलने से परिदृश्य में बदलाव आएगा।

संगम में करोड़ों लोग की डुबकी दृश्य अद्भुत

अवधेश कुमार

प्रयागराज त्रिवेणी संगम से आ रहे दृश्य अद्भुत हैं। संपूर्ण पृथ्वी पर भारत ही एकमात्र देश है जहां इस तरह के अद्भुत आयोजन संभव हैं। केवल भारत नहीं, संपूर्ण विश्व समुदाय के लिए यह न भूतो न भविष्यति वाली स्थिति है।

इसलिए नहीं कह सकते कि एक बार जब देश और नेतृत्व अपनी प्रकृति को पहचान कर आयोजन करता है तो वह एक मानक बन जाता है और आगे ऐसे आयोजनों को और श्रेष्ठ करने की प्रवृत्ति स्थापित होती है। यह मानना होगा कि 144 वर्ष बाद पौष पूर्णिमा पर बुधआदित्य योग जिसे, महायोग युक्त कह रहे हैं, उस महाकुंभ का श्री गणेश उसकी आध्यात्मिक दिव्यता के अनुरूप करने की संपूर्ण कोशिश केंद्र की नरेन्द्र मोदी सरकार और प्रदेश की योगी आदित्यनाथ सरकार ने किया है।

भारत में दुर्भाग्यवश, राजनीतिक विभाजन इतना तीखा है कि ऐसे महान अवसरों, जिससे केवल भारत और विश्व नहीं संपूर्ण ब्रह्मांड के कल्याण का भाव पैदा होने की आचायरें की दृष्टि है, उसमें भी नकारात्मक वातावरण बनाया जा रहा है। होना यह चाहिए था कि राजनीतिक मतभेद रहते हुए भी संपूर्ण भारत और विशेष कर उत्तर प्रदेश के राजनीतिक दल ऐसे शुभ और मंगलकारी आयोजन पर साथ खड़े होते, आने वालों का स्वागत करते और संघर्ष, तनाव, झूठ, पाखंड, ईर्ष्या, द्वेष, घृणा से भरे विश्व में भारत से शांति की आध्यात्मिक सलिला का मूर्त अमूर्त संदेश विस्तारित होता।

हमारे देश का संस्कार इतना सुगठित और महान है कि नेताओं के वक्तव्यों की अनदेखी करते हुए करोड़ों लोग अपने साधु-संत, आचायरें के द्वारा दिखाए रास्ते का अनुसरण करते हुए जाति, पंथ, क्षेत्र, भाषा, राजनीति सबका भेद भूलकर संगम में डुबकी लगाते, आवश्यक अपरिहार्य कर्मकांड करते आकर्षक दृश्य उत्पन्न कर रहे हैं, अन्यथा समाजवादी पार्टी और उनके नेता जिस तरह के वक्तव्य दे रहे हैं उनसे केवल वातावरण विषाक्त होता। थोड़ी देर के लिए अपनी दलीय राजनीति की सीमाओं से बाहर निकलकर विचार करिए। क्या स्वतंत्र भारत में पूर्व

की सरकारों ने ऐसे अनूठे उत्सव या आयोजन को उसके मूल संस्कारों और चरित्र के अनुरूप भव्यता प्रदान करने, संपूर्णता तक पहुंचाने एवं संपूर्ण विश्व को बगैर किसी शब्द का प्रयोग किए भारत के आध्यात्मिक अनुकरणीय शक्ति को प्रदर्शित करने के लिए इस तरह केंद्रित उद्यम और व्यवस्थाएं किए थे? इसका ईमानदार उत्तर है, बिल्कुल नहीं।

कहने का तात्पर्य यह नहीं कि पूर्व सरकारों ने कुंभ के लिए कुछ किया ही नहीं। लाखों करोड़ों व्यक्ति और संपूर्ण भारत के सारे संत-संन्यासी-साधु-महंत आचार्य दो महीने के लिए वहां उपस्थित हों तो सरकार के लिए उसकी व्यवस्था और अपरिहार्य हो जाती है। सच यह है कि जिस तरह मोदी सरकार और योगी सरकार ने कुंभ को उसकी मौलिकता के अनुरूप वर्तमान देश, काल, स्थिति के साथ तादात्म्य बिठाते हुए कार्य किया वैसा पहले कभी नहीं हुआ। वास्तव में हमारे शीर्ष नेतृत्व में देश और प्रदेश दोनों स्तरों पर एक साथ कभी ऐसे लोग नहीं रहे जिन्हें महाकुंभ या इस प्रकार के धार्मिक-सांस्कृतिक-आध्यात्मिक आयोजनों, मुहूर्त, कर्मकांडों का महत्व, इसका आयोजन कैसे, किनके द्वारा, किन समयों पर होना चाहिए ना इसका पूरा ज्ञान रहा और न लेने के लिए कभी इस तरह प्रयत्न हुआ। प्रदेश में मुख्यमंत्री योगी संन्यासी हैं और उन्हें इसका ज्ञान है। उनके मंत्रिमंडल में भी ऐसे साथी हैं जो इन विषयों को काफी हद तक समझते हैं, जिनकी निष्ठा है। निष्ठा हो और संकल्प नहीं हो तो ज्ञान होते हुए भी साकार नहीं हो सकता। आप योगी आदित्यनाथ के समर्थक हों या विरोधी इन विषयों पर उनकी समझ, निष्ठा व संकल्पबद्धता को किसी दृष्टि से नकार नहीं सकते। जब इस तरह की टीम होती है तभी महाकुंभ, अयोध्या या काशी विनाथ अपनी मौलिकता के साथ संपूर्ण रूप से प्रकट होता है। केंद्र का पूरा मार्गदर्शन और उसके अनुरूप सहायता हो तो समस्याएं नहीं आती। 2017 में प्रदेश में योगी आदित्यनाथ की सरकार आने के बाद प्रयागराज में ही 2019 में अर्धकुंभ आयोजित हुआ था और वहां से नया स्वरूप सामने आना आरंभ हुआ। पहली बार लोगों ने केंद्र व प्रदेश का संकल्प देखा। 2019 में पहली बार राज्य सरकार ने 2406.65 करोड़ व्यय किया जिसकी पहले कल्पना नहीं थी। इस बार सरकार की ओर से 5496.48 करोड़ रुपये व्यय अभी तक हुआ और केंद्र ने भी इसमें 2100 करोड़ रुपये का अतिरिक्त सहयोग दिया है। कुंभ के आयोजन के साथ गंगा और यमुना दोनों में शून्य डिस्चार्ज सुनिश्चित करने की कोशिश हुई है।

सभी 81 नालों का स्थाई निस्तारण सुनिश्चित करने की तैयारी की गई। यह तो नहीं कह सकते कि गंगा, यमुना और त्रिवेणी संगम का जल शत-प्रतिशत शुद्ध और स्वच्छ हो गया, किंतु अधिकतम कोशिश कर हरसंभव परिणाम तक ले जाने के परिश्रम से हम इनकार नहीं कर सकते। कुंभ को हरित कुंभ बनाने की दृष्टि से पहली बार मोटा-मोटी 3 लाख के आसपास पौधरोपण का आंकड़ा है। उसी तरह केवल रिकॉर्ड संख्या में डेढ़ लाख शौचालय बनाए गए बल्कि 10 हजार से अधिक सफाई कर्मचारियों की तैनाती की गई। शुद्ध पेयजल आपूर्ति के लिए लगभग 1230 किलोमीटर पाइपलाइन, 200 वाटर एटीएम तथा 85 नलकूप अधिष्ठान की व्यवस्था है। हालांकि हिन्दुओं और सनातनियों के अंदर तीर्थयात्राओं में कष्ट सहने की मानसिकता और संस्कार है। हमारा चरित्र ऐसा है जहां जो कुछ व्यवस्थाएं उपलब्ध हैं उसी में अपना कर्मकांडीय दायित्व पूरी करते हैं। किंतु सरकार व्यवस्था करे तो सब कुछ आसान सहज और अनुकूल होता है।

आप राजनीतिक रूप से आलोचना करिए किंतु सत्य है कि हमारे राजनीतिक नेतृत्व और नौकरशाही ने कभी ऐसे अवसरों को इस तरह जन-जन तक मीडिया के माध्यम से पहुंचाने और लोगों के अंदर आने की भावना पैदा करने की दृष्टि से विचार ही नहीं किया। टीवी चैनलों पर विहंगम दृश्य देखकर आम लोगों की प्रतिक्रियाएं हैं कि एक बार अवश्य जाना जाकर वहां डुबकी लगानी चाहिए। अयोध्या में पिछले वर्ष श्री रामलला की प्राण प्रतिष्ठा में हमने प्रदेश सरकार की पहली बार ऐसी व्यवस्था देखी और अब महाकुंभ में उसका विस्तार है। एक साथ हजारों की संख्या में यज्ञ अनुष्ठान से बना माहौल, मंत्रों की ध्वनि संगीत, जयकारे सब सूक्ष्म रूप से पूरे वातावरण में कैसी दिव्यता उत्पन्न करेंगे इसकी कल्पना करिए।

बैन ड्रग्स के लिए युवाओं में बढ़ती तलब

डॉ. सत्यवान सौरभ -

ड्रग के दुरुपयोग से कई तरह की शारीरिक स्वास्थ्य समस्याएँ हो सकती हैं, जिनमें लीवर की बीमारी (शराब से), संक्रामक रोग (इंजेक्शन ड्रग के इस्तेमाल में सुइयों को साझा करने के कारण) और ओवरडोज़ से होने वाली मौतें शामिल हैं। साथ ही, मादक द्रव्यों के सेवन का मानसिक स्वास्थ्य विकारों जैसे अवसाद और चिंता से गहरा सम्बंध है। यह मौजूदा मानसिक स्वास्थ्य समस्याओं को बढ़ा सकता है या नए लोगों के विकास को जन्म दे सकता है। ड्रग के दुरुपयोग से परिवार टूट सकते हैं, संघर्ष बढ़ सकते हैं और परिवारों के भीतर भावनात्मक आघात हो सकता है। नशीली दवाओं के दुरुपयोग से प्रभावित परिवारों में बच्चों को उपेक्षा, दुर्व्यवहार और शिक्षा में बाधा का सामना करना पड़ सकता है, जिससे उनकी समग्र भलाई प्रभावित होती है। नशीली दवाओं की लत से जूझ रहे व्यक्तियों को अक्सर सामाजिक कलंक का सामना करना पड़ता है, जो उनके ठीक होने और समाज में फिर से शामिल होने में बाधा बन सकता है। परिवार के किसी सदस्य की लत को सहने की लागत और उससे जुड़े चिकित्सा व्यय के कारण परिवारों को अक्सर वित्तीय कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है। अधिकांश नशीली दवाओं के उपयोगकर्ता 18-35 वर्ष की उत्पादक आयु वर्ग में होते हैं, नशीली दवाओं की लत के कारण कार्यस्थल पर अनुपस्थिति और उत्पादकता में कमी आ सकती है। हिंसा और अपराध में वृद्धि नशीली दवाओं के दुरुपयोग का प्रत्यक्ष प्रभाव है। नशे के आदी लोग अपनी दवाओं के भुगतान के लिए अपराध का सहारा लेते हैं। नशीली दवाएँ संकोच को दूर करती हैं और निर्णय लेने की क्षमता को कम करती हैं, जिससे व्यक्ति

अपराध करने के लिए प्रेरित होता है। नशीली दवाओं के दुरुपयोग के साथ छेड़छाड़, समूह संघर्ष, हमला और आवेगपूर्ण हत्याओं की घटनाएँ बढ़ जाती हैं। आम आबादी, खासकर ग्रामीण क्षेत्रों में नशीली दवाओं के दुरुपयोग के जोखिमों और इसके परिणामों के बारे में सीमित जागरूकता है। इसके अलावा, स्कूलों और समुदायों में लोगों, विशेष रूप से युवा व्यक्तियों को नशीली दवाओं के दुरुपयोग के खतरों के बारे में सूचित करने के लिए, शैक्षिक कार्यक्रम अपर्याप्त हैं। मादक द्रव्यों के सेवन के विकार वाले व्यक्तियों को कलंकित करने से वे सहायता और समर्थन प्राप्त करने से हतोत्साहित हो सकते हैं। स्वास्थ्य सुविधाओं और समाज में बड़े पैमाने पर भेदभाव उपचार और पुनर्वास सेवाओं तक पहुँच में बाधा उत्पन्न कर सकता है। नशीली दवाओं की लत के उपचार सुविधाओं और योग्य स्वास्थ्य पेशेवरों की भारी कमी है। भारत में नशीली दवाओं के दुरुपयोग के प्रचलन और पैटर्न पर सीमित शोध है, जो साक्ष्य-आधारित नीति निर्माण और कार्यक्रम विकास में बाधा डालता है। नशीली दवाओं के दुरुपयोग की छिपी और कलंकित प्रकृति के कारण सटीक डेटा एकत्र करने में भी चुनौतियाँ हैं। प्रमुख अफीम उत्पादक क्षेत्रों के करीब भारत की भौगोलिक स्थिति इन दवाओं की आसान उपलब्धता की ओर ले जाती है। इसके अलावा, नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो के अनुसार, अवैध नशीली दवाओं के व्यापार के लिए 'डार्क नेट' और क्रिप्टोकरेंसी का उपयोग करने का चलन बढ़ रहा है। भारत में नए साइकोएक्टिव पदार्थों की खपत बढ़ रही है और ये पदार्थ अक्सर मौजूदा दवा नियंत्रण नियमों के दायरे से बाहर हो जाते हैं, जिससे कानून प्रवर्तन एजेंसियों के लिए उन्हें प्रभावी ढंग से मॉनिटर और विनियमित करना चुनौती बन जाता है। व्यापक विधायी नीति तीन केंद्रीय अधिनियमों में निहित है, अर्थात औषधि और प्रसाधन सामग्री अधिनियम, 1940, स्वापक औषधि और मन: प्रभावी पदार्थ अधिनियम, 1985 और स्वापक औषधि और मन: प्रभावी पदार्थ अधिनियम, 1988 में अवैध तस्करी की रोकथाम। यह भारत में नशीली दवाओं के कानून प्रवर्तन के लिए नोडल एजेंसी है। इसकी स्थापना 1986 में देश भर में नशीली दवाओं के कानून प्रवर्तन प्रयासों के समन्वय के लिए की गई थी। नशीली दवाओं के कानून प्रवर्तन में हितधारकों की बहुलता ने वास्तविक समय के आधार पर विभिन्न एजेंसियों के बीच समन्वय को आवश्यक बना दिया है। गृह मंत्रालय ने जमीनी स्तर से लेकर शीर्ष स्तर तक देश भर के हितधारकों के बीच समन्वय बढ़ाने और नशीली दवाओं के खतरे से प्रभावी ढंग से निपटने के लिए चार-स्तरीय समन्वय तंत्र का गठन किया है। शीर्ष एनसीओआरडी, कार्यकारी एनसीओआरडी, राज्य एनसीओआरडी और ज़िला कॉर्ड तंत्र के चार स्तंभ हैं। सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय (एमओएसजेई) नशे की लत के लिए एकीकृत पुनर्वास केंद्रों (आईआरसीए) के रखरखाव के लिए गैर सरकारी संगठनों और स्वैच्छिक संगठनों को वित्तीय सहायता प्रदान करता है। ये केंद्र मादक द्रव्यों के सेवन के विकारों वाले व्यक्तियों को व्यापक पुनर्वास सेवाएँ प्रदान करते हैं। एमओएसजेई ने 2018-2025 के लिए एनएपीडीडीआर शुरू किया। योजना का उद्देश्य बहुआयामी रणनीति के माध्यम से नशीली दवाओं के दुरुपयोग के प्रतिकूल परिणामों को कम करना है। सरकार को सीमा शुल्क, नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो और राज्य पुलिस बलों सहित नशीली दवाओं के नियंत्रण में शामिल कानून प्रवर्तन एजेंसियों को मज़बूत करने के लिए उपाय करने चाहिए। इसमें उन्हें बेहतर प्रशिक्षण, तकनीक और संसाधन प्रदान करना शामिल हो सकता है। गरीबी, बेरोजगारी और शिक्षा की कमी जैसे सामाजिक-आर्थिक कारक नशीली दवाओं के दुरुपयोग और तस्करी में योगदान कर सकते हैं। इसलिए, सरकार ग़रीबी कम करने के उपायों, रोजगार सर्जन योजनाओं और शिक्षा तक पहुँच बढ़ाकर इन मुद्दों को सम्बोधित कर सकती है। नशीली दवाओं की मांग को कम करने के लिए समुदाय-आधारित रोकथाम कार्यक्रम, शिक्षा और जागरूकता अभियान चलाए जा सकते हैं। नशीली दवाओं के दुरुपयोग से निपटने के लिए एक समग्र और बहुआयामी दृष्टिकोण की आवश्यकता है जिसमें रोकथाम, शिक्षा, उपचार, नुक़सान में कमी, नीति सुधार और समुदाय की भागीदारी में वृद्धि शामिल है। भारत में नशीली दवाओं के दुरुपयोग के प्रभाव को कम करने के लिए सरकारी एजेंसियों, स्वास्थ्य सेवा प्रदाताओं, गैर सरकारी संगठनों और समुदाय के बीच सहयोग आवश्यक है।

विधानसभा चुनाव से पहले टीएमसी के भीतर खेला

शंकर जालान

%खेला होबे', खेला होबे', यानी खेल होगा, खेल होगा? वाले जिस लोकप्रिय चुनावी नारे के बलबूते तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) ने 2021 (पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव) और 2024 के लोक सभा चुनाव में भाजपा समेत तमाम विरोधी दलों को धूल चटाते हुए चुनावी रण से बाहर का रास्ता दिखाया था, मौजूदा समय में वही %खेला' टीएमसी के भीतर होते दिख रहा है। बुआ (ममता बनर्जी) और भतीजे (अभिषेक बनर्जी) के बीच इन दिनों जो चल रहा है, उसे देखते हुए लगता है कि जल्द ही टीएमसी में भी कुछ बड़ा %खेला' होने वाला है।

वैसे कई दफा और कई मुद्दों पर बुआ-भतीजे में मतभेद की खबरें आती रही हैं, लेकिन बीते दिनों अभिषेक के करीबी और विश्वासपात्र माने जाने वाले दो नेताओं (पूर्व सांसद डॉ. शांतनु सेन और अराबुल इस्लाम) को बाहर का रास्ता दिखा कर ममता ने बताने की कोशिश की है कि पार्टी में सर्वेसर्वा केवल वे ही हैं। टीएमसी के कुछ नेता यह जरूर चाहते हैं कि भुआ-भतीजे का विवाद जल्द समाप्त हो जाए लेकिन विपक्ष विशेषकर भाजपा चाहती है कि भुआ-भतीजे के बीच दूरियां जितनी बढ़ेंगी, आगामी विधानसभा चुनाव में जीत उसके उतनी ही करीब होगी। मालूम हो कि 2026 में पश्चिम बंगाल विधानसभा के लिए चुनाव होने हैं।

गत लोक सभा चुनाव में राज्य में मिली करारी हार के बाद भाजपा अभी तक सूबे में अपना संगठन मजबूत नहीं कर पाई है। प्रदेश के भाजपा नेता चाहते हैं कि उनका संगठन चाहे मजबूत हो न हो, लेकिन टीएमसी का संगठन जरूर कमजोर हो जाए। सांगठनिक ताकत के तौर पर वाम मोर्चा और कांग्रेस भी नये सिरे से अपनी शुरु आत के पक्ष में हैं। 2011, 2016 और 2021 में जीत यानी हैट्रिक लगाने वाली टीएमसी अपना घर ठीक से नहीं चला पा रही है। ममता पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री और टीएमसी की मुखिया हैं, तो अभिषेक पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव और डायमंड हार्बर से सांसद हैं। सभी जानते हैं कि ममता के बूते ही अभिषेक को पहचान मिली, कई दफा सांसद बनने का मौका मिला और पार्टी में महासचिव जैसा महत्वपूर्ण पद भी, लेकिन अब अभिषेक की महत्वाकांक्षा और पार्टी में दखलअंदाजी बढ़ गई है, जो ममता को रास नहीं आ रहा। अंदरखाने सूत्रों ने बताया कि इन दिनों भुआ-भतीजे के रिश्ते में पहली वाली मधुरता नहीं है। दोनों के बीच कई बार मतभेद और रार हो चुकी हैं, लेकिन अब लड़ाई सतह पर आती नजर आ रही है। भुआ-भतीजे के मनमुटाव का असर पार्टी की सेहत पर न पड़े, इसे लेकर टीएमसी के वरिष्ठ नेताओं के माथे पर चिंता की लकीरें दिख रही हैं। सूत्रों के मुताबिक टीएमसी दो खेमे में बंट गई है। एक खेमा है ममता बनर्जी का, जिसमें वे नेता शामिल हैं, जो टीएमसी के संघर्ष के दिनों से ममता के साथ हैं। दूसरा खेमा है अभिषेक का जिसमें अधिकतर नेता ऐसे हैं जिन्होंने टीएमसी के एक मुकाम पर पहुंचने के बाद %जोड़ाफूल' (टीएमसी का चुनाव चिन्ह) थामा था। ऐसे में टीएमसी नये-पुराने नेताओं में बंटती नजर आ रही है।

टीएमसी में महीनों से विवाद जारी है, ममता बनर्जी और अभिषेक बनर्जी के बीच मतभेदों का कोई अंत नजर नहीं आ रहा है। पहले अभिषेक कोलकाता के आरजी कर मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल में एक प्रशिक्षु महिला चिकित्सक के कथित रेप और हत्या के मामले में राज्य सरकार के रवैए की आलोचना करने वाले कलाकारों के बहिष्कार के मुद्दे पर पार्टी के कुछ नेताओं से असहमत थे, लेकिन अब ममता ने अपने भतीजे के करीबी माने जाने वाले मंत्रियों को आड़े हाथों लिया है। भुआ-भतीजे के मनमुटाव का असर पार्टी की सेहत और सूबे की राजनीति पर कितना पड़ेगा, यह जानने के लिए इंतजार करना पड़ेगा लेकिन फिलहाल इतना कहा जा सकता है कि भुआ-भतीजे के सुर नहीं मिलने से संगठन के चुनाव में दिक्कतें आ रही हैं।

हाल में भांगड़ में अराबुल इस्लाम और सावकत मोल्लाह के बीच गुटीय संघर्ष की बात सामने आई। दोनों एक-दूसरे को टीएमसी का सदस्य मानने से भी कतरा रहे थे। अंततः अराबुल को निलंबित कर दिया गया। आरजी कर मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल में प्रशिक्षु महिला चिकित्सक साथ रेप और हत्या के बाद से स्वास्थ्य व्यवस्था को लेकर लगातार मुखर रहे टीएमसीके पूर्व सांसद डॉ. शांतनु सेन को भी बाहर का रास्ता दिखा दिया गया। शांतनु सेन को राजनीतिक हल्कों में अभिषेक का करीबी माना जाता है। टीएमसी ने उन्हें पार्षद से राज्य सभा सांसद बनाया। अभिषेक की मेहरबानी से चिकित्सकों के संगठन के अखिल भारतीय अध्यक्ष बन गए थे। पार्टी के प्रवक्ता के तौर पर किया। राजनीति के पंडित इस निलंबन के पीछे भी विशेष रणनीति देख रहे हैं। आलोचकों का कहना है कि टीएमसी में निलंबन का बात कब उठती है, यह भी स्पष्ट नहीं है। दिलचस्प बात यह है कि निलंबन की घोषणा उन जयप्रकाश मजूमदार ने की जो कभी भाजपा में थे। अभिषेक के दोनों करीबियों के निलंबन को लेकर सूबे की राजनीति में उथल-पुथल मची है। चर्चा है कि विधानसभा चुनाव से पहले यह %खेला' कहां तक चलेगा और कहां जाकर खत्म होगा।

बिजनेस वुमन बनना चाहती हैं?

आज के बदलते समय में कई महिलाएं नौकरी करने से ज्यादा बिजनेस करने के बारे में सोचती हैं। कई महिलाओं ने बिजनेस क्षेत्र में कदम रखकर अपनी ताकत भी साबित की है। आप भी बिजनेस वुमन बनने के बारे में सोच रही हैं,तो उससे पहले कुछ बातों पर गौर करना जरूरी है। व्यवसाय में सफलता प्राप्त करने के लिए केवल नेतृत्व गुणों के आधार पर आप एक व्यवसायी महिला नहीं बन सकतीं।

बिजनेस आइडिया स्पष्ट रखें-

यदि आप एक सफल व्यवसायी महिला बनना चाहती हैं, तो आपको अपने व्यवसाय के बारे में स्पष्ट दृष्टिकोण रखना होगा। कई बार हम दूसरों की सफलता से इतने प्रभावित हो जाते हैं कि वहीं बिजनेस शुरू करने का फैसला कर लेते हैं। इस पर विचार करना जरूरी है। इसके बाद एक और बात यह है कि यदि किसी को व्यवसाय में निवेश करने के लिए आवश्यक पूंजी, उसके जोखिम और बाजार के बारे में पर्याप्त जानकारी मिल जाए, तो किसी भी प्रकार के नुकसान की संभावना काफी हद तक कम हो जाती है।

छोटे पैमाने से करें शुरु

किसी व्यवसाय की सफलता इस बात पर निर्भर नहीं करती कि आप उसे कितने बड़े पैमाने पर शुरू करते हैं। इसलिए यदि आप व्यवसाय में नए हैं तो छोटे पैमाने पर अपना व्यवसाय शुरू करने पर विचार करें। क्योंकि, जब आप कम पूंजी निवेश करते हैं तो नुकसान भी कम होता है। समय के साथ आपको बिजनेस से जुड़े अनुभव मिलने लगते हैं, जो आपको बिजनेस वुमन बनाने में फायदेमंद साबित होते हैं।

उधार लेने के लिए तैयार रहें -

यदि आप अपने व्यवसाय के लिए ऋण लेने जा रहे हैं, तो ऐसा करने से पहले विभिन्न बैंकों से जांच अवश्य कर लें। आपको किस बैंक में कितना ब्याज देना होगा इसकी पूरी जानकारी पहले ही नोट कर लें। इसके लिए आप चार्टर्ड अकाउंट की मदद ले सकते हैं।

ब्रांडिंग और मार्केटिंग अनिवार्यताएं -

यदि आप अपने व्यवसाय में पहचान बनाना चाहते हैं और कॉर्पोरेट जगत में टिके रहना चाहते हैं, तो आपको अच्छे उत्पादों और अच्छी सेवा के साथ-साथ अपने व्यवसाय की ब्रांडिंग और मार्केटिंग पर भी ध्यान देने की आवश्यकता है।

मेकअप के आसान उपाय

वर्किंग वूमेन पर जिम्मेदारियां बहुत ज्यादा होती हैं। उन्हें ऑफिस के साथ-साथ घर के भी कामों पर भी ध्यान देने होता है। सुबह-सुबह इतना समय नहीं होता है कि आराम से तैयार हो पाएं। कपड़े पहनने के साथ ही आपको ब्रेकफास्ट भी करना होता है या फिर दूसरे कामों को करते हुए ऑफिस भी जाना होता है। ऐसे में कई महिलाएं मेकअप करने से भी बचती ही हैं,लेकिन इससे आप ऑफिस में नहीं लगती हैं,तो क्यों न बस 5 मिनट निकालकर फ्लॉलेस मेकअप किया जाए।

फाउंडेशन के साथ सनस्क्रीन

पहले आपको स्किन पर फाउंडेशन के साथ सनस्क्रीन मिलाकर लगाना है। ये आपकी स्किन में थोड़ा लाइट के साथ धूप के नुकसानों से भी बचाने में भी मदद करेगा।

जेल या क्रीम वाला फाउंडेशन

आप प्राइमर का भी इस्तेमाल कर सकते हैं, लेकिन फाउंडेशन के साथ सनस्क्रीन मिलाकर लगाना ज्यादा सही है। कोशिश करें कि इसके लिए जेल या क्रीम वाला फाउंडेशन का इस्तेमाल करें।

आई लाइनर

आई लाइनर से आंखों को बड़ा ही आकर्षक लुक मिलता है। इससे आंखों की खूबसूरती बढ़ जाती है और चेहरा काफी फ्रेश लगता है। आप काजल भी अप्लाई कर सकती हैं।

लिपस्टिक

डार्क शेड की लिपस्टिक लगाने पर चेहरे को ग्लैमरस लुक मिलता है। आप न्यूड या पीच कलर की लिपस्टिक से क्लासी लुक भी पा सकती हैं।

ब्लश एंड हेयर

चेहरे की खूबसूरती बढ़ाने और मेकअप को बैलेंस करने के लिए लाइट कलर का ब्लश लगा सकती हैं। वहीं बालों को जल्दी- जल्दी में स्टाइल करना मुसीबत का काम लग रहा है तो इसे स्ट्रेट कर लें या फिर नीट बन बना लें।

घर की किस दिशा में हो फव्वारा

घर की सजावट के लिए लोग कई चीजों का इस्तेमाल करते हैं। तरह-तरह के पौधे, शोपीस घर में रखते हैं,ताकि घर की सुंदरता बढ़े। इन्हीं चीजों में से एक है वाटर फाउंटेन या पानी का फव्वारा। सुंदरता बढ़ाने के लिए पानी का फव्वारा भी अच्छा ऑप्शन माना जाता है। इसे घर की सुंदरता भी बढ़ती है और इसे वास्तु शास्त्र में भी बहुत ही शुभ माना जाता है। वास्तु शास्त्र के अनुसार, पानी के फव्वारे को धन और संपत्ति को आकर्षित करने वाला माना जाता है,क्योंकि वाटर फाउंटेन जल तत्व से संबंधित होता है। ऐसे में यह आसपास की पॉजिटिव एनर्जी को बढ़ाता है।

उत्तर या पूर्व दिशा

घर की उत्तर दिशा पानी का फव्वारा लगाने के लिए शुभ होती है। इसके अलावा ईशान कोण और पूर्व दिशा में भी इसे लगाना अच्छा माना जाता है,लेकिन कभी भी पानी का फव्वारा घर की दक्षिण, दक्षिण पूर्व या पश्चिम दिशा में नहीं रखना चाहिए। इससे घर परिवार में हमेशा परेशानियां रहती हैं।

मुख्य द्वार के पास

पानी का फव्वारा घर के मुख्य द्वार के पास भी लगाना शुभ माना जाता है। इससे घर में नेगेटिव एनर्जी नहीं आती।

यह जगह भी होती है शुभ

घर में पानी का फव्वारा रखने के लिए दाएं कोना भी अच्छा माना जाता है। मान्यताओं के अनुसार, इस कोने में पानी का फव्वारा होने से ब्रह्मांड की सारी ऊर्जा फव्वारे के साथ आपके घर में प्रवाहित होने लगेगी।

बेडरुम में न लगाएं फव्वारा

वास्तु शास्त्र के अनुसार, बेडरुम में पानी का फव्वारा नहीं लगाना चाहिए। फाउंटेन या पानी का फव्वारा रखने के लिए सबसे खराब जगह बेडरुम ही मानी जाती है। यहां पर पानी का फव्वारा लगने से रिश्तों में परेशानी होती है।

किचन में न लगाएं फव्वारा

किचन में भी पानी का फव्वारा नहीं लगाना चाहिए,क्योंकि यह स्थान अग्नितत्व से जुड़ा होता है। ऐसे में यहां जल तत्व से जुड़ी चीजें भूलकर भी नहीं रखनी चाहिए।

वाटर फाउंटेन घर में लगाने के फायदे

वाटर फाउंटेन से हमेशा पानी बहता रहता है। बहते हुए पानी को वास्तु शास्त्र में खुशी, प्रेम और सौभाग्य का प्रतीक माना जाता है। वाटर फाउंटेन को सही स्थिति और दिशा में रखने से परिवार की आय भी बढ़ती है।

सूखी खांसी से राहत पाने के नुस्खे

मौसम में बदलाव होना शुरु हो गया है। ठंडी हवाओं के कारण सर्दी-जुकाम जैसी स्वास्थ्य समस्याएं होने लगती हैं। इसके अलावा इस मौसम में कुछ लोगों को सूखी खांसी भी हो जाती है। सूखी खांसी बहुत ही खतरनाक होती है,क्योंकि इसमें बलगम नहीं बनता है लेकिन खांसते हुए छाती में तकलीफ बहुत ज्यादा होती है। ऐसे में यदि आपको भी सूखी खांसी है,तो आज आपको कुछ ऐसी चीजें बताते हैं जिनका सेवन आप समस्या से राहत पाने के लिए कर सकते हैं। आइए जानते हैं।

हल्दी वाला दूध

सूखी खांसी की समस्या से राहत पाने के लिए आप हल्दी वाला दूध पी सकते हैं। हल्दी में करक्यूमिन पाया जाता है,जिसके कारण हल्दी का रंग पीला होता है। करक्यूमिन में एंटीइंफ्लेमेटरी तत्व पाए जाते हैं। इसके अलावा दूध एक सूपरफूड के तौर पर जाना जाता है। ऐसे में हल्दी वाले दूध का सेवन करने से इम्यूनिटी मजबूत होती है और संक्रमण से लड़ने में भी मदद मिलती है।

अदरक चाय

अदरक की चाय भी सूखी खांसी में बेहद लाभकारी साबित हो सकती है। अदरक में एंटीइंफ्लेमेटरी और एंटीबैक्टीरियलर गुण पाए जाते हैं। सूखी खांसी होने पर आप अदरक से बनी चाय पी सकते हैं। अदरक काटकर उसका छोटा सा टुकड़ा अपने मुंह में रखें। इससे सर्दी-जुकाम जैसी समस्या में राहत मिलती है और सर्दी-जुकाम से जुड़े अन्य लक्षण भी कम होते हैं।

खूब पानी पिएं

सूखी खांसी से छुटकारा पाने के लिए खूब सारा पानी पिएं। पानी पीने से शरीर के टॉक्सिन्स बाहर चले जाते हैं। टॉक्सिन्स बाहर निकलने से शरीर की इम्यूनिटी बेहतर होती है और शरीर अच्छी तरह से काम करती है। इस तरह सूखी खांसी ठीक होने लगेगी। ध्यान रखें कि इन दिनों हल्का गुनगुना पानी पिएं।

पाचन संबंधी समस्याओं को दूर करेगा अनानास!

स्वस्थ जीवनशैली के लिए संतुलित आहार और नियमित व्यायाम फायदेमंद होते हैं। संतुलित आहार में कई खाद्य पदार्थ शामिल होते हैं। इन खाद्य पदार्थों में ताजे फल शामिल हैं। इन ताजे फलों में कई प्रकार के फल शामिल होते हैं। इन फलों में अनानास एक उष्णकटिबंधीय फल शामिल है।

अनानास बाहर से एक कांटेदार फल है। हालाँकि, इस फल का स्वाद अंदर से खट्टा-मीठा होता है। इसलिए बच्चों से लेकर बड़ों तक हर कोई इस फल को खाना पसंद करता है। इस फल से जूस भी बनाया जाता है। खासकर गर्मियों में इस फल की विशेष मांग रहती है। अनानास में विटामिन सी, विटामिन बी-6, मैंगनीज, तांबा, फोलेट और विभिन्न प्रकार के फाइबर होते हैं। इन पोषक तत्वों से हमारे स्वास्थ्य को कई फायदे होते हैं। आज हम अनानास के क्या स्वास्थ्य लाभ जानते हैं?

रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ती है

अनानास विटामिन सी से भरपूर होता है। यह विटामिन सी आपके शरीर की प्रतिरक्षा प्रणाली को मजबूत करने में मदद करता है। परिणामस्वरूप, हमारे शरीर को विभिन्न प्रकार के संक्रमणों से लड़ने के लिए पर्याप्त ताकत मिलती है। इससे शरीर भी स्वस्थ रहता है। इसलिए अनानास को अपनी डाइट में जरूर शामिल करें।

पाचनशक्ति सुचारू रहती है

अनानास में भरपूर मात्रा में फाइबर होता है। ये फाइबर शरीर के पाचन को सुचारु रखने का काम करते हैं। ये फाइबर भोजन को ठीक से पचाने में मदद करते हैं। इसके साथ ही अनानास के सेवन से पेट की समस्याएं जैसे गैस, अपच, कब्ज आदि से छुटकारा मिलता है। जिन लोगों को पेट या पाचन संबंधी समस्या है। उन्हें अपने आहार में अनानास को शामिल करना चाहिए।

दिल के लिए फायदेमंद

अनानास में पाए जाने वाले फाइबर और विटामिन सी की उच्च मात्रा आपके दिल को स्वस्थ रखने में मदद करती है। अनानास का सेवन करने से शरीर में कोलेस्ट्रॉल का स्तर कम हो सकता है। साथ ही हाई ब्लड प्रेशर जैसी समस्या से भी छुटकारा पाया जा सकता है। दिल के लिए फायदेमंद अनानास को अपनी डाइट में जरूर शामिल करें।

त्वचा के लिए फायदेमंद

अनानास में पाए जाने वाले विटामिन सी और अन्य पोषक तत्व त्वचा के स्वास्थ्य के लिए बहुत फायदेमंद होते हैं। इसलिए अनानास काले दाग-धब्बे, पिंपल्स जैसी त्वचा संबंधी समस्याओं को दूर करने के लिए उपयोगी है। अनानास का सेवन करने से त्वचा में चमक आती है।

पालक पुलाव

आज तक आपने सब्जी, मीट या मटर के पुलाव के बारे में सुना होगा, पर क्या आपने कभी पालक का पुलाव खाया है? इसमें आपको सब्जियां दिखेंगी तो नहीं पर उसका पोष भरपूर मिलेगा। बच्चों के लिए खासकर के ये रेसिपी बेतरीन है,जो सब्जियां खाने में नाक- मुंह बनाते हैं। आइए आपको बताते हैं इस टेस्टी और पौष्टिक डिश की आसान रेसिपी..

आवश्यक सामग्री:

- ✓ बासमती चावल -1 कप भीगे हुए
- ✓ चना दाल (भीगे हुए) - 3/4 कप
- ✓ पालक कटी हुई- 1 कप
- ✓ प्याज बारीक कटी हुई- 1/2 कप
- ✓ टमाटर कटा हुआ- 1/2 कप
- ✓ जीरा- 1 छोटा चम्मच
- ✓ कसूरी मेथी- 1 छोटा चम्मच
- ✓ लौंग- 3-4
- ✓ काली मिर्च
- ✓ तेज पत्ता- 1
- ✓ लाल मिर्च- 1 छोटा चम्मच
- ✓ हल्दी पाउडर- 1 छोटा चम्मच
- ✓ तेल- 1 बड़ा चम्मच
- ✓ गरम मसाल 1/2 चम्मच
- ✓ नमक स्वादानुसार

बनाने की विधि:

1. पैन में तेल गर्म करके तेजपत्ता,साबुत मसाले,कसूरी मेथी और जीरा तड़काएं। प्याज डालकर हल्का भूरा भूने।
2. हल्दी पाउडर,लाल मिर्च पाउडर,नमक,और गरम मसाला मिलाएं।
3. टमाटर मिलाकर कुछ मिनट पकने दें। मसाला तेल छोड़ दे,तो इसमें पालक और चना दाल मिलाए,5-7 मिनट तक पकाएं।
4. जब पालक का रंग गहरा हो जाए तो चावल और ढाई कप पानी मिलाकर उबाल आने दें ।ढक्कन लगाए और दो सीटी आने तक पकाएं।
5. तैयार है हेल्दी पालक पुलाव ।

इन घरेलू नुस्खों से पाएं खूबसूरत लंबे बाल

अभी तो लड़के भी अपने हेयर केयर पर खास ध्यान देते हैं। लंबे घने बाल हर किसी की चाह होती है, इसके लिए वो कई महंगे प्रोडक्ट्स का इस्तेमाल भी करते हैं। इन प्रोडक्ट्स को बनाने में कई हानिकारक केमिकल्स का इस्तेमाल किया जाता है। लंबे समय तक केमिकल वाले शैंपू और ऑयल का इस्तेमाल करने से हेयर डैमेज की समस्या हो सकती है। इसकी जगह आप अगर नेचुरल तरीकों से बालों की देखभाल करते हैं तो आपके बाल लंबे समय तक शाइनी बने रहते हैं। इसके लिए आपको अपने डेली रुटीन में कुछ बदलाव करने की जरूरत है। बालों को हेल्दी और शाइनी बनाए रखने के लिए आपको प्रॉपर केयर करने की जरूरत है। इसके साथ ही लाइफस्टाइल में कुछ बदलाव और नेचुरल रेमेडीज़ से आप लंबे घने बाल पा सकते हैं।

आंवला

आयुर्वेद में भी आंवला को बालों के लिए फायदेमंद माना जाता है। इसमें विटामिन सी, एंटीऑक्सीडेंट भरपूर मात्रा में पाए जाते हैं। बालों को हेल्दी बनाए रखने के लिए आप डाइट में आंवला या आंवले के जूस को शामिल कर सकते हैं। इसके साथ ही आप बालों में आंवले का पेस्ट भी लगा सकते हैं।

भृंगराज

भृंगराज को सारे जड़ी बूटियों का राजा कहा जाता है, ये बालों से जुड़ी हर समस्या का समाधान करने में कारगर माना जाता है। भृंगराज के तेल से हेयर ग्रोथ को दोगुना किया जा सकता है इसके साथ ये होयर फॉल रोकने में भी असरदार होता है। स्कैल्प को पोषण प्रदान करने के साथ ये ब्लड सर्कुलेशन को बेहतर करने का भी काम करता है।

मेथी (Fenugreek)

मेथी प्रोटीन और निकोटिनिक एसिड का रिच सोर्स माने जाते हैं जो हेयर ग्रोथ के लिए फायदेमंद होते हैं। मेथी को अपने डाइट में शामिल करने से आप बालों को डैमेज होने से बचा सकते हैं और बालों की खोई चमक भी वापस आ सकती है। आप हफ्ते में एक बार मेथी का पेस्ट बालों में जरूर लगाएं।

नीम

नीम में एंटी बैक्टीरियल और एंटी फंगल गुण पाए जाते हैं जिससे स्कैल्प को बेहतर बनाया जा सकता है। इसके साथ ही नीम के इस्तेमाल से आप डैंड्रफ के वजह से होनेवाली खुजली को भी कम कर सकते हैं।

बच्चों को पढ़ाई के साथ-साथ स्किल्स भी सिखाएं

क्या आपको पता है कि सिर्फ किताबें ही सब कुछ नहीं होतीं? जी हाँ, बच्चों को कुछ और भी खास बातें सिखानी चाहिए जो उनके जीवन में बहुत काम आती हैं। टाइम मैनेजमेंट यानि समय को सही से इस्तेमाल करना, बच्चों के लिए बहुत अहम है। जब बच्चे इसे सीख जाते हैं, तो उनकी जिंदगी में सब कुछ आसान और सुव्यवस्थित हो जाता है।

- **टाइम मैनेजमेंट:** टाइम मैनेजमेंट यानि समय को सही से इस्तेमाल करना, बच्चों के लिए बहुत अहम है। ये सिखाता है कि कैसे अपने पढ़ाई, खेल और मस्ती के लिए सही समय निकालना है। जब बच्चे इसे सीख जाते हैं, तो उनकी जिंदगी में सब कुछ आसान और सुव्यवस्थित हो जाता है।
- **आत्म अनुशासन:** आत्म-अनुशासन का मतलब है खुद पर काबू रखना और अपने लक्ष्य की ओर बढ़ना। ये बच्चों को सिखाता है कि कैसे वे खुद के बॉस बनें और अपने कामों को खुद ही संभालें। जब बच्चे ये सीख जाते हैं, तो वे जिम्मेदार और खुद पर निर्भर हो जाते हैं।
- **आत्म अनुशासन:** आत्म-अनुशासन का मतलब है खुद पर काबू रखना और अपने लक्ष्य की ओर बढ़ना। ये बच्चों को सिखाता है कि कैसे वे खुद के बॉस बनें और अपने कामों को खुद ही संभालें। जब बच्चे ये सीख जाते हैं, तो वे जिम्मेदार और खुद पर निर्भर हो जाते हैं।
- **टीम वर्क:** टीम वर्क यानी साथ मिलकर काम करना, आज के समय में बहुत जरूरी है। जब बच्चे साथ में काम करते हैं, तो वे सीखते हैं कि कैसे दूसरों के साथ मिलजुल कर रहना है, कैसे बातचीत करनी है, और कैसे कभी-कभी अपनी बात छोड़कर दूसरों की बात माननी है।
- **टीम वर्क:** टीम वर्क यानी साथ मिलकर काम करना, आज के समय में बहुत जरूरी है। जब बच्चे साथ में काम करते हैं, तो वे सीखते हैं कि कैसे दूसरों के साथ मिलजुल कर रहना है, कैसे बातचीत करनी है, और कैसे कभी-कभी अपनी बात छोड़कर दूसरों की बात माननी है।
- **पैसे की अहमियत:** पैसे की अहमियत को समझना और अच्छे से इस्तेमाल करना, बच्चों को ये सिखाना जरूरी है,ताकि वे बड़े होकर अपने पैसों का ध्यान रख सकें और खुद का खर्चा चला सकें।
- **संवेदनशीलता और समझ:** बच्चों को दूसरों के लिए अच्छा सोचना और महसूस करना सिखाना जरूरी है। जब वे दूसरों की भावनाओं को समझते हैं और उनके साथ प्यार से पेश आते हैं, तो इससे वे अच्छे इंसान बनते हैं।

रात को बाहर क्यों नहीं सुखाने चाहिए छोटे बच्चों के कपड़े?

परिवार में अकसर बड़े-बुजुर्ग छोटे बच्चों के कपड़े रात को बाहर सुखाने के लिए मना करते हैं। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार रात के समय में वातावरण में नकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है, जो छोटे बच्चों के बाहर सूख रहे कपड़ों में भी प्रवेश करके उनकी सेहत को नुकसान पहुंच सकती है। वहीं बात अगर विज्ञान की करें तो साइंस भी छोटे बच्चों के कपड़े रात को बाहर सुखाने की सलाह नहीं देता है। आइए जानते हैं रात को आखिर क्यों नहीं बाहर सुखाने चाहिए छोटे बच्चों के कपड़े।

धार्मिक कारण

धार्मिक मान्यताओं के अनुसार रात के समय नकारात्मक ऊर्जा अधिक प्रबल होती है, जो कपड़ों के जरिए छोटे बच्चों की सेहत को नुकसान पहुंचा सकती है।

क्या कहता है साइंस?

रात के समय ओस की वजह से कपड़े सूखने की जगह अधिक गीले हो जाते हैं। कपड़ों में मौजूद इस नमी की वजह से उन में कई तरह के बैक्टीरिया, वायरस और फंगस पनप सकते हैं। जो छोटे बच्चों को नुकसान पहुंचा सकते हैं।

स्किन एलर्जी

कपड़ों पर मौजूद नमी की वजह से रात में कई तरह के कीड़े, मच्छर और कीट कपड़ों पर बैठकर अपने अंडे और गंदगी छोड़ सकते हैं। जिससे बच्चे को स्किन एलर्जी या त्वचा से जुड़ी कोई समस्या भी हो सकती है।

अच्छी तरह नहीं सूखते कपड़े

कपड़ों को प्रभावी ढंग से सूखने के लिए धूप और शुष्क मौसम की आवश्यकता होती है। दोपहर के समय कपड़ों को सुखाने के लिए ये दोनों ही चीजें आसानी से उपलब्ध होती हैं। जबकि रात के समय नमी की वजह से कपड़े देर से सूखते या हल्के गीले ही बने रहते हैं।

गंदे हो सकते हैं कपड़े

कई बार रात को अचानक मौसम खराब होने की वजह से धूल, मिट्टी या बारिश की वजह से धुले हुए कपड़े गंदे होकर खराब हो जाते हैं। रात को सोते समय आप मौसम और कपड़ों का ध्यान नहीं रख सकते हैं। जबकि दोपहर में आप कपड़ों और मौसम, दोनों का ख्याल रख सकते हैं।

गीले कपड़ों की बदबू से दिलाता है छुटकारा

सूर्य की पराबैंगनी किरणें गीले कपड़ों पर दुर्गंध और दाग पैदा करने वाले हानिकारक जीवाणुओं को मार देती है। बता दें, सूर्य की रोशनी से सूखे हुए कपड़ों में मशीन से ड्राई हुए कपड़ों की तुलना में सिलवटें भी कम होती हैं।

संक्षिप्त समाचार

एनीकट में किया गया मछली बीज रोपण...

ब्यूरों सैय्यदा मुनीजा़ हुसैनी धमतरी छत्तीसगढ़। ज्ञात हो कि, विभागिय योजनान्तर्गत विगत दिनों ग्राम पंचायत देवपुर विकासखंड नगरी में शासन कि योजना का क्रियान्वयन करते हुए मछली बीज संचयन किया गया,जिस अवसर पर सरपंचचेतन लाल यदु,अमर सिंग पंच, रामप्रसाद अग्नीवंशीय, उपसरपंच पन्ना लाल साहू,खेदन ध्रुव,चंद्र सेन यदु, देवकी बाई यदु, परमेश्वरी साहू, दुलेशवरी साहू, शशिकंवर, प्रतिभा निषाद, रोहित यादव रोजगार सहायक, भृत्य कन्हैया लाल सोरी मौजूद रहे।

आबकारी विभाग ने छापामार कार्रवाई कर 0 .640 किलोग्राम गांजा किया जब्त

मुंगेली (समय दर्शन) कलेक्टर राहुल देव के निर्देशानुसार जिले में अवैध गतिविधियों पर रोक लगाने आबकारी विभाग द्वारा लगातार कार्रवाई की जा रही है। इसी तारतम्य में टीम द्वारा पथरिया विकासखण्ड के ग्राम बावली में छापेमार कार्रवाई कर मुरलीधर कौशिक से 0.640 किलोग्राम गांजा जब्त किया गया। सहायक आयुक्त आबकारी श्री राजेश जायसवाल ने बताया कि आरोपी के विरूद्ध आबकारी अधिनियम के तहत कार्रवाई की जा रही है।

किसना डायमंड ज्वेलरी ने बांटी 100 से ज्यादा खुशियों की चाबी!

नई दिल्ली। भारत की अग्रणी ज्वेलरी रिटेल चेन में सेएक किसना डायमंड एंड गोल्ड ज्वेलरी ने आज देशभर के 100 भाग्यशालीग्राहकों को मारुति सेलेरियो कारें उपहार में दीं। ये कारें 11 शहरों मेंविजेताओं को एक साथ सौंपी गईं, जो अबकी बार आपके लिए कैंपेन केभव्य समापन का हिस्सा था। इस शानदार पहल में 51,219 से अधिक लोगों ने भाग लिया, जिससे यह न केवल किसना के इतिहास में बल्कि पूरे उद्योग में सबसे बड़ी मुहिमों में से एक बन गई। यह कैंपेन 1 सितंबर, 2024 को शुरू हुआ और 18 जनवरी, 2025 को समाप्त हुआ। इसके तहत, ग्राहकों को 20,000 या उससे अधिक की डायमंड, प्लेटिनम, या सॉलिटेयर ज्वेलरी खरीदने पर और 50,000 या उससे अधिककी गोल्ड ज्वेलरी खरीदने पर कार जीतने का मौका दिया गया था। ग्राहकोंको एक लकी ड्रा में भाग लेने का विकल्प दिया गया, जिसमें वे मारुतिसुजुकी सेलेरियो जीत सकते थे। यह किसना की अपने ग्राहकों के लिएयादगार क्षण बनाने की प्रतिबद्धता का प्रमाण है। कैंपेन के ग्रैंड फिनाले के हिस्से के रूप में, किसना ने पूरे भारत से 104 विजेताओं का चयन किया। उत्तर भारत में सबसे अधिक 20,795 ग्राहकों नेभाग लिया, इसके बाद अन्य क्षेत्रों में भी भारी उत्साह देखा गया।

ओपीजी मोबिलिटी ने पेश किया फेराटो इलेक्ट्रिक स्कूटर 'डेफी 22'

नई दिल्ली। इलेक्ट्रिक मोबिलिटी के क्षेत्र में एक विश्वसनीय नाम, ओपीजी मोबिलिटी (जिसका पहले नाम ओकाया ईवी के नाम से जाना जाता था) ने आज भारत मोबिलिटी ग्लोबल एक्सपो 2025 में बहुप्रतीक्षित फेराटो 'डेफी 22' को पेश किया। कंपनी ने भविष्य की एक झलक पेश की, जहां मोबिलिटी को अधिक टिकाऊ, नवोन्मेषी और भारतीय के लिए डिजाइन किया गया है। डेफी 22 के लिए प्री-बुकिंग 17 जनवरी, 2025 से शुरू होगी। फेराटो 'डेफी 22', एक नया इलेक्ट्रिक स्कूटर है, जो कॉम्बी डिस्क ब्रेक सिस्टम से सुसज्जित है, जो सिंगल चार्ज में 80 किलोमीटर की रेंज के साथ 70 किलोमीटर प्रति घंटा की प्रभावशाली स्पीड प्रदान करता है, जिसे आईसीएटी द्वारा सत्यापित किया गया है। इसकी मजबूत संरचना में एक नई डिजाइन के साथ अत्यधिक टिकाऊ आईपी67-रेटेड एलएफपी बैटरी और एक वेदर प्रूफ आईपी65-रेटेड चार्जर जोड़ा गया है, जो विभिन्न परिस्थितियों में भरोसेमंद प्रदर्शन को सुनिश्चित करता है। म्यूजिक फीचर के साथ 7-इंच टच डिस्प्ले स्पीडोमीटर और स्टाइलिश 12 इंच एलॉय व्हील इसके डिजाइन को क्लासी और बोल्ड बनाते हैं। 72वोल्ट 30एएच (w.wkWh) एलएफपी बैटरी के साथ 1200 वॉट पावर वाली मोटर और 2500 वॉट की पीक पावर के साथ, डेफी 22 एक शक्तिशाली और प्रैक्टिकल सवारी प्रदान करता है।

कलेक्टर ने ली प्रेस वार्ता : निर्वाचन के संबंध में राजनीतिक दल और मीडिया प्रतिनिधियों को दी जानकारी

नगरपालिका एवं त्रिस्तरीय पंचायत आम निर्वाचन का आचार संहिता लागू*

सारंगढ़ बिलाईगढ़ (समय दर्शन) कलेक्टर एवं निर्वाचन अधिकारी धर्मेश कुमार साहू ने राजनीतिक दल और प्रेस प्रतिनिधियों से नगरपालिका एवं त्रिस्तरीय पंचायत आम निर्वाचन के संबंध में आचार संहिता लागू होने तथा निर्वाचन की प्रक्रिया को विस्तार से क्रियान्वयन करने के संबंध में जानकारी दी। इस अवसर पर राजनीतिक दलों और मीडिया के प्रतिनिधि उपस्थित थे। इस अवसर पर कलेक्टर धर्मेश साहू ने सभी आदर्श आचरण संहिता के नियमों का पालन करने के निर्देश दिए।

नगरपालिका आम चुनाव : जिले में बिलाईगढ़, सरिया, बरमकेला, भटगांव, सरसीवा और पवनी में चुनाव किया जाएगा। नगरपालिका आम चुनाव अंतर्गत जिले में स्थित में नगरीय निकायों के लिए मतदान तिथि 11.02.2025 निर्धारित है तथा मतगणना रिटर्निंग ऑफिसर स्तर पर 15.02.2025 को संपन्न कराया जाना है। नगरीय निकाय हेतु नाम निर्देशन की प्राप्ति दिनांक 22.01.2025 से प्रारंभ होकर दिनांक 28.01.2025 तक निर्धारित किया गया है। प्राप्त नाम निदेशन पत्रों की संवीक्षा (जांच) रिटर्निंग ऑफिसर स्तर पर दिनांक 29.01.2025 को किया जाना निर्धारित है। नगरीय निकाय हेतु अभ्यार्थिता से नाम वापस लेने की अंतिम तिथि 31.01.2025 को निर्धारित किया गया है।

त्रिस्तरीय पंचायत आम निर्वाचन*: सारंगढ़ बिलाईगढ़ जिले अंतर्गत सारंगढ़ में 129 ग्राम पंचायत, बिलाईगढ़ में 123 ग्राम पंचायत, और बरमकेला में 96 ग्राम पंचायत है। जिसमें सारंगढ़ जनपद में 178729 मतदाता हैं। बिलाईगढ़ जनपद पंचायत में 183807 मतदाता हैं और बरमकेला जनपद पंचायत अंतर्गत 112774 मतदाता हैं। त्रिस्तरीय पंचायत निर्वाचन 03 चरणों में संपन्न कराया जाना निर्धारित है। जिसके अंतर्गत जनपद पंचायत बरमकेला हेतु मतदान की तिथि 17.02.2025 को एवं सारणीकरण 18.02.2025 को निर्धारित किया गया है। नाम निर्देशन प्रारंभ तिथि 27.01.2025 तथा अंतिम तिथि 03.02.2025 निर्धारित किया गया है, प्राप्त नाम निदेशन पत्रों की संवीक्षा (जांच) रिटर्निंग ऑफिसर स्तर पर दिनांक 04.02.2025 को किया जाना निर्धारित है। अभ्यार्थिता से नाम वापस लेने की अंतिम तिथि 06.02.2025 को निर्धारित किया गया है। जनपद पंचायत बिलाईगढ़ हेतु मतदान की तिथि 20.02.2025 को एवं सारणीकरण 21.02.2025 को निर्धारित किया गया है। नाम निर्देशन प्रारंभ तिथि 27.01.2025 तया अंतिम तिथि 03.02.2025 निर्धारित किया गया है, प्राप्त नाम निदेशन पत्रों की संवीक्षा (जांच) रिटर्निंग ऑफिसर स्तर पर दिनांक 04.02.2025 को किया जाना निर्धारित है। अभ्यार्थिता से नाम वापस लेने की अंतिम तिथि 06.02.2025 को निर्धारित किया गया है। जनपद पंचायत सारंगढ़ हेतु मतदान की तिथि 23.02.2025 को एवं सारणीकरण 24.02.2025 को निर्धारित किया गया है। नाम निर्देशन प्रारंभ तिथि 27.01.2025 तथा अंतिम तिथि 03.02.2025 निर्धारित किया गया है, प्राप्त नाम निदेशन पत्रों की संवीक्षा (जांच) रिटर्निंग ऑफिसर स्तर पर दिनांक 04.02.2025 को किया जाना निर्धारित है। अभ्यार्थिता से नाम वापस लेने की अंतिम तिथि 06.02.2025 को निर्धारित किया गया है।

शिशु संरक्षण माह कार्यक्रम का द्वितीय चरण 21 जनवरी से 21 फरवरी तक

ब्यूरों सैय्यदा मुनीजा़ हुसैनी धमतरी छत्तीसगढ़। धमतरी/ शासन के निर्देशानुसार प्रदेश में शिशु संरक्षण माह का द्वितीय चरण 21 जनवरी से 21 फरवरी 2025 तक आयोजित होगा। इस दौरान मंगलवार एवं शुक्रवार को आंगनबाड़ी केन्द्र, निजी स्कूल अथवा स्वास्थ्य केन्द्रों पर सुबह 9 से शाम 4 बजे के बीच आयोजित कर निर्धारित सेवायें हितग्राहियों को दिया जायेगा। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ.यू.एल.कौशिक ने बताया कि अभियान का उद्देश्य बच्चों में होने वाले आंख से संबंधित रोग मोतियाबिन्द, रतौंधी, बिटॉट स्पॉट एवं खून की कमी को दूर करना है। अभियान के दौरान शिशु स्वास्थ्य संवर्धन से सबंधित कार्यक्रम एवं गतिविधियां विटामिन ''ए'' सिरप 9 माह से 5 वर्ष के बच्चों को 6 माह के अंतराल में पिलाया जाता है। साथ ही आयरन फोलिक एसिड सिरप भी दिया जाता है, बच्चों में पोषण के स्तर की जांच के लिए वजन एवं खून की जाँच किया जायेगा। इसके अलावा गंभीर कुपोषित बच्चों को चिन्हांकित कर पोषण पुनर्वास केन्द्रों में भर्ती किया जाना एवं गर्भवती माताओं की जांच करते हुए स्तनपान एवं पोषण आहार के विषय पर चर्चा किया जाना शामिल है। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. कौशिक ने यह भी बताया कि जिले में विटामिन ''ए'' के हितग्राही बच्चे 75 हजार 882 एवं आयरन फोलिक एसिड सिरप के हितग्राही बच्चों की संख्या 80 हजार 345 है। जिला स्तर पर शशु संरक्षण माह की तैयारियां पूरी की जा चुकी है। साथ ही कार्यक्रम से संबंधित सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों को प्रशिक्षण भी दिया जा चुका है। सीएमएचओ ने अपील की है कि निर्धारित तिथि एवं समय पर अपने बच्चों को विटामिन ''ए'' एवं आयरन फोलिक एसिड सिरप अवश्य पिलाये।

जिला पंचायत सीईओ ने ली प्रेस वार्ता

नगरीय निकाय और त्रिस्तरीय पंचायत निर्वाचन 2025 की समय सारणी की दी जानकारी

महासमुंद (समय दर्शन)। जिला पंचायत सीइओ एस. आलोक एवं अपर कलेक्टर 0 रवि कुमार साहू ने आज प्रेस वार्ता लेकर नगरीय निकाय और त्रिस्तरीय पंचायत निर्वाचन 2025 के लिए घोषित समय-सारिणी की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि नगरीय निकाय अंतर्गत नगरपालिका - महासमुंद बागबाहरा, सरायपाली एवं नगर पंचायत अंतर्गत - पिथौरा, बसना, तुमगांव की चुनाव प्रक्रिया के लिए जिला निर्वाचन अधिकारी द्वारा निर्वाचन की सूचना का प्रकाशन, स्थान (सीटों) के आरक्षण के संबंध में सूचना का प्रकाशन बुधवार 22 जनवरी 2025 को सुबह 10:30 बजे किया जाएगा। मतदान केंद्रों की सूची का प्रकाशन एवं नाम निर्देशन पत्रों की प्राप्ति बुधवार 22 जनवरी 2025 को होगा। नाम निर्देशन पत्र प्राप्त करने की अंतिम तिथि मंगलवार 28 जनवरी 2025 निर्धारित है। नाम निर्देशन पत्रों की संवीक्षा (जांच) बुधवार 29 जनवरी 2025 को होगी। नाम वापस लेने की अंतिम तारीख शुक्रवार 31 जनवरी 2025 निर्धारित की गई है। मतदान (यदि आवश्यक) हो नगरीय निकाय हेतु मंगलवार 11 फरवरी 2025 को निर्धारित किया गया है तथा नगरीय निकाय हेतु मतगणना और परिणाम की घोषणा शनिवार 15 फरवरी 2025 की जाएगी। नगरीय निकाय के लिए मतदान का समय प्रात: 07:00 बजे से दोपहर 03:00 बजे तक रहेगा। उन्होंने बताया कि इसी तरह त्रिस्तरीय पंचायत निर्वाचन की प्रक्रिया तीन चरणों में सम्पन्न होगी। चुनाव प्रक्रिया के लिए जिला निर्वाचन अधिकारी द्वारा निर्वाचन की सूचना का प्रकाशन, स्थान (सीटों) के आरक्षण के संबंध में सूचना का प्रकाशन सोमवार 27 जनवरी 2025 को किया जाएगा। मतदान केंद्रों की सूची का प्रकाशन एवं नाम निर्देशन पत्रों की प्राप्ति सोमवार 27 जनवरी 2025 को होगा। नाम निर्देशन पत्र प्राप्त करने की अंतिम तिथि सोमवार 03 फरवरी 2025 निर्धारित है। नाम निर्देशन पत्रों की संवीक्षा (जांच) मंगलवार 04 फरवरी 2025 को होगी। अभ्यर्थी से नाम वापस लेने की अंतिम तारीख गुरूवार 06 फरवरी 2025 निर्धारित की गई है। त्रिस्तरीय पंचायत निर्वाचन के लिए पहला चरण का मतदान सोमवार 17 फरवरी 2025 को होगा जिसमें जिले के बसना और सरायपाली क्षेत्र शामिल है। इसी तरह द्वितीय चरण के तहत पिथौरा और बागबाहरा क्षेत्र में गुरूवार 20 फरवरी को मतदान होगा तथा तृतीय चरण के तहत महासमुंद क्षेत्र में रविवार 23 फरवरी 2025 को मतदान निर्धारित किया गया है। मतदान के लिए प्रात: 6:45 बजे से अपराह्न 02:00 बजे तक का समय रहेगा। खंड मुख्यालय पर की जाने वाली मतगणना (यदि आवश्यक हो) तीन चरणों में की जाएगी। जिसमें प्रथम चरण की तिथि मंगलवार 18 फरवरी, दूसरे चरण के लिए शुक्रवार 21 फरवरी एवं तीसरे चरण के लिए सोमवार 24 फरवरी 2025 की तिथि निर्धारित है। सारणीकरण और अंतिम परिणाम की घोषणा अंतर्गत पंच, सरपंच एवं जनपद पंचायत के मामले में खण्ड स्तर पर प्रथम चरण की घोषणा बुधवार 19 फरवरी, द्वितीय चरण में शनिवार 22 फरवरी और तृतीय चरण में मंगलवार 25 फरवरी को घोषणा की जाएगी। इसी तरह जिला पंचायत सदस्य के मामले में जिला मुख्यालय पर प्रथम चरण की घोषणा गुरूवार 20 फरवरी, द्वितीय चरण में रविवार 23 फरवरी और तृतीय चरण में 25 फरवरी 2025 को निर्वाचन परिणाम की घोषणा की जाएगी।

अधिकारी समय पर कार्यालय आएं, आमजनों की समस्याओं का संवेदनशीलता से करें निराकरण - कलेक्टर

समय-सीमा की बैठक में लंबित प्रकरणों के त्वरित निराकरण करने के दिए निर्देश

मुंगेली (समय दर्शन) कलेक्टर राहुल देव ने जिला कलेक्टोरेट स्थित मनियारी सभाकक्ष में समय-सीमा की बैठक ली। उन्होंने सभी अधिकारियों को समय पर कार्यालय आने और आमजनों से संबंधित समस्याओं का संवेदनशीलता से निराकरण करने के निर्देश दिए।

कलेक्टर ने खरीफविपणन वर्ष 2024-25 में धान खरीदी एवं उठाव की समीक्षा की और संबंधित अधिकारियों को जीरो प्रतिशत शॉर्टेज का लक्ष्य हासिल करने प्रोत्साहित किया। उन्होंने कहा कि धान खरीदी केन्द्रों की सतत निगरानी रखें, अवैध रूप से धान खपाने वाले कोचियों और बिचौलियों पर कड़ी कार्रवाई करें। उन्होंने जिले में अवैध शराब विक्रय पर प्रतिबंध लगाने शराब कोचियों पर कार्रवाई करने के निर्देश दिए। इसके लिए सूचना तंत्र को मजबूत करने कहा। बैठक में उन्होंने लंबित प्रकरणों, नेशनल हाइवे पर प्रगति, कलेक्टर के समक्ष प्रस्तुत आवेदन, कॉल सेंटर में दर्ज प्रकरण सहित अन्य विभागीय गतिविधियों की प्रगति की समीक्षा करते हुए लक्ष्य के अनुरूप आवश्यक प्रगति लाने के निर्देश दिए। इस दौरान पुलिस अधीक्षक भोजराम पटेल, वनमंडलाधिकारी संजय यादव, अपर कलेक्टर जी. एल. यादव एवं श्रीमती मेनका प्रधान, डिप्टी कलेक्टर अजय शतरंज सहित सभी विभागों के जिला स्तरीय अधिकारी मौजूद रहे।

धमतरी पुलिस थाना सिहावा द्वारा मितान के धियान (सामुदायिक पुलिसिंग) के तहत ग्राम पदमपुर में कबड्डी एवं महिलाओं का कुर्सी दौड का किया गया आयोजन

ब्यूरों सैय्यदा मुनीजा़ हुसैनी धमतरी छत्तीसगढ़। पुलिस अधीक्षक महोदय के निर्देशन मे अति0 पुलिस अधीक्षक (पुलिस अनुविभागीय अधिकारी)नगरी, जिला धमतरी के मार्गदर्शन मे थाना प्रभारी प्रभारी उनि.उमाकांत तिवारी के नेतृत्व मे सामुदायिक पुलिसिंग के तहत ग्राम पदमपुर मे बालक/बालिका का कबड्डी एवं महिलाओं का कुर्सी दौड आयोजन कराया गया।

जिसमें बालक के 02 टीम शीतला दल कबड्डी पदमपुर एवं छोटू क्लब कबड्डी पाईकभाठा के माध्य प्रतियोगिता कराया गया जिसमें पदमपुर का टीम प्रथम स्थान तथा पाईकभाठा का टीम द्वितीय स्थान प्राप्त किया।

जिसमे विक्की मरकाम बेस्ट रेडर एवं मनीष मरकाम बेस्ट केचर रहा तथा बालिका टीम मे पदमपुर टीम प्रथम स्थान तथा पाईकभाठा का टीम द्वितीय स्थान प्राप्त किया।

एवं महिलाओ का कुर्सी दौड कराया गया जिसमे किरण मरकाम पदमपुर प्रथम तथा तमेश्वरी नेताम द्वितीय स्थान प्राप्त किया।

बालक प्रथम / द्वितीय स्थान प्राप्त करने वाले टीम को शील्ड, एवं टी-शर्ट कप तथा बालिका प्रथम/द्वितीय स्थान प्राप्त करने वाले टीम को शील्ड, एवं स्कार्प तथा 40 बालको को कापी, पेन चाकलेट, 30 महिला को साड़ी एवं अन्य ग्रामिणो को गमछा से पुरूस्कृत किया गया।उक्त कार्यक्रम में सउनि. दुलाल नाथ, प्रआर0 राम कमलवंशी, आर0 टिकेश्वर साहू, तिजेन्द्र साहू योनेश शाडिल्य का योगदान रहा।

प्रतिभा कॉलेज ऑफ एजुकेशन के विद्यार्थीयों ने किया विशाखापट्टनम का शैक्षणिक भ्रमण

सरायपाली (समय दर्शन)। प्रतिभा कालेज ऑफ एजुकेशन बालसी के द्वारा बी. एड. द्वितीय वर्ष के विद्यार्थीयों को दिनाँक 17.01.2025 से 19.01.2025 तक दो दिवसीय शैक्षणिक भ्रमण करवाया गया 7 यह दौरा विशाखापट्टनम का किया गया 7 जिसमे पहले दिन विजाग समुद्र तट पर लिया गया जहाँ पर सुरम्य समुद्र के लहरों का आनंद लिया गया और यहाँ पर सूर्योदय और सूर्यास्त का दृश्य मंत्रमुग्ध कर देने वाला होता है। तट पर कई कैफे और रेस्टोरेंट हैं, जहाँ आप ताजगी भरे समुद्री भोजन का आनंद लियागया । उसके पश्चात् धार्मिक स्थल ऋषिकोंडा के शिखर पर स्थित श्री वेंकटेश्वर मंदिर में लिया गया , समुद्र तट के सामने स्थित यह परिसर एक मनोरम दृश्य प्रस्तुत करता है ,उसके बाद कैलासगिरि लिया गया , कैलासगिरि एक छोटी सी पहाड़ी का नाम है जिस पर एक खूबसूरत पार्क बना है। इस पार्क की चोटी पर शिव-पार्वती की धवल प्रतिमा आपका स्वागत करती है। पहाड़ी से एक दिशा में विशाखापट्टनम का विहंगम दृश्य नजर आता है। चारों और हरियाली और ऊपर साफ नीला आकाश देखने लायक दृश्य बनता है, जो की एक प्राकृतिक मनमोहक दृश्य रहा , एवं शाम होने के पश्चात म्यूजियम घुमाया गया जिसमे पहले ढ्ढहस्

कुरुसुरा पनडुब्बी संग्रहालय, जो राम कृष्ण के समुद्र तट पर स्थापित एक संग्रहालय है। ढ्ढहस् कुरुसुरा वर्ष 1969 में रूसियों द्वारा निर्मित एक पनडुब्बी है, आईएनएस कुरुसुरा ने 31 वर्षों तक भारतीय नौसेना की सेवा की और फिर इसे 2001 में सेवामुक्त कर दिया गया और एक संग्रहालय में बदल दिया गया, उसके बाद टीयू 142 नेवल एयरक्राफ्ट म्यूजियम लिया गया , ञ्ज 142 नेवल एयरक्राफ्ट म्यूजियम में एक प्रदर्शनी हॉल है जहाँ आप बहुत सारे उपकरण देख सकते हैं जैसे कि सर्वाइवल किट, इंजन, डेटा रिकॉर्डर, प्रोपेलर, एंटी-सबमरीन मिसाइल और सोनोबॉय। विमान के इन सभी उपकरणों और भागों को विस्तार से प्रदर्शित किया गया है ताकि आप विमान के बारे में पर्याप्त जानकारी प्राप्त कर सकें , इतिहास के शौकीनों और नौसेना के लोगों के जीवन के बारे में सब कुछ जानने में रुचि रखने वाले अनुभव चाहने वालों के लिए एक सुखद अनुभव प्रदान करता है और उनके बारे बहुत सारी रोचक तथ्यों की जानकारी भी मिली 7 उसके पश्चात दूसरे दिन सिंहाचलम मंदिर लिया गया, जब हिरण्यकश्यप का अत्याचार हद से अधिक बढ़ गया तो भगवान विष्णु ने उसका संहार करने के लिए नरसिंह अवतार लिया। भगवान नरसिंह ने हिरण्यकश्यप का वध किया और अपने अनन्य भक्त प्रह्लाद की रक्षा की। इसके बाद ही सिंहाचल पर्वत पर प्रह्लाद ने ही भगवान नरसिंह को समर्पित मंदिर की स्थापना की यह एक प्रसिद्ध धार्मिक स्थल है , उसके बाद रामनारायणम आध्यात्मिक पार्क का दौरा किया गया, यह आध्यात्मिक थीम पार्क कई मायनों में अद्वितीय है। इसकी डिज़ाइन हमारी प्राचीन वास्तुकला पर आधारित है, जो हिंदू पौराणिक कथाओं को संरक्षित करता है।यह देश का पहला थीम पार्क है, जो रामायण पर आधारित है। इस पूरे भ्रमण में समस्त प्राध्यापकों के मार्गदर्शन से तथा विद्यार्थियों के योगदान से यह शैक्षणिक भ्रमण बहुत ही सराहनीय और आनंदमय रहा।

निर्वाचन कार्यक्रम की घोषणा के साथ जिले में आदर्श आचरण संहिता लागू

जिले के पांचों नगरीय निकाय में 11 फरवरी को होगा चुनाव

गरियाबंद, मैनपुर ब्लॉक में 17, छुरा में 20 एवं फिंगेश्वर, देवभोग में 23 फरवरी को होगा पंचायत चुनाव

गरियाबंद (समय दर्शन)। छत्तीसगढ़ राज्य निर्वाचन आयोग द्वारा प्रदेश में नगरीय निकाय एवं त्रि-स्तरीय पंचायत निर्वाचन के लिए कार्यक्रम की घोषणा आज जारी कर दी गई है। इसके साथ ही प्रदेश सहित गरियाबंद जिले में भी आदर्श आचरण संहिता लागू हो गई है। जारी कार्यक्रम अनुसार जिले के पांचों नगरीय निकाय में 11 फरवरी को चुनाव होगा। इसी प्रकार पंचायत निर्वाचन अंतर्गत गरियाबंद, मैनपुर ब्लॉक में 17, छुरा में 20 एवं फिंगेश्वर, देवभोग में 23 फरवरी को मतदान होगा। इस संबंध में कलेक्टर दीपक अग्रवाल ने आज कलेक्टोरेट सभाकक्ष में निर्वाचन से संबंधित अधिकारियों की बैठक ली।कलेक्टर श्री अग्रवाल ने कहा कि निर्वाचन के लिए आदर्श आचरण संहिता प्रभावी हो गया है। इसके मद्देनजर जिले में निष्पक्षता और सफलतापूर्वक निर्वाचन सम्पन्न कराने के लिए सभी

अधिकारी-कर्मचारी समय-सीमा में सभी तैयारी सुनिश्चित करें। निर्वाचन की सभी तैयारियां कार्य योजना बनाकर प्राथमिकता के साथ पूर्ण करें। उन्होंने मतदान दल का गठन, मतदान अधिकारी-कर्मचारियों का प्रशिक्षण, मतपत्र मुद्रण,प्रुफ रीडिंग, शिकायत सेल का गठन, नियंत्रण कक्ष, मीडिया एवं व्यय मॉनिटरिंग इकाई का संचालन, निर्वाचन सामग्री, वितरण,वापसी, ईवीएम कमिशनिंग, मतगणना की तैयारी सहित मतदान केन्द्रों में जरूरी व्यवस्था से संबंधित सभी तैयारियां निर्धारित अवधि में सुनिश्चित करने के निर्देश दिये। इस दौरान बैठक में अपर कलेक्टर अरविंद पाण्डेय, उप जिला निर्वाचन अधिकारी सहित रिटर्निंग अधिकारी, अनुविभागीय अधिकारी, सहायक रिटर्निंग अधिकारी, जिला शिक्षा अधिकारी सहित अन्य अधिकारी भी शामिल हुए।

कलेक्टर श्री अग्रवाल ने बैठक में बताया कि इस बार नगरीय निकायों में मतदान ईवीएम मशीन के माध्यम से होगी तथा ग्रामीण क्षेत्रों में मत पेटियों में वोट डाले जायेंगे। उन्होंने इसकी भी तैयारी अच्छे से करने के लिए पीठासीन अधिकारी, मतदान अधिकारी एवं अन्य कर्मचारियों की ड्यूटी लगाने के निर्देश दिये। साथ ही मास्टर ट्रेनरों को निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार कर्मचारियों की ट्रेनिंग व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिये। कलेक्टर ने नाम निर्देशन की आवश्यक तैयारी करने के भी निर्देश दिये। उन्होंने कहा कि नामांकन स्थल का चयन कर आवश्यक व्यवस्था सुनिश्चित कर ली जाए। साथ ही नामांकन के दौरान कोई भी त्रुटि न हो इसकी भी तैयारी सुनिश्चित कर ली जाए। कलेक्टर ने निर्वाचन के दौरान दिये गये दायित्वों का कुशलतापूर्वक निर्वहन करने तथा मतदान दलों का ट्रेनिंग के लिए कार्य योजना बनाने के भी निर्देश दिये।

खबर-खास

बारह साल बाद भी मंत्री जी की घोषणा पर अमल नही

गरियाबंद (समय दर्शन)। जिले के छुरा नगर में वर्ष 2012 में जिले के प्रभारी मंत्री पून्नूराम मोहिले,सासंद चन्दू लाल साहू ने नगर सुराज कार्यक्रम में नगर के उपस्थित जनसभा को संबोधित करते हुये प्रभारी मंत्री मोहिले ने छुरा नगर के वार्ड 13;14;15 के मकानों के छत के उपर से 11 के व्ही विद्युत लाइन को मोहल्ले वासियों के मांग पर हटाने के लिए दस लाख रुपये स्वीकृति की घोषणा किया मंत्री जी के घोषणा पर उपस्थित जन समुहों ने तालियों की गडगडाहट से मंत्री जी की घोषणा का स्वागत किया ! मंत्री जी के घोषणा पर अमल आज तक नहीं हुआ,मंत्री जी ने घोषणा तो कर दिया लेकिन विद्युत विभाग गरियाबंद मोहल्ले वासी को डिमांड नोट बारह साल में चौबीस बार भेज चुका है मंत्री जी की घोषणा को पूरा करने के लिए छुरा नगर के मोहल्ले वासी पैसा विद्युत विभाग गरियाबंद को भुगतान करें तब मंत्री जी की घोषणा पूरा होगा,मोहल्ले वासी जब जब मंत्री मुख्यमंत्री कलेक्टर गरियाबंद को स्मरण पत्र भेजते हैं तब तब बिजली विभाग गरियाबंद के अधिकारी डिमांड नोट भेजकर पैसा पटाने के लिए नोटिस थमा देते हैं !मंत्री जी की घोषणा पूरा करने के लिए जनता की जेब खाली होने के कारण समस्या का समाधान के लिये गरियाबंद कलेक्टर आफिस से बिजली विभाग,नगर पंचायत छुरा के बीच बारह साल से कागजी कार्यवाही कछुआ गति से चल रहा है !मुख्यमंत्री विष्णु देव साया एवं जिला के प्रभारी मंत्री दयाल दास बघेल और जिला प्रशासन को पुनः स्मरण कराया गया है क्या घोषणा पर अमल हो गा कि पांच साल तक कागजी घोषणा दौडेगा !

पुलिस नक्सली मुठभेड़ में दो नक्सली ढेर

गरियाबंद (समय दर्शन)। छत्तीसगढ़-ओडिशा सीमा पर माओवादियों के खिलाफ सुरक्षा बलों की बड़ी सफलता में दो महिला नक्सली ढेर हो गए जिसमें भारी मात्रा में ऑटोमेटिक हथियार भी बरामद किया गया। ज्ञात हो कि छत्तीसगढ़-ओडिशा सीमा के पास स्थित कुल्हाड़ी घाट के जंगल में सुरक्षा बलों और माओवादियों के बीच आज सुबह मुठभेड़ हुई,जिसमें नक्सलियों को बड़ा झटका लगा है। इस मुठभेड़ में दो महिला नक्सली मारे गए हैं।वहीं,एक जवान कोबरा बटालियन का घायल हुआ है,जिसे तत्काल हेलीकॉप्टर से रेस्क्यू कर रायपुर अस्पताल भेजा गया।घटनास्थल पर चलाए गए सर्च ऑपरेशन के दौरान सुरक्षा बलों ने भारी मात्रा में आटोमेटिक हथियार और अन्य सैन्य साजो सामान बरामद किए हैं।यह कार्रवाई सुरक्षा बलों के लिए एक बड़ी कामयाबी मानी जा रही है,क्योंकि इससे नक्सली गुट को बड़ी क्षति पहुंची है और उनके हथियारों की आपूर्ति भी बाधित हुई है।सुरक्षा बलों की इस सफलता से इलाके में नक्सली गतिविधियों पर लगाम लगाने की उम्मीद जताई जा रही है।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने किया दीनदयाल उपाध्याय भूमिहीन कृषि मजदूर कल्याण योजना का शुभारंभ

छत्तीसगढ़ के हर नागरिक तक पहुंचे सुशासन का लाभ, हमारी सरकार का है यही प्रयास-मुख्यमंत्री श्री साय

गरियाबंद (समय दर्शन)। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने आज राजधानी रायपुर न्यू सर्किट हाउस आडिटोरियम में पंडित दीनदयाल उपाध्याय भूमिहीन कृषि मजदूर कल्याण योजना का शुभारंभ किया।इस दौरान उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ में भूमिहीन मजदूरों से किए गए वायदे के अनुरूप प्रधानमंत्री श्री मोदी की एक और गारंटी पूरी हो गई है। हमारे छत्तीसगढ़ में बड़ी आबादी कृषि पर निर्भर करती है लेकिन ऐसे लोग भी हैं जिनके पास कृषि भूमि भी नहीं है और वे कृषि मजदूरी कर जीविकोपार्जन करते हैं।उन्हें ध्यान में रखते हुए हमने भूमिहीन कृषि मजदूर भाई-बहनों से भी एक वादा किया था।हमने कहा था कि उन्हें 10 हजार रुपये सालाना आर्थिक सहायता देंगे। आज हमने इस वादे को पूरा किया है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य के कुल 5 लाख 62 हजार 112 हितग्राहियों को इस योजना का लाभ मिलने जा रहा है।इस योजना के तहत पाँच सौ 62 करोड़ 11 लाख 20 हजार रुपये हम भूमिहीन कृषि मजदूरों को प्रदान करेंगे।मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि पंडित दीनदयाल उपाध्याय भूमिहीन कृषि मजदूर कल्याण योजना को शुरू करने के पीछे हमारा उद्देश्य भूमिहीन कृषि मजदूर परिवारों के शुद्ध आय में वृद्धि कर उन्हें आर्थिक रूप से संबल प्रदान करना है।इस योजना में भूमिहीन कृषि मजदूरों के साथ वनोपज संग्राहक भूमिहीन परिवार, चरवाहा,बढ़ई,लोहार,मोची,नाई,धोबी आदि पौनी-पसारी व्यवस्था से संबद्ध भूमिहीन परिवार भी शामिल हैं। इनके अलावा अनुसूचित क्षेत्रों में आदिवासियों के देवस्थल में पूजा करने वाले पुजारी,बैगा,गुनिया,माँझी परिवारों को भी शामिल किया गया है।मुख्यमंत्री श्री साय ने भूमिहीन मजदूर हितग्राहियों को 10 हजार रुपए की राशि का चेक वितरित किया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि इस ऐतिहासिक कदम के माध्यम से प्रदेश के भूमिहीन मजदूर परिवारों के आर्थिक समृद्धि का जो संकल्प हमने लिया था,वह आज साकार हो रहा है।श्री साय ने कहा कि यह योजना न केवल उनकी आर्थिक स्थिति को मजबूत करेगी,बल्कि उनके बच्चों की शिक्षा,स्वास्थ्य और भविष्य को भी सुरक्षित बनाएगी। उन्होंने कहा कि हमारा उद्देश्य है कि प्रदेश का हर गरीब और भूमिहीन परिवार खुशहाल हो।यह योजना उनके जीवन में सकारात्मक बदलाव लाने का माध्यम बनेगी।

इस तारतम्य में संयुक्त जिला कार्यालय के सभाकक्ष में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से कलेक्टर दीपक कुमार अग्रवाल,नवपदस्थ जिला पंचायत सीईओ घासीदास मरकाम,अपर कलेक्टर अरविन्द पाण्डेय,जनपद अध्यक्ष गरियाबंद लालिमा ठाकुर,जनपद अध्यक्ष देवभोग नेहा सिंघल,जनपद उपाध्यक्ष गरियाबंद प्रवीण यादव,मनीष ध्रुव,वरिष्ठ नागरिक अनिल चन्द्राकर,विकास पारख, स्थानीय जनप्रतिनिधि सहित अधिकारी-कर्मचारी और जिले के हितग्राहीगण उपस्थित थे।

विनिर इंजीनियरिंग लिमिटेड ने सेबी के पास डीआरएचपी दाखिल किया

रायपुर। विनीर इंजीनियरिंग लिमिटेड, एक एकीकृत इंजीनियरिंग समाधान कंपनी जो उद्योगों और अनुप्रयोगों की एक विस्तृत श्रृंखला के लिए विशिष्ट, महत्वपूर्ण और भारी, सटीक-फोर्ज्ड और मशीनी घटकों के निर्माण में लगी हुई है, ने बाजार नियामक भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) के साथ अपना ड्राफ्ट रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस (डीआरएचपी) दाखिल किया है। आईपीओ में 2 रुपये अंकित मूल्य वाले 53,300,000 इक्विटी शेयरों की बिक्री की पेशकश शामिल है। बिक्री के लिए प्रस्ताव में नीतेश गुप्ता (प्रवर्तक विक्रयकर्ता शेयरधारक) द्वारा 2 रुपये अंकित मूल्य वाले 53,300,000 इक्विटी शेयर शामिल हैं। विनीर इंजीनियरिंग लिमिटेड एक एकीकृत इंजीनियरिंग समाधान कंपनी है जो ऊर्जा, रक्षा, एयरोस्पेस, रेलवे, ऊर्जा टर्बाइन, हाइड्रोलिक्स, अर्थमूविंग, हाई-एंड इंजीनियरिंग सहित कई उद्योगों और अनुप्रयोगों के लिए विशेष, महत्वपूर्ण और भारी, सटीक-फोर्ज्ड और मशीनी घटकों के निर्माण में लगी हुई है। ये घटक विभिन्न प्रणालियों और अनुप्रयोगों में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं, जैसे कि बख्तरबंद वाहन, आयुध और गोला-बारूद, लड़ाकू उपकरण, सैन्य हार्डवेयर, अपस्ट्रीम और डाउनस्ट्रीम तेल और गैस प्रणाली, क्रायोजेनिक्स सिस्टम, विमान प्रणोदन प्रणाली, पावर टर्बाइन, गैस टर्बाइन, रेलवे लोकोमोटिव और ब्रेकिंग सिस्टम, परमाणु ऊर्जा अवसंरचना उपकरण, भारी शुल्क उत्खनन मशीनरी, स्पेसफ्रेम, हाइड्रोलिक घटक, पवन टर्बाइन जनरेटर और उच्च दबाव बॉयलर, अन्य। कंपनी मिश्र धातु इस्पात, टाइटेनियम, हेस्टेलॉय, कार्बन स्टील, स्टेनलेस स्टील, डुप्लेक्स स्टील, विशेष स्टील, इनकोनेल, मोनेल और एल्युमीनियम सहित कई धातुओं का उपयोग करके महत्वपूर्ण और भारी परिशुद्धता-फोर्ज्ड और मशीनीकृत घटकों के उत्पादन में माहिर है। कंपनी इन प्रक्रियाओं और परिशुद्धता मशीनिंग का उपयोग करके 20 किलोग्राम से लेकर 6,000 किलोग्राम तक के वजन वाले घटकों का निर्माण करने में सक्षम है।

जेएसडब्ल्यू एमजी मोटर इंडिया ने भारत मोबिलिटी ग्लोबल एक्सपो 2025 में अगली पीढ़ी के मोबिलिटी समाधानों को किया पेश

रायपुर : जेएसडब्ल्यू एमजी मोटर इंडिया ने अपनी ड्राइव.फ्यूचर सोच के साथ भारत मोबिलिटी ग्लोबल एक्सपो 2025 में दूसरे दिन अपनी नई तकनीकों का प्रदर्शन किया है। तकनीकी नेतृत्व को मजबूत करते हुए, कंपनी ने CASE (कनेक्टेड, ऑटोनोमस, शेयर्ड और इलेक्ट्रिक) तकनीक में अपनी क्षमताओं का प्रदर्शन किया। इनोवेशन, स्थिरता और ग्राहक-केंद्रित पहल पर ध्यान केंद्रित करते हुए इस ब्रांड ने आधुनिक युग के लिए मोबिलिटी को बेहतर बनाने वाले व्यावहारिक समाधानों को प्रस्तुत किया। ड्राइव.फ्यूचर सोच को एक नई ऊंचाई पर ले जाते हुए, जेएसडब्ल्यू एमजी मोटर इंडिया ने हाइब्रिड इलेक्ट्रिक वाहन (HEVs), प्लग-इन हाइब्रिड इलेक्ट्रिक वाहन (PHEVs), बैटरी इलेक्ट्रिक वाहन (BEVs) और आंतरिक दहन इंजन (ICE) मॉडलों सहित विविध पावरट्रेन विकल्पों का प्रदर्शन किया। इसमें अत्याधुनिक बैटरी प्रबंधन प्रणाली वाले इनोवेटिव मॉडल, IMz और IM6, प्रीमियम प्लग-इन हाइब्रिड इलेक्ट्रिक वाहन MG HS, भव्य SUV मॉडल रू कॉमेट BLACKSTORM और लक्ज़री स्न्न7 ट्रॉफी एडिशन शामिल हैं। जेएसडब्ल्यू एमजी मोटर इंडिया के सीईओ राजीव चाबा ने कहा, हम भारत मोबिलिटी ग्लोबल एक्सपो 2025 में CASE तकनीकों में अपनी अग्रणी पहलों को प्रदर्शित करने के लिए उत्साहित हैं। यह मोबिलिटी के भविष्य को आकार देने के प्रति हमारी प्रतिबद्धता को दोहराता है। ड्राइव.फ्यूचर की हमारी दृष्टि उन्नत तकनीक का लाभ उठाकर मोबिलिटी को स्थायी, जुड़े हुए और ग्राहक-केंद्रित अनुभव में बदलने में निहित है। हम प्रौद्योगिकी जोन और विविध पावरट्रेन शोकेस के माध्यम से व्यावहारिक और स्थायी समाधान प्रदान करने के लिए सीमाओं को आगे बढ़ा रहे हैं।

न्यायालय तहसीलदार स.लोहारा जिला-कबीरधाम (छ0ग0)

रा.प्र.क्र. 202501080500006
अ/6 वर्ष 2024-25
ग्राम-कोयलारी प.ह.नं. 15
// ईश्तहार//

एतद् द्वारा सर्व साधारण ग्रामवासीगण ग्राम-कोयलारी प.ह.नं. 15 रा.नि.मं. सिल्हाटी तहसील स.लोहारा को सूचित किया जाता है आवेदक राधेलाल साहू पिता परउ राम साहू जाति-तेली, निवासी ग्राम-कोयलारी, तहसील-स0लोहारा जिला-कबीरधाम द्वारा आवेदन पत्र कमांक आर डी 202425570458700004 के द्वारा आवेदन प्रस्तुत किया गया है कि, भू-स्वामी परउ राम साहू पिता दसरू साहू जाति-तेली स्वामित्व ग्राम-कोयलारी, प0ह0नं0 15. रा0नि0म0 सिल्हाटी में ख.नं. 7/15 रकबा क्रमशः 0.4660 हे. कुल ख.नं. 01 कुल रकबा 0.4660 हे. कृषि भूमि दर्ज है। आवेदक के पिता परउ राम साहू आ. दसरू की मृत्यु दिनांक 03.11.2024 हों चुकी हैं। आवेदक द्वारा वसीयतनामा के आधार पर ना.बा. हेमेन्द्र कुमार साहू ना.बा. टुकेश्वर साहू पिता राधेलाल साहू एवं जानकी बाई साहू बेवा परउ राम साहू दर्ज कियें जाने हेतु आवेदन पेश किया गया हैं। जिसके संबंध में प्रकरण न्यायालय में विचाराधीन है जिसकी सुनवाई दिनांक 22.01.2025 को नियत किया गया है। अतः उक्त संबंध में जिस किसी भी व्यक्ति / संस्था को कोई दावा/आपत्ति पेश करना हो तो वे स्वयं अथवा अपने अभिभाषक के माध्यम से उपस्थित होकर इस न्यायालय में नियत समय व तिथि तक दावा-आपत्ति पेश कर सकते हैं। नियत तिथि के पश्चात् प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेंगा।

यह ईश्तहार आज दिनांक को मेरे हस्ताक्षर व न्यायालयीन पदमुद्रा से जारी किया गया।

जारी दिनांक-06.01.2025
पेशी दिनांक-22.01.2025

मुहर

तहसीलदार
सहसपुर लोहारा
जिला-कबीरधाम (छ.ग.)

न्यायालय तहसीलदार स.लोहारा जिला-कबीरधाम (छ0ग0)

रा.प्र.क्र. 202501080500005
अ/6 वर्ष 2024-25
ग्राम-कोयलारी प.ह.नं. 15
// ईश्तहार//

एतद् द्वारा सर्व साधारण ग्रामवासीगण ग्राम-कोयलारी प.ह.नं. 15 रा.नि.मं. सिल्हाटी तहसील स.लोहारा को सूचित किया जाता है अवेदक राधेलाल साहू पिता परउ राम साहू जाति-तेली. निवासी ग्राम-कोयलारी, तहसील-स0लोहारा जिला कबीरधाम द्वारा आवेदन पत्र कमांक आर डी 202425570458700003 के द्वारा आवेदन प्रस्तुत किया गया है कि भू-स्वामी परउ राम साहू पिता दसरू साहू जाति-तेली स्वामित्व ग्राम-कोयलारी, प0ह0नं0 15, रा0नि0सं0 सिल्हाटी में ख0नं0 8/4,8/7, 117/2.416/2, 416/4 रकबा क्रमशः 0.2020, 0.2060, 0. 0160. 0.0570, 0.1050 हे. कुल ख.नं. 05 कुल रकबा 0.5860 हे. कृषि भूमि दर्ज है। आवेदक के पिता परउ राम साहू आ. दसरू की मृत्यु दिनांक 03.11.2024 हों चुकी हैं। आवेदक द्वारा वसीयतनामा के आधार पर ना.बा. हेमेन्द्र कुमार साहू ना.बा. टुकेश्वर साहू पिता राधेलाल साहू एवं जानकी बाई साहू बेवा परउ राम साहू दर्ज किये जाने हेतु आवेदन पेश किया गया हैं। जिसके संबंध में प्रकरण न्यायालय में विचाराधीन है जिसकी सुनवाई दिनांक 22.01.2025 को नियत किया गया है।

अतः उक्त संबंध में जिस किसी भी व्यक्ति/संस्था को कोई दावा/आपत्ति पेश करना हो तो वे स्वयं अथवा अपने अभिभाषक के माध्यम से उपस्थित होकर इस न्यायालय में नियत समय व तिथि तक दावा-आपत्ति पेश कर सकते हैं। नियत तिथि के पश्चात् प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेंगा।

यह ईश्तहार आज दिनांक को मेरे हस्ताक्षर व न्यायालयीन पदमुद्रा से जारी किया गया।

जारी दिनांक-06.01.2025
पेशी दिनांक-22.01.2025

मुहर

तहसीलदार सहसपुर लोहारा
जिला-कबीरधाम (छ.ग.)

न्यायालय तहसीलदार स.लोहारा जिला-कबीरधाम (छ0ग0)

रा.प्र.क्र. 202501080500007
अ/6 वर्ष 2024-25
ग्राम-कामनबोंड प.ह.नं. 15
// ईश्तहार//

एतद् द्वारा सर्व साधारण ग्रामवासीगण ग्राम-कामनबोंड प.ह.नं. 15 रा.नि.मं. सिल्हाटी तहसील स.लोहारा को सूचित किया जाता है आवेदक राधेलाल साहू पिता परउ राम साइ जाति-तेली, निवासी ग्राम-कोयलारी. तहसील-स0लोहारा जिला-कबीरधाम द्वारा आवेदन पत्र क्रमांक आर डी 202425570458600002 के द्वारा आवेदन प्रस्तुत किया गया है कि भू-स्वामी पर राम साहू पिता दसरू साहू जाति-तेली स्वामित्व ग्राम-कामनबॉड, प0ह 0नं0 15, रा0नि0मंट सिल्हाटी में ख.नं. 20/2, 20/4, 20/5, 20/6. 20/11, 20/12 रकबा कमशः 0.0810, 0. 0730, 0.1130, 0.5710, 0.1290, 0.1250 हे. कुल ख.नं. 06 कुल रकबा 1.0920 हे. कृषि भूमि दर्ज है। आवेदक के पिता परउ राम साहू आ. दसरू की मृत्यु दिनांक 03.11.2024 हो चुकी हैं। आवेदक द्वारा वसीयतनामा के आधार पर ना.बा. हेमेन्द्र कुमार साहू, ना.बा. टुकेश्वर साह पिता राधेलाल साहू एवं जानकी बाई साहू बेवा परउ राम साहू दर्ज कियें जाने हेतु आवेदन पेश किया गया हैं। जिसके संबंध में प्रकरण न्यायालय में विचाराधीन है जिसकी सुनवाई दिना 22.01.2025 को नियत किया गया है।

अतः उक्त संबंध में जिस किसी भी व्यक्ति / संस्था को कोई दावा/आपत्ति पेश करना हो तो वे स्वयं अथवा अपने अभिभाषक के माध्यम से उपस्थित होकर इस न्यायालय में नियत समय व तिथि तक दावा-आपत्ति पेश कर सकते हैं। नियत तिथि के पश्चात् प्राप्त दावा/आपत्ति पराई विमार नहीं किया जावेगा।

यह ईश्तहार आज दिनांक को मेरे हस्ताक्षर व न्यायालयीन पदमुद्रा से जारी किया गया।

जारी दिनांक-06.01.2025
पेशी दिनांक-22.01.2025

मुहर

तहसीलदार
सहसपुर लोहारा
जिला-कबीरधाम (छ.ग.)

न्यायालय कार्यपालिक दण्डाधिकारी, जरहागांव

//उद्घोषणा//
रा0प्र0क्र..... ब/-121/2024-25

ग्राम दशरंगपुर प0ह. न.07

एतद द्वारा समस्त ग्रामवासी ग्राम दशरंगपुर नवरतन पिता/पति निवासी ग्राम वालो को सूचित किया जाता है कि आवेदक नवरतन पिता सिरोसन जाति सतनामी निवासी ग्राम दशरंगपुर तहसील जरहागांव, जिला मुंगेली छ0ग0 द्वारा अपने पुत्री सारिका के जन्म दिनांक 16.07.2007 को ग्राम पंचायत में दर्ज करने हेतु आदेश जारी करने बाबत् आवेदन पत्र प्रस्तुत किया है, अतः इस संबंध में जिस किसी को कोई दावा आपत्ति प्रस्तुत करना हो तो वे दिनांक 28.01.25 को प्रातः 11 बजे तक मेरे न्यायालय तहसील जरहागांव में उपस्थित होकर प्रस्तुत कर सकते है। नियत तिथि पश्चात् प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विचार नही किया जावेगा।

आज दिनांक 07.01.25 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की मुद्रा की अधीन जारी किया गया।

मुहर

तहसीलदार
जरहागांव

कार्यालय कलेक्टर एवं विवाह अधिकारी, मुंगेली (छत्तीसगढ़)

:: ईश्तहार ::
क्रमांक /67/वा वि0अ0/2024
मुंगेली, दिनांक 06/01/2025

आवेदक श्री कृष्णा गायकवाड़ आ0 संजय गायकवाड़, उम्र 22 वर्ष, जाति-सतनामी, निवासी ग्राम सोढ़ी तहसील पथरिया जिला-मुंगेली (छ0ग0)

एवं

श्रीमती पूर्णिमा साहू आ0 राजेश, उम्र-20 वर्ष, जाति-तेली, निवासी रोहराकला तहसील सरगांव जिला-मुंगेली (छ0ग0)

-00-

एतद् द्वारा विशेष विवाह अधिनियम 1954-55 की धारा-05 के तहत सूचना पत्र प्रस्तुत किया गया है। अतः प्राप्त सूचना प्रकाशन सर्व साधारण के लिए किया जाता है। इस विवाह पर यदि किसी प्रकार का कोई आपत्ति/दावा हो तो दिनांक 07.02.2025 को समय 03:00 बजे मेरे न्यायालय में उपस्थित होकर आपत्ति/दावा पेश कर सकते है। निर्धारित तिथि पश्चात प्राप्त आपत्ति/दावा पर कोई विचार करना संभव नहीं होगा।

मुहर

अतिरिक्त कलेक्टर एवं विवाह अधिकारी, जिला मुंगेली (छत्तीसगढ़)

न्यायालय विवाह अधिकारी एवं अपर कलेक्टर दुर्ग (छत्तीसगढ़)

कमांक /1080/ प्रस्तुतकार/विवाह अधि./2024-25
दुर्ग, दिनांक 6/1/2025
फार्म-अ

सार्वजनिक सूचना
(विषय-6 देखिये)

सर्व साधारण को जानकारी के लिए अधिसूचित किया जाता है कि आवेदक नरेश कुमार स्वामी पिता बोदू राम स्वामी निवासी 4 एफ एफ 11 चित्रकूट,अजमेर रोड,वैशाली नगर जयपुर राजस्थान 303021 आवेदिका श्रीती वैष्णव पिता के. वी.श्यामसुंदर निवासी पानी टंकी के पीछे सेक्टर 07,सड़क न.34,ब्लॉक न.7 भिलाई जिला दुर्ग (छ. ग.)

द्वारा विशेष विवाह अधिनियम 1954 के अंतर्गत अपने विवाह के लिए आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है। प्रस्तावित विवाह के आपत्ति करने के इच्छुक कोई भी व्यक्ति इस संबंध में दिनांक 23/1/25 के पूर्व निम्न हस्ताक्षरकर्ता के समक्ष आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है। निर्धारित तिथि के पश्चात् प्राप्त आपत्ति पर कोई सुनवाई नहीं होगी तथा यह शून्य माना जावेगा।

आज दिनांक 6/1/25 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की मुद्रा सहित जारी।

मुहर

अपर कलेक्टर एवं विवाह अधिकारी
दुर्ग (छ.ग.)

न्यायालय व्यवहार न्यायाधीश वरिष्ठ श्रेणी, पाटन जिला- दुर्ग (छ.ग.)

मुकदमें के फैसले के बारे में समन्स
(व्यवहार प्रक्रिया संहित, आदेश 5 नियम 1 और 5)
वाद क्रमांक 08/अ/ सन् 2025

आवेदक - कार्तिक राम जांगड़े
अनावेदक - आम जनता वगै.
बनाम - आम जनता

क्योंकि वादी / आवेदक ने आपके विरूद्ध दावा वास्ते कब्जा के आधार पर स्वामित्व की घोषणा बाबत का वाद प्रस्तुत किया है, आपको इस समंस द्वारा आदेशित किया जाता है कि आप इस न्यायालय में पेशी दिनांक 06 माह 02 सन 2025 को सुबह 11 बजे स्वयं या ऐसे किसी प्लीडर / अधिवक्ता द्वारा उपसंजात हो सकते है, जिसे सम्यक् अनुदेश दिये गये हों और ज़ो इस वाद से संबंधित सभी सारवान प्रश्नों का उत्तर दे सके या जिसके साथ ऐसा कोई व्यक्ति हो जो ऐसे सब प्रश्नों का उत्तर दे सकें। आपको यह निर्देश दिया है कि आप उस दिनांक को अपनी प्रतिरक्षा का लिखित कथन प्रस्तुत करें और उस दिन ऐसी सब दत्तावेजों जो आपके अभिरक्षा या शक्तियों में है, पेश करें जिन पर आपकी प्रतिरक्षा या प्रतिदावा आधारित है और आप यदि किसी अन्य दस्तावेज समर्थन में साक्ष्य के रूप में निर्भर करते है, तो आप ऐसे दस्तावेजों की, लिखित कथन के साय उपावन की जाने वाली सूची में प्रविष्टि करें।

आपको सूचित किया जाता है कि आप उक्त बतायी गई पेशी तिथि को इस न्यायालय में उपसंजात नही होंगे तो वाद की सुनवाई और निराकरण आपकी अनुपस्थिति में किया जावेगा।

आज दिनांक 14/01/2025 को न्यायालय की मुहर से जारी किया गया।

मुहर

व्यवहार न्यायाधीश वरिष्ठ श्रेणी, पाटन
पाटन जिला- दुर्ग (छ.ग.)

संक्षिप्त-खबर

नगर पंचायत बसना के पूर्व उपाध्यक्ष सुमित अग्रवाल ने बोर खनन के लिए किया पूजन

बसना (समय दर्शन)। बसना मे गर्मी शुरू होने से पहले ही बेहतर पेयजल आपूर्ति की व्यवस्था को दुरुस्त करने के लिए नगर पंचायत की ओर से बोर खनन कराया गया। बीते दिन नगर पंचायत बसना के पूर्व उपाध्यक्ष व समाज सेवी सुमित अग्रवाल ने नगर के वार्ड क्रमांक 4 खटखटी रोड़ में बोर खनन के लिए किया पूजन । इस अवसर पर उपाध्यक्ष सुमित अग्रवाल ने कहा कि, नगर के नागरिकों को पेयजल को लेकर किसी भी तरह से दिक्कत का सामना ना करना पड़े इसके लिए वे हमेशा प्रयासरत रहते हैं । पेयजल के लिए नगर में जगह जगह बोर खनन कर पेयजल आपूर्ति को सुगम बनाने का प्रयास जारी है। अब वार्ड में बोर होने से नागरिकों को पहले की अपेक्षा और बेहतर तरीके से पेयजल की आपूर्ति होगी। इस दौरान उनके साथ विधायक कार्यालय प्रभारी कामेश बंजारा, भाजपा युवा नेता आकाश सिन्हा,नगर पंचायत सीएमओ सूरज सिदार, नगर पंचायत कर्मचारियों एवं नगरवासी मौजूद थे।

पंडित दीनदयाल उपाध्याय भूमिहीन कृषि मजदूर कल्याण योजना का मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने किया शुभारंभ

ब्यूरों सैय्यदा मुनीजा़ हुसैनी धमतरी छत्तीसगढ़। धमतरी / प्रदेश के मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने आज राजधानी रायपुर स्थित न्यू सर्किट हाउस आडिटोरियम में पंडित दीनदयाल उपाध्याय भूमिहीन कृषि मजदूर कल्याण योजना का शुभारंभ की। इस अवसर पर धमतरी जिला एवं विकासखण्ड स्तर से जनप्रतिनिधि, अधिकारी और हितग्राही वर्चुअली तौर पर कार्यक्रम से जुड़े रहे। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि छत्तीसगढ़ में भूमिहीन मजदूरों से किए गए वायदे के अनुरूप प्रधानमंत्री श्री मोदी की एक और गारंटी पूरी हो गई है। छत्तीसगढ़ में बड़ी आबादी कृषि पर निर्भर करती है, लेकिन ऐसे लोग भी हैं जिनके पास कृषि भूमि भी नहीं है और वे कृषि मजदूरी कर जीविकोपार्जन करते हैं। उन्हें ध्यान में रखते हुए हमने भूमिहीन कृषि मजदूर भाई-बहनों से भी एक वादा किया था। हमने कहा था कि उन्हें 10 हजार रुपये सालाना आर्थिक सहायता देंगे। आज हमने इस वादे को पूरा किया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य के कुल 5 लाख 62 हजार 112 हितग्राहियों को इस योजना का लाभ मिलने जा रहा है। इस योजना के तहत पाँच सौ 62 करोड़ 11 लाख 20 हजार रुपये हम भूमिहीन कृषि मजदूरों को प्रदान करेंगे। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि पंडित दीनदयाल उपाध्याय भूमिहीन कृषि मजदूर कल्याण योजना को शुरू करने के पीछे हमारा उद्देश्य भूमिहीन कृषि मजदूर परिवारों के शुद्ध आय में वृद्धि कर उन्हें आर्थिक रूप से संबल प्रदान करना है। इस योजना में भूमिहीन कृषि मजदूरों के साथ वनोपज संग्राहक भूमिहीन परिवार, चरवाहा, बढ़ई, लोहार, मोची, नाई, धोबी आदि पौनी-पसारी व्यवस्था से संबद्ध भूमिहीन परिवार भी शामिल हैं। इनके अलावा अनुसूचित क्षेत्रों में आदिवासियों के देवस्थल में पूजा करने वाले पुजारी, बैगा, गुनिया, माँझी परिवारों को भी शामिल किया गया है। मुख्यमंत्री श्री साय ने भूमिहीन मजदूर हितग्राहियों को 10 हजार रुपए की राशि का चेक वितरित किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि इस ऐतिहासिक कदम के माध्यम से प्रदेश के भूमिहीन मजदूर परिवारों के आर्थिक समृद्धि का जो संकल्प हमने लिया था, वह आज साकार हो रहा है। श्री साय ने कहा कि यह योजना न केवल उनकी आर्थिक स्थिति को मजबूत करेगी, बल्कि उनके बच्चों की शिक्षा, स्वास्थ्य और भविष्य को भी सुरक्षित बनाएगी। उन्होंने कहा कि हमारा उद्देश्य है कि प्रदेश का हर गरीब और भूमिहीन परिवार खुशहाल हो। यह योजना उनके जीवन में सकारात्मक बदलाव लाने का माध्यम बनेगी। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने कहा कि हमारे यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ने छत्तीसगढ़ की जनता को जो गारंटियां दी थीं, उनमें से अधिकांश गारंटियों को हमारी सरकार ने महज एक साल के भीतर ही पूरा कर दिया है। शपथ लेने के दूसरे दिन ही पहली कैबिनेट में हमने जरूरतमंद 18 लाख परिवारों को प्रधानमंत्री आवास की स्वीकृति दी। हमारी सरकार ने पीएम आवास के लिए पात्रता का दायरा भी बढ़ा दिया है। अब जिनके पास दुपहिया वाहन हैं, ढ़ाई एकड़ सिंचित भूमि या पाँच एकड़ असिंचित भूमि है, जिनकी मासिक आय 15 हजार रुपये है, वे भी पीएम आवास के लिए पात्र होंगे। हमने राज्य में आवास प्लस के लिए सर्वे का काम भी शुरू कर दिया है।

प्राचीन कबीर कुटी तरेकेला से महाकुंभ प्रयागराज कुंभ दर्शन यात्रा

बसना (समय दर्शन)। पापनाशनी गंगा के तट मे धर्म और आस्था का संगम , विशाल स्वरूप लिए महाकुंभ प्रयागराज मे साधु संतों, श्रद्धालु भक्तों की प्रगाढ़ ईश्वरीय प्रेम अब अपने शबाब पर आ गया है। मनुष्यता को पारिभाषित करता विश्व का सबसे बड़ा तीर्थ जहाँ लाखों श्रद्धालु इस पावन व अलौकिक आस्था के संगम का स्नान, दर्शन कर कृतार्थ होते हैं । वे भाग्यशाली हैं जो वहाँ पहुंच रहे हैं और पहुंचेंगे। नागा साधुओं, अखाड़ों में धूनी रमाये साधु संत तो सदैव की भांति हैं ।डिजिटल मीडिया कुंभ की चित्र विचित्र खबरों, दृश्यों से अटा पड़ा है।

भारत सदैव से विचित्रताओं, अजब गजब मान्यताओं,सभ्यता संस्कृतियों का देश रहा है,और इसका समुच्चय आप महाकुंभ में देखते हैं।

जैसे सारा भारत एक कुंभनुभा प्रेम में आ समाया हो। अजब गजब इंद्रधनुषी रंग,अनेकता में एकता,कहीं कोई भेद नहीं,विद्वेष नहीं।

कुम्भ मे साफ सफाई की गजब व्यवस्था है।हर चार टॉयलेट पर एक सफाईकर्मी लगा है। वहीं हर तीस चालीस फिट पर एक झाड़ू वाला तैनात है।

यह कुम्भ ऐसी कर्मियों के कंधे के भरोसे चल रहा है, नौकरी समझ कर नहीं।

कुम्भ में तीर्थ यात्रियों की सेवा समझकर, सभी सेवायें बखूबी चल रही हैं ।

कैसे जायें, कहाँ रहेंगे?

कैसी सुविधाएं होंगी,

कौन साथ होगा,, कहाँ खाना मिलेगा?

टेंट तक गाड़ी जाएगी कि नहीं,

ऑटो संगम तक जाएगा या नहीं ?

जब मन बैरागी हो जाता है,तब दुनिया भर के ऐश्वर्य भी आकर्षित नहीं कर पाते,ये तो उस आनंद को खोजता है जिसे दुनिया का कोई खजाना न खरीद पाये।भारत की वैदिक सनातनी संस्कृति और उसकी सांस्कृतिक विरासत की दिव्य अभिव्यक्ति महाकुम्भ प्रयागराज के अन्तर्गत जूनापीठाधीश्वर आचार्यमहामण्डलेश्वर अनन्तश्री विभूषित पूज्यपाद स्वामी अवधेशानन्द गिरि जी महाराज द्वारा सनातन हिन्दू धर्म संस्कृति के प्रचार-प्रसार एवं संवर्धन हेतु मध्य रात्रि में श्री पंचदशनाम जूना अखाड़ा के नागा-संन्यासियों को बड़ी संख्या में संन्यास दीक्षा प्रदान दी गई है।

इस तारतम्य मे मूलगादी कबीर चौरा मठ के 24वें पीठाधीश आचार्य विवेक साहेब जी के आशीर्वाद से छत्तीसगढ़ के महासमुन्द जिला अंतर्गत बसना पिथौरा सराईपाली क्षेत्र के कबीर साहेब के प्रचार-प्रसार केन्द्र प्राचीन कबीर कुटी तरेकेला के महंत लखन मुनि साहेब जी के मार्ग दर्शन में सैकड़ों भक्त वृद्धों को महाकुंभ प्रयागराज, बनारस,कांसी विश्वनाथ ,श्री राम जन्मभूमि अयोध्यापुरी दर्शन लाभ हेतु दिनांक 24जनवरी से 30 जनवरी तक,एवं 03 फरवरी से 10 फरवरी 2025 तक दो यात्रा दल, प्राचीन कबीर कुटी तरेकेला से निकलेगी । महाकुंभ प्रयागराज, काशी विश्वनाथ, श्री राम जन्मभूमि दर्शन लाभ के इच्छुक श्रद्धालु भक्त वृन्द निम्न नंबर मे संपर्क कर सकते हैं ।

15 जनवरी की नगर पालिका की घटित घटना अत्यंत दुखद और दुर्भाग्य जनक- आनंद यादव

भाटापारा (समय दर्शन)। भाजपा कार्यालय में जिलाध्यक्ष आनंद यादव के नेतृत्व में प्रेसवार्ता रखी गई जिसमे भाजयुमो जिलाध्यक्ष सुनील यदु, मंडल अध्यक्ष योगेश अनंत एवं पूर्व विधायक प्रतिनिधि आशीष जायसवाल भी उपस्थित रहे।

जिलाध्यक्ष आनंद यादव ने प्रेसवार्ता को सम्बोधित करते हुए कहा की 15 जनवरी को नगर पालिका परिषद में जो घटना घटित हुई वह अत्यंत दुखद और दुर्भाग्य जनक है,,इस पूरे घटनाक्रम में कांग्रेस पार्टी का चाल चरित्र और चेहरा उजागर हुआ है ।

आनंद यादव ने कहा की नगर पालिका परिषद भाटापारा द्वारा क्षेत्र के पूर्व विधायक, प्रदेश के कद्दावर नेता शिवरतन शर्मा को मुख्य अतिथि के रूप में करोडो के मशीन के उद्घाटन के लिए आमंत्रित किया गया था । और आमंत्रण के बाद ही शिवरतन शर्मा जी वहा कार्यक्रम के लिए सम्मिलित हुए पर जिस तरह की घटना वहा कांग्रेसीयों द्वारा की गई वो अत्यधिक अशोभनीय है। जिलाध्यक्ष यादव ने कहा की भाटापारा नगर की जनता के साथ साथ पूरा विधानसभा क्षेत्र जानता है की विकाश कार्य किनके द्वारा करवाया जा रहा है और किया गया है,, भाटापारा में किस तीव्र गति से विकास कार्य कर नगर का नक्शा बदला गया है ये किसी से अछूता नहीं है। शिवरतन शर्मा द्वारा सड़क, शिक्षा, चिकित्सा, पुल, पानी, बिजली, हर क्षेत्र में विकास करवाये गये है, जो इन कांग्रेसीयों द्वारा कभी सोचा भी नहीं गया और ना ये करवा पाए कभी,, आज पुरे क्षेत्र में जितने भी विकास कार्य हुए सभी शिवरतन शर्मा के प्रयासों और दृण इच्छा शक्ति, विकाशपरक सोचा का परिणाम है।

वही देखा जाये तो विगत 5 वर्षो से नगर पालिका में कांग्रेस की सत्ता थी जहा जिसमें सारे विकास कार्य अवरूद्ध थे, उनके मंत्री द्वारा पूर्व में घोषित की गई 05 करोड़ की राशि तक प्राप्त नहीं हुई,, जबकि प्रदेश की विष्णु देव सरकार ने उदारता पुर्ण निर्णय लेते हुए शिवरतन शर्मा के प्रयासों से केवल एक वर्ष में ही लगभग 15 करोड की राशि प्रदान की । पर ये बात कांग्रेसीयों को हजम नहीं हो रही है क्योंकी इनकी सोच कभी नगर का विकास रहा ही नहीं,, इनका काम केवल जनहित के कार्यों का विरोध करना है,,आनंद यादव ने कहा की भाटापारा की जो स्तिथि इन 05 बर्षो में कांग्रेस सरकार और कांग्रेस शाशित नगर पालिका में हुई है वो जग जाहिर है,,

आनंद यादव ने बताया की भाटापारा नगर पालिका को जो वर्त्तमान में राशि भारतीय जनता पार्टी की सरकार बनने के बाद मिली यह सौगात राज्य और केंद्र की मोदी सरकार द्वारा प्रदान की गई है स्वाभाविक रूप से ऐसी किसी विकास राशि से संबंधित उपकरणों के लिए उद्घाटन सत्ताधारी दल के नेतृत्व में ही किया जाता है,,,पिछले 05 वर्षों में हमने यही देखा कि नगर पालिका ही नहीं अन्य विभागो में भी विभिन्न विकास कार्यों में कांग्रेस के नेताओं ने ही फीता काटा लेकिन दुर्भाग्यवश क्षेत्र के वर्तमान विधायक के इशारे पर कांग्रेस के 15 -20 लोग अचानक नगर पालिका पहुंच गए और वहां का वातावरण खराब करना शुरू किया पुलिस प्रशासन और भाजपा कार्यकर्ताओं की समझाइश के बाद भी लगभग 01 घंटे तक कांग्रेसियों ने नगर पालिका में प्रदर्शन किया व काले झंडे दिखाए । लोकतंत्र में सभी को विरोध प्रदर्शन करने का अधिकार है कांग्रेसी नेताओं ने मुख्य नगर पालिका अधिकारी के खिलाफ विरोध दर्ज किया तहसीलदार को बुलाया गया उनसे भी चर्चा हुई और पुलिस प्रशासन ने भी लगातार समझाइश दी, लेकिन जैसे ही कार्यक्रम स्थल में शिवरतन शर्मा जी पहुंचे कांग्रेस के कार्यकर्ताओ ने काला झंडा निकाले जिसके कारण पुलिस प्रशासन ने उन्हें बाहर किया । फिर भी कांग्रेसी में लगातार नारे लगाते रहे और अंदर उद्घाटन कार्यक्रम चलता रहा लेकिन अचानक कांग्रेस के एक कार्यकर्ता ने शिवरतन शर्मा जी को अमर्यादित / अपशब्द कहे ऐसे अपशब्द जिन्हें मैं इस वार्ता में नहीं कह सकता । वह ऐसे अप शब्द थे जिन्हें सहन नहीं किया जा सकता था और यही कांग्रेस के चाल चरित्र और चेहरे को बेनकाब करता है।।

जिलाध्यक्ष ने कहा की दुर्भाग्य है कांग्रेस के नेताओं ने नगर पालिका में विकास को रोकने का काम किया 05 वर्षों तक हम नगर पालिका नहीं गए क्योंकि वह कांग्रेस शासित नगर पालिका थी ,तथाकथित पूर्व जनपद सदस्य सिमगा जो स्वयं को छाया विधायक कहलाते थे,और ऐसे ही कुछ कांग्रेसी जो खुद को किंग मेकर की उपाधि दिए घूमते थे,,,ऐसे उद्घाटन करते रहे हमने विरोध नहीं किया,,,क्योंकी क्षेत्र का विकास ,ही हमारी और हमारे कार्यकर्ताओ की प्राथमिकता है,,जबकि वो कार्य भी पूर्ववर्ती भाजपा सरकार द्वारा शिवरतन शर्मा के प्रयासों से स्वीकृत की गई थी।

जिला स्तरीय दो दिवसीय वार्षिक कोया करसाड़ का हुआ आयोजन

दंतेवाड़ा (समय दर्शन)। ग्राम पंचायत कावड़गांव,डुमाम, दाबपाल, मेटापाल, मेंढोली ,जारम, पोंदुम, चितालुर के संयुक्त तत्वाधान में 19 व 20 जनवरी को दो दिवसीय जिला स्तरीय वार्षिक कोया करसाड़ 2025 का आयोजन कावड़गांव के खेल मैदान में किया गया।इस आयोजन में प्रतिवेदन वाचन,सामाजिक संगठन एकता व अखण्डता पर चर्चा,जन्म विवाह एवं मृत्यु संस्कार पर चर्चा,नशामुक्ति मुर्गाबाज़ार एवं डीजे लगाने पर चर्चा,शिक्षा के महत्व पर चर्चा,पेशा कानून व वनाधिकार पर चर्चा,संवैधानिक अधिकार मानव अधिकार एवम आरक्षण पर चर्चा,आर्थिक सुदृढ़ता एवं कृषि विकास पर चर्चा,धर्मांतरण व्यक्ति व समाज के लिए घातक पर चर्चा,अन्य राज्यों में पलायन पर चर्चा,तीज त्यौहार पंडुम भोगेम के महत्व पर सविस्तार चर्चा किया गया मुख्य अतिथि के तौर पे जनपद सी ओ नहाता जनपद सदस्य रामु नेताम कोया कुटुम समाज अध्यक्ष गंगो राम कश्यप ग्राम सभा अध्यक्ष सहादेव पोयम कावड़गांव सरपंच कमली पोयम डुमम सरपंच कमलू सोढ़ी ईस प्रकर आस पास के सभि पंचायतों के सरपंच उपस्तीत रहें और ग्रामीणों की उपस्थिति रही कोया कुटुम समाज के युवाओं का सहयोग से इतने बड़े स्तर पर कार्यक्रम आयोजन किया गया जिसमे युवा सदस्य लक्ष्मण पोयम,हिडमा सोढ़ी,महादेव पोयम,मासु पोयम,सुखराम पोयम,कोसो पोयम,सन्नू पोयम,भोजो पोयम,राजू पोयम,सागर,समीर,अभिषेक,राजा,मंगल, राम,बालसिंग,करण,पुष्कर,अर्जुन, और युवाओं का भी समाज के काम मे भापुर सहयोग रहा।

कुआं से निकले चुनावी मेंढ्क को सोच समझ कर वोट देना भाटापारा के जनता

शत्रुघ्न लाल/भाटापारा

पंचायत व नगर पंचायत चुनाव के आरक्षण आ चुके हैं।और साथ ही पुराने जनप्रतिनिधियों द्वारा किए गए वादो की पोटली खाये जा चुके हैं। रोज सुबह की तरह आज भी भाटापारा की हवा सर्द और थोड़ी नरम हो चली थी। मार्निंग वाक पर निकले कुछ लोग चहलकदमी करते नजर आ रहे थे।कुछ चाय की दुकान खुली थी तो वहीं कुछ नाश्ते के दुकान खुले दिखे।बाइक से सरसराते हुए कुछ लोग बैट बाल पकड़ कर निकल रहे थे।भीडो़ का भीड़ चाय दुकान पर दिखी जाने क्या काम रहा होगा जो सुबह की चाय तक घर पर नहीं पी पाये होंगे। तब समझ आया कि चुनाव आ चूका है। और चुनावी मेंढक प्रकट हो चुके हैं।वैसे ये वो बरसाती मेंढ़क नहीं है।जो आप सोच रहे हैं। बरसाती मेंढ़क की प्रजाति कई प्रकार के होते हैं।और उनके नाम भी अलग अलग लेकिन चुनावी मेंढक प्रजाति 1और नाम अनेक जैसे जुझारू, समर्पित, जागरूक, जनसेवक, समाजसेवी, दयावान, शक्तिमान अमका,डमका, फलाना ना जाने क्या क्या। अब डिजीटल एप से पोस्टर से लेकर वोटरो को कैसे बेवकूफबनाये इनका रोस्टर भी बन चुका होगा। हर 5 मिनट में इस जगह से ये और उस जगह से ये इनके समर्थक इतने और उसके समर्थक इतने इस तरह के मैसेज, चर्चा,फोटो देखने सुनने मिल जायेंगे। लेकिन एक बार चिंतन करना की कहीं आपके पंचायत में भी तो वो गली ,मोहल्ला,नाली नहीं बचा जिन्हे पिछले

कार्यकाल में साफ होना था वो सड़क तो अधुरा नहीं रह गया जिसे आजतक बन जाना था वो आँगनबाड़ी भवन तो अधुरा नहीं है जांहा आज हमारे नन्हें बच्चे पड़ते खेलते वो चबुतरा तो नहीं बचा जांहा युवा बुजुर्ग एकत्रित होकर चर्चा करते,वो हैंडपंप तो खराब नहीं जिसके कारण दूर दराज से पीने का पानी लाना पड़ रहा हो, वो सामुदायिक भवन जांहा सामाजिक गतिविधि कर सामाजिक कार्यो को प्रोत्साहित किया जाना हो, शौचालय, नल जल, बिजली, स्कूल, स्वास्थ्य सुविधाएं ,पेंशन, राशन कार्ड जैसे सुविधाओ से कहीं आप वंचित तो नहीं हैं। आपने वोट की जगह नोट लिया और आपके मतदान को उम्मीदवार ने खरीद लिया कारण यही है की आपके सैंकड़ों शिकायतों, मांग के बाद भी आज भाटापारा की पवित्र माटी मूलभूत सुविधाओं को तरस रहा है।और उसका दंश आप हम सब झेल रहे हैं।और जनप्रतिनिधि ठेकेदारी कर तुम्हें हमेशा खरीदने अपना तिजोरी भर रहे हैं।इस बार एक वोट मूलभूत सुविधाओं के नाम।

खेत में मिला अज्ञात शव, पुलिस जुटी पहचान मे

बसना क्षेत्रान्तर्गत के ग्राम जगत के पास खेत में मिला अज्ञात शव, पुलिस कर रही जांच

बसना(समय दर्शन)। बसना के समीप स्थित जगत गांव में राष्ट्रीय राजमार्ग (ह॥-53) के किनारे एक खेत में अज्ञात शव बरामद हुआ है। यह शव बसना पुलिस द्वारा खोजबीन के दौरान मिला। मृतक की पहचान अब तक नहीं हो पाई है। मामले की जांच शुरू कर दी है। अज्ञात शव की पहचान के लिए स्थानीय लोगों और आसपास के इलाकों में पूछताछ की जा रही है। पुलिस ने अपील की है कि यदि किसी को इस शव के बारे में कोई जानकारी हो, तो वे तुरंत पुलिस को सूचित करें। घटना की गंभीरता को देखते हुए पुलिस हर पहलू पर बारीकी से जांच कर रही है। बसना थाना प्रभारी से मिली जानकारी के अनुसार उक्त अज्ञात शव का शाम तक शिनाख्त नहीं हो पाने की वजह से पोस्ट मार्टम करवाया गया। उन्होंने बताया कि, प्रथम दृष्टया यह मर्डर जान नहीं पडता, पर पोस्ट मार्टम रिपोर्ट आने से मौत का कारण साफहो पाएगा ।

मदकूद्वीप ऐतिहासिक, पुरातात्विक और धार्मिक महत्व का स्थल

- भाटापारा से 10 किलोमीटर दूर, प्राकृतिक सौंदर्य से भरपूर स्थल पर्यटकों के लिए बना आकर्षण का केन्द्र

शत्रुघ्न लाल

भाटापारा (समय दर्शन)। छत्तीसगढ़ के पर्यटन स्थलों में मुंगेली जिले का भी एक पर्यटन स्थल शामिल है, जिसे मदकूद्वीप के नाम से जाना जाता है। जिला मुख्यालय मुंगेली से महज 50 किलोमीटर भाटापारा से 10 किलोमीटर की दूरी पर शिवनाथ नदी के तट पर बना हुआ द्वीप है। जहां हर साल बड़ी संख्या में सैलानी ऐतिहासिक, पुरातात्विक और धार्मिक महत्व के स्थल को देखने के लिए आते हैं। शिवनाथ नदी की धाराएं दो भागों में विभाजित होकर इस टापू का निर्माण करती है। जिसे मदकूद्वीप कहा जाता है। यह द्वीप प्राकृतिक सौंदर्य और प्राचीन मंदिरों से भरपूर है। यहां 10वीं-11वीं सदी के दो प्रमुख शिव मंदिर, धूमनाथेश्वर और जलहरी स्थित हैं, जो पौराणिक और ऐतिहासिक महत्व रखते हैं। इसके अलावा, द्वीप पर कई प्राचीन शिलालेख और मूर्तियां भी मिली हैं, जो इसे एक प्रमुख पुरातात्त्विक स्थल बनाते हैं। इस स्थान का शांतिपूर्ण वातावरण, प्राकृतिक सौंदर्य और धार्मिक महत्व पर्यटकों को आकर्षित करते हैं। मदकूदीप में पौराणिक कथाओं और प्राचीन धरोहरों के साथ प्राकृतिक सौंदर्य का भी भरपूर अनुभव होता है। प्राकृतिक सौंदर्य से भरपूर स्थल पर्यटकों के लिए आकर्षण का केन्द्र बना हुआ है।

प्राचीन अष्टभुजी श्री गणेश का भी मंदिर विराजमान- मदकूद्वीप में प्राचीन अष्टभुजी श्री गणेश का भी मंदिर विराजमान है जिसे देखने के लिए आसपास के अलावा बाहर से भी काफी संख्या में पर्यटक यहां पर आते हैं। मदकूद्वीप ट्रस्ट के संस्था प्रमुख श्री रामस्वरूप दास महात्यागी ने बताया कि इस द्वीप पर माण्डूक्य ऋषि के द्वारा तपस्या की जाती थी, जिसके कारण इसका नाम मंडूक द्वीप था, परंतु वर्तमान में बोलचाल की भाषा में इसे मदकूद्वीप कहा जाता है। माण्डूक्य ऋषि के द्वारा यहां उपनिषद की भी रचना की गई है, जिसमें भारत के मुहर में चार शेर वाला अशोक स्तंभ के नीचे लिखी ''सत्यमेव जयते'' वाक्य इसी उपनिषद से लिया गया है। इसी वजह से इसे ''सत्यमेव जयते'' वाक्य की जन्मभूमि भी कहा जाता है। प्राकृतिक सौंदर्यीकरण के साथ द्वीप जैसे दिखने वाले मदकूद्वीप में हर वर्ष बड़ी संख्या में सैलानी सैर पर आते हैं। इसी कारण यहां के स्थानीय लोगों को भी इस जगह का लाभ मिलता है। वह मंदिर के समीप अपनी छोटी-छोटी दुकान लगाकर अपना जीवन यापन कर रहे हैं। इस प्रकार पर्यटन स्थल से न केवल स्थानीय अर्थव्यवस्था को बल मिल रहा है, बल्कि सांस्कृतिक और ऐतिहासिक धरोहरों का संरक्षण भी हो रहा है। यहां प्रत्येक वर्ष भव्य मेला का भी आयोजन किया जाता है, जिसमें बड़ी संख्या में लोग मेला लुफ्त उठाने के लिए पहुंचते हैं।

स्वामित्वधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक रोहित खड़तकर द्वारा समय दर्शन प्रिंटर्स एंड पब्लिशर्स ग्राम छाटा, पोस्ट देवादा, तहसील पाटन, जिला दुर्ग (छ.ग.) 491111 से मुद्रित कर बी-4, प्रेस काम्प्लेक्स, इंदिरा मार्केट, दुर्ग छ.ग. 491001 से प्रकाशित। संपादक :- रोहित खड़तकर, समाचार संपादक : दामोदर राव, फोन नं.-0788-4051213, मो. 9827104452, रायपुर कार्यालय:-0771-4218364, ईमेल - samay.darshan191@gmail.com पं. क्र. CHHHIN/2011/41517 डाक पंजीयन क्रमांक छ.ग./दुर्ग/61/2024-26